खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | शुक्रवार, 24 जुलाई, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-202

मोदी का छू-मंतर

वांगचुक ने अनशन तोड़ा, आज आएगा सख्त बिल

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)।
नीट पेपर लीक को लेकर जारी विवाद और छात्र प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विद्यार्थियों के नाम एक वीडियो संदेश जारी कर भरोसा दिलाया कि सरकार परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए हरसंभव कदम उठा रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं, लाखों परिवारों का दर्द समझता हूं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह अच्छी तरह जानते हैं कि पेपर लीक कोई सामान्य घटना नहीं है। यह लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के लिए अत्यंत पीड़ादायक विषय है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद पिछले ढाई महीनों में सरकार ने विधि-सम्मत अनेक कदम उठाए हैं। जांच एजेंसियों ने दोषियों को गिरफ्तार किया है और वे जेल में हैं।

देर रात जारी वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी विद्यार्थियों का एक वर्ष बर्बाद होने से बचाना था। इसी उद्देश्य से पूरी क्षमता का उपयोग करते हुए कम समय में लगभग 22 लाख विद्यार्थियों की पुनर्परीक्षाओं का सफल आयोजन कराया गया। उन्होंने बताया कि 19 जुलाई को परीक्षा परिणाम भी घोषित कर दिए गए हैं और सफल विद्यार्थियों की खुशियों की खबरें सामने आ रही हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि सरकार केवल परिणाम घोषित होने से संतुष्ट नहीं है, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाएं पूरी तरह रोकने के लिए व्यापक सुधार किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि उन्होंने संबंधित विभागों को फास्ट ट्रैक कोर्ट की व्यवस्था और कठोर दंड के प्रावधान वाला मसौदा तैयार करने के निर्देश दिए थे। विभागों ने देर रात तक मसौदा तैयार कर उन्हें सौंप दिया है।

उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव अगले दिन केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में चर्चा के लिए रखा जाएगा। मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद इसे अंतिम रूप देकर संसद के आगामी सप्ताह में पारित कराने का प्रयास किया जाएगा, ताकि भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर तत्काल और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

सोनम वांगचुक ने तोड़ा अनशन

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात के बाद मेदांता अस्पताल में अपना अनशन समाप्त कर दिया। वांगचुक 28 जून से भूख हड़ताल पर थे। अनशन के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें पहले सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश पर उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा के लिए मेदांता अस्पताल स्थानांतरित किया गया। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो ने अदालत से अनुरोध किया था कि उनके स्वास्थ्य को देखते हुए उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इस पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने वांगचुक को मेदांता अस्पताल स्थानांतरित करने का आदेश दिया था। अदालत ने कहा था कि उनकी मौजूदा स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए विशेषज्ञ चिकित्सकों की लगातार निगरानी आवश्यक है। इसके बाद उन्हें मेदांता अस्पताल में भर्ती कर उपचार और चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया। मेदांता अस्पताल में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोनम वांगचुक से मुलाकात की। दोनों नेताओं के साथ हुई चर्चा के बाद वांगचुक ने अपना अनशन समाप्त करने का निर्णय लिया। ▶8पर

प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन! : जख्म-मेडिकल रिपोर्ट दे रहे गवाही

क्या राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पेलेट गन का इस्तेमाल किया गया था? 20 जुलाई को दिल्ली में हुए सीजेपी के चलो संसद मार्च के बाद सामने आ रहे तथ्य और घायलों के दावे इसी ओर इशारा कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स के साथ हुई झड़प के दौरान उन पर पेलेट गन से फायरिंग की गई। हालांकि, दिल्ली पुलिस और पीआईबी ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए दावा किया है कि दिल्ली पुलिस के पास पेलेट गन होती ही नहीं है। आजतक डिजिटल से बातचीत में एक 25 वर्षीय प्रदर्शनकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि वह 20 जुलाई को संसद मार्च में शामिल होने आया था। ▶8पर

राहुल की 'गाँधीगिरी' : 2 बसें, 120 सांसद और गाँधी स्मृति कूच

नीट परीक्षा में धांधली और पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्ष ने आक्रामक रुख अपना लिया है। गुरुवार को संसद से सड़क तक विरोध प्रदर्शन करते हुए इंडिया गठबंधन के 120 से अधिक सांसदों ने अनोखी गांधीगिरी का रास्ता अपनाया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आवास से गांधी स्मृति की ओर निकले विपक्षी नेताओं के काफिले को दिल्ली पुलिस ने रास्ते में बैरिकेडिंग कर रोक दिया, जिससे काफी देर तक हाई-वॉल्टेज सियासी ड्रामा चलता रहा। हालांकि, बाद में अनुमति मिलने पर सभी नेताओं ने गांधी स्मृति पहुंचकर राष्ट्रगान गाया और सरकार को घेरा। गुरुवार सुबह से ही राहुल गांधी के 5, सुनेहरी बाग रोड स्थित आवास पर विपक्षी नेताओं का जमावड़ा शुरू हो गया था। ▶8पर

पहले इस्तीफा फिर चर्चा विपक्ष अड़ा

पेपर लीक और नीट विवाद के मुद्दे पर संसद के मानसून सत्र का चौथा दिन भी पूरी तरह हंगामे की भेंट चढ़ गया। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में विपक्ष केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़ा रहा। संसद के भीतर गतिरोध के साथ-साथ संसद परिसर के बाहर भी सत्तापक्ष और विपक्ष के सांसदों के बीच तीखी नारेबाजी और हाई-वॉल्टेज राजनीतिक ड्रामा देखने को मिला।

सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में स्थिति बेहद तनावपूर्ण हो गई जब एनडीए के सांसदों ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर राहुल गांधी और विपक्षी नेताओं के धरने के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसी दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सीधे एनडीए सांसदों के प्रदर्शन के सामने जाकर डट गईं और सरकार विरोधी नारे लगाए। मीडिया से बातचीत करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा, देश के छात्रों का सरकार और पूरी शिक्षा व्यवस्था से भरोसा उठ चुका है। ▶8पर

हाईजैक हो रहा कॉकरोच? : तलवारें और धार्मिक नारे

नीट-यूजी पेपर लीक मामले और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर शुरू हुआ आंदोलन अब अपने मूल मुद्दों से भटकता नजर आ रहा है। प्रदर्शन स्थल पर अचानक बढ़े धार्मिक नारों, निहंगों के हथियारों के प्रदर्शन और आंतरिक झड़पों के चलते इस छात्र आंदोलन के राजनीतिक व असमाजिक तत्वों द्वारा हाईजैक होने का खतरा मंडराने लगा है। बुधवार देर रात जंतर-मंतर पर उस वक्त अजीबोगरीब स्थिति पैदा हो गई जब लाउडस्पीकर से अचानक धार्मिक बयानबाजी और नारे गूंजने लगे। देखते ही देखते भीड़ के एक हिस्से ने नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर, जय श्री राम और भारत माता की जय के नारे एक साथ लगाने शुरू कर दिए। वहीं, प्रदर्शन स्थल से महज कुछ दूरी पर स्थित टॉल्स्टॉय मार्ग ▶8पर

शरीफ पीओके पीएम!
मुजफ्फराबाद रैली में इच्छा जताई

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)
पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में पाकिस्तानी हुकूमत और सैन्य बलों के खिलाफ जारी उग्र विरोध प्रदर्शनों और दमनकारी नीतियों के बीच पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का एक अजीबोगरीब बयान सामने आया है। मुजफ्फराबाद में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए नवाज शरीफ ने इच्छा जताई है कि यदि उनकी पार्टी चुनाव जीतती है, तो वह पीओके के प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं। दूसरी ओर, क्षेत्र में बिगड़ती कानून-व्यवस्था और गृहयुद्ध जैसे हालातों को देखते हुए तथाकथित विधानसभा चुनावों को तीन चरणों में टाल दिया गया है। वहीं, भारत ने इस पूरी चुनावी प्रक्रिया पर कड़ा एतराज जताते हुए स्पष्ट किया है कि संपूर्ण पीओके भारत का अभिन्न हिस्सा है। ▶8पर

मानसून का रौद्र रूप
गुजरात में नाव बनीं कारें

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)
देश के पश्चिमी और उत्तरी राज्यों में कुदरत का कहर देखने को मिल रहा है। मूसलाधार बारिश, जलभराव और बाढ़ जैसी गंभीर स्थिति ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। गुजरात, महाराष्ट्र और जम्मू-कश्मीर में नदियां-नाले उफान पर हैं, सड़कें दरिया बन चुकी हैं और हजारों घरों व दुकानों में पानी घुस गया है। दक्षिण गुजरात में सबसे भीषण तबाही हुई है, जहां अब तक करीब 1,200 लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। दक्षिण गुजरात का वलसाड जिला बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। उमरगांव तालुका में महज 28 घंटे (बुधवार सुबह 6 बजे से गुरुवार सुबह 10 बजे) के भीतर रिकॉर्ड 1,100 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई। वापी, गुंजन, डुंगरी फलिया और रेलवे अंडरपास पूरी तरह डूब चुके हैं। ▶8पर

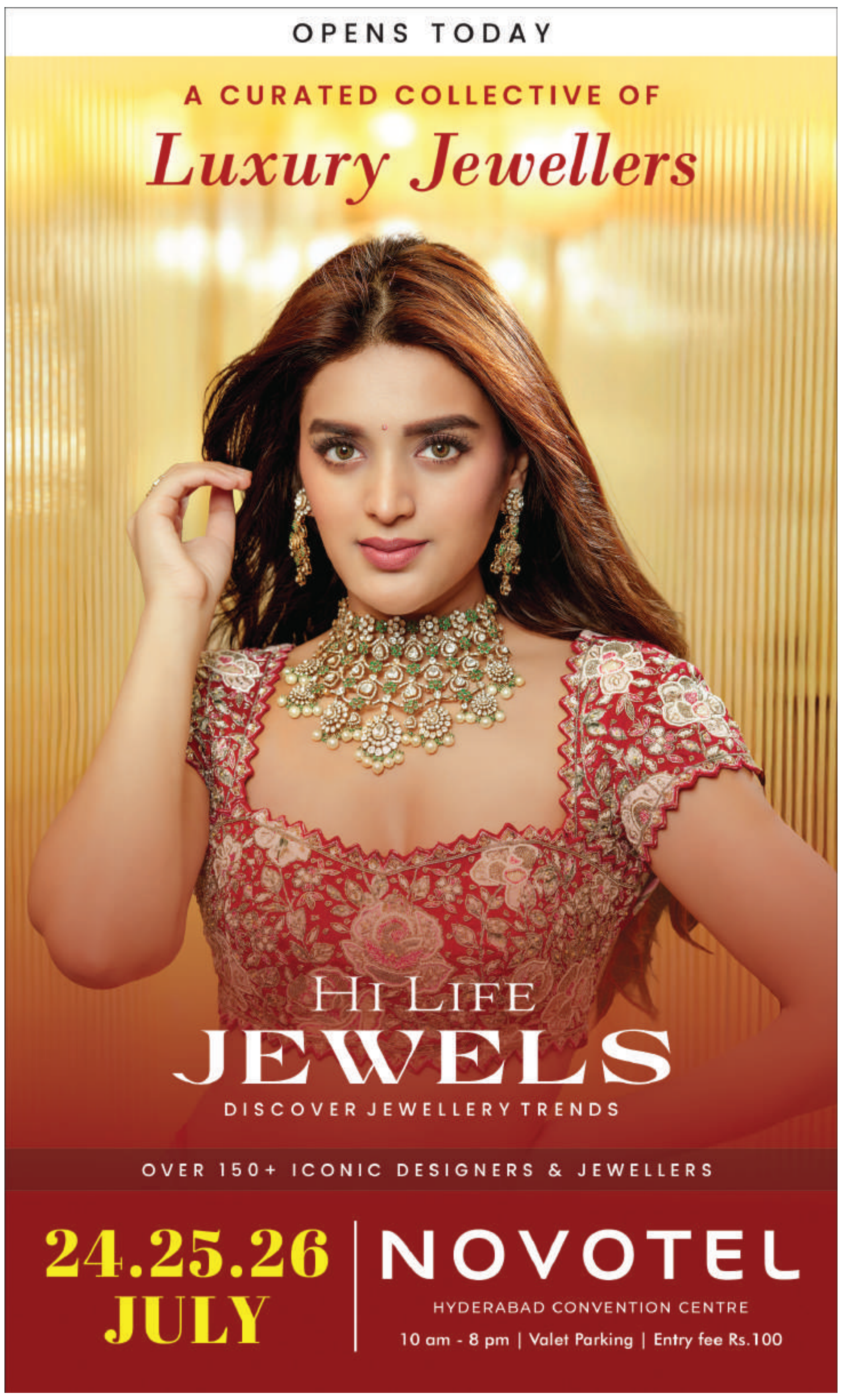

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^{0}
न्यूनतम : 24^{0}

DGP कार्यालय में सनसनी
हेड कांस्टेबल ने खुद को मारी गोली

ओम प्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 23 जुलाई।
तेलंगाना पुलिस मुख्यालय (डीजीपी कार्यालय) में गुरुवार तड़के उस समय सनसनी फैल गई, जब गार्ड ड्यूटी पर तैनात 41 वर्षीय हेड कॉन्स्टेबल स्वामी ने सुबह करीब 5:30 बजे कार्यालय परिसर के वॉशरूम में अपनी सरकारी सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली की तेज आवाज सुनते ही पुलिसकर्मी मौके पर दौड़े और उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

प्रारंभिक जांच में पारिवारिक कलह और लंबे समय से चल रहे मानसिक तनाव को घटना का संभावित कारण माना जा रहा है।

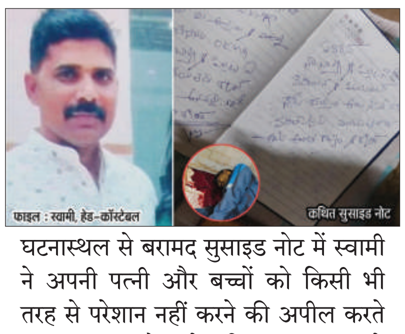
फाइल : स्वामी, हेड-कॉन्स्टेबल | कथित सुसाइड नोट

घटनास्थल से बरामद सुसाइड नोट में स्वामी ने अपनी पत्नी और बच्चों को किसी भी तरह से परेशान नहीं करने की अपील करते हुए अपनी मौत के लिए परिवार को जिम्मेदार न ठहराने का अनुरोध किया है, मैं उनसे बहुत ही प्यार करता हूं। घटना के बाद पुलिस ने सर्विस रिवॉल्वर जब्त कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा सुसाइड नोट, मोबाइल फोन और अन्य साक्ष्यों की फॉरेंसिक जांच शुरू कर दी गई है। परिजनों और सहकर्मियों से पूछताछ की जा रही है तथा आत्महत्या के पीछे की वास्तविक वजह का पता लगाने के लिए हर पहलू की गहन जांच जारी है।

बताते चलें कि यादाद्री-भुवनगिरि जिले के चिट्याल मंडल के वेलिमिनेडु गांव निवासी स्वामी एक कुशल वॉलीबॉल खिलाड़ी भी थे।

डीजीपी कार्यालय जैसे अत्यधिक सुरक्षित परिसर में ड्यूटी के दौरान हुई इस आत्महत्या ने पूरे पुलिस महकमे को झकझोर दिया है, दुसरी चर्चा और पुलिसकर्मियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, कार्यस्थल के तनाव तथा कल्याण व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नेपाल को भारत-बांग्लादेश से साल भर में बिजली निर्यात से 18.76 अरब का शुद्ध लाभ

काठमांडू

नेपाल विद्युत प्राधिकरण ने पिछले वित्तीय वर्ष में पहली बार पूरे 12 महीनों तक बिजली का निर्यात किया। इस दौरान नेपाल ने 29 अरब 32 करोड़ 47 लाख रुपये की बिजली भारत और बांग्लादेश को निर्यात की। आयात पर केवल 10 अरब 56 करोड़ रुपये खर्च हुए। इससे नेपाल को 18 अरब 76 करोड़ 50 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। घरेलू बिजली उत्पादन में वृद्धि और मार्च-अप्रैल के दौरान भी अच्छी वर्षा होने से भारत और बांग्लादेश को बिजली निर्यात में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई, जबकि भारत से बिजली आयात में कमी दर्ज की गई।

प्राधिकरण के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024/25 में बिजली व्यापार से केवल 4 अरब 54 करोड़ 80 लाख रुपये का व्यापार अधिशेष था, जो पिछले वर्ष 2025/26 में लगभग चार गुना बढ़ गया। बीते वित्तीय वर्ष में नेपाल ने भारत और बांग्लादेश को कुल 3 अरब 87 करोड़ 74 लाख 92 हजार यूनिट बिजली निर्यात कर 29 अरब 32 करोड़ 47 लाख 43 हजार रुपये की आय अर्जित की। यह आय वित्तीय वर्ष 2081/82 में हुई 17 अरब 47 करोड़ 10 लाख रुपये की कमाई की तुलना में 67.84 प्रतिशत अधिक है।

नेपाल विद्युत प्राधिकरण वर्तमान में वर्षा ऋतु के दौरान भारत को 1,000 मेगावाट से अधिक और बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली निर्यात कर रहा है।

नेपाल की अधिकांश जलविद्युत परियोजनाएं रन-आफ-द-रिवर (आरओआर) प्रणाली पर आधारित हैं। पहले सामान्यत: मई के अंत से दिसंबर के पहले सप्ताह तक ही बिजली निर्यात संभव हो पाता था। लेकिन पिछले वर्ष चैत और बैसाख जैसे आफ-सीजन में भी अच्छी वर्षा होने से बिजली उत्पादन बढ़ा और नेपाल पूरे वर्ष बिजली निर्यात करने में सफल रहा।

प्राधिकरण के प्रवक्ता राजन ढकाल के अनुसार, नेपाल में हर वर्ष 500 से 600 मेगावाट नई बिजली उत्पादन क्षमता जुड़ रही है। घरेलू खपत के बाद बची हुई बिजली का निर्यात लगातार बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में भी यह रुझान जारी रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, नेपाल में घरेलू आवश्यकता पूरी करने के बाद बची हुई बिजली का निर्यात किया जाता है। हर वर्ष 500 से 600 मेगावाट नई क्षमता जुड़ने से निर्यात बढ़ा है और इसके साथ ही निर्यात से होने वाली आय में भी लगातार वृद्धि हो रही है।

नेपाल की अधिकांश जलविद्युत परियोजनाएं नदी प्रवाह पर आधारित हैं। मानसून के दौरान नदियों में जलस्तर बढ़ने से बिजली उत्पादन अधिक होता है, इसलिए इसी अवधि में बिजली निर्यात भी सबसे ज्यादा होता है। वहीं सर्दियों में जलस्तर घटने से उत्पादन कम हो जाता है और घरेलू मांग पूरी करने के लिए भारत से बिजली आयात करनी पड़ती है।

न्यूज ब्रीफ

बलोचिस्तान में विद्रोहियों की मौत के बाद विस्फोट, पुल क्षतिग्रस्त कर्फ्यू लगाया गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलोचिस्तान में सुरक्षाबलों के हाथों विद्रोहियों के मारे जाने के बाद विस्फोट कर एक पुल को उड़ा दिया गया। इसके बाद अधिकारियों ने कई शहरों में कर्फ्यू लगा दिया। पाकिस्तान की सेना के जनसंपर्क विभाग आईएसपीआर के बयान के अनुसार, सुरक्षा बलों ने मस्तुंग और सोराब जिलों में 10 हथियारबंद लोगों को मार गिराया। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, मस्तुंग जिले में खाद स्ट्रीट पर अंगिरी क्रास के पास बुधवार शाम क्वेटा-कराची मेन हाइवे पर बने पुल को अनजान हथियारबंद लोगों ने निशाना बनाया। इस दौरान हुए विस्फोट से पुल क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद क्वेटा-कराची हाइवे पर ट्रैफिक रोक दिया गया है। हाल के दिनों में, बलोचिस्तान में कई पुलों को निशाना बनाया गया है।हथियारबंद लोग सोराब, कलात और खुजदार में पुलों को तबाह कर चुके हैं। इसके बाद बलोचिस्तान सरकार ने बुधवार रात आठ बजे मस्तुंग की खड़कोचा सब-तहसील में कर्फ्यू लगाने की घोषणा की है। मुनादी कराई गई कि कर्फ्यू के दौरान कोई भी अपने घरों से बाहर न निकले। अधिकारियों ने धमकी दी कि अगर कोई नागरिक कर्फ्यू तोड़ता हुआ देखा गया तो उसे गोली मार दी जाएगी। महत्वपूर्ण यह है कि नुश्की और खुजदार जिलों की तहसील ज़हरी में पिछले कई महीनों से कर्फ्यू लगा हुआ है। जिउनी में भी कर्फ्यू लागू है। इससे पहले आईएसपीआर ने सोराब और मस्तुंग में 10 हथियारबंद लोगों को मारने और दो कथित महिला आत्मघाती हमलावरों को गिरफ्तार करने का दावा किया। आईएसपीआर ने कहा कि बलों ने 48 घंटों के दौरान सोराब और मस्तुंग जिलों में 10 हथियारबंद लोगों को मार गिराया। सोराब जिले में 7 आतंकवादी और मस्तुंग में 3 लोग मारे गए। दो महिला आत्मघाती हमलावरों के साथ उनके एक मददगार को भी हिरासत में लिया गया ।

केन्या में सोने की खदान धंसी, पांच मजदूरों की मौत, कई के फंसे होने की आशंका

नारोक काउंटी। अफ्रीकी देश केन्या में एक बड़ा खनन हादसा सामने आया है। दक्षिण- पश्चिमी केन्या के नारोक काउंटी स्थित किलिमापेसा इलाके में एक सोने की खदान अचानक ढह गई, जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों को आशंका है कि मलबे के नीचे अभी भी कई मजदूर फंसे हो सकते हैं। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इलाके में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण खदान की सुरंग कमजोर हो गई थी। इसी वजह से अचानक मिट्टी और चट्टानों का बड़ा हिस्सा गिर गया, जिससे अंदर काम कर रहे खनिक इसकी चपेट में आ गए। नारोक काउंटी के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बचाव दल घटनास्थल पर मौजूद हैं और मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

अमेरिका और सऊदी अरब के बीच ऐतिहासिक परमाणु समझौता, सुरक्षा नियमों में ढील से बढ़ी वैश्विक चिंताएं

वाशिंगटन। ईरान के साथ जारी भीषण तनाव के बीच अमेरिका और सऊदी अरब ने एक ऐतिहासिक परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को अगले 30 वर्षों के लिए लागू होने वाले इस अरबों डॉलर के समझौते को मंजूरी दे दी। इस डील के तहत अमेरिकी कंपनियां सऊदी अरब में असैन्य परमाणु संयंत्र स्थापित करने और तकनीक हस्तांतरण में मदद करेंगी। हालांकि, इस समझौते ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और रक्षा विशेषज्ञों के बीच भारी हलचल मचा दी है, क्योंकि अमेरिका ने पारंपरिक सुरक्षा मानकों को दरकिनार करते हुए इसमें परमाणु हथियार बनाने से रोकने वाले सख्त नियम शामिल नहीं किए हैं। सामान्य तौर पर, जब भी अमेरिका किसी देश को परमाणु तकनीक मुहैया कराता है, तो वह यूरेनियम संवर्धन (एनरिचमेंट) और प्रयुक्त ईंधन के पुनर्संस्करण पर सख्त प्रतिबंध लगाता है।

अमेरिका ने ईरान के बुशहर में की बमबारी, हूती ने सऊदी के दो तेल टैंकर तबाह किए, कुवैत में वायु रक्षा प्रणाली सक्रिय

तेहरान/वाशिंगटन/कुवैत सिटी/सना

अमेरिका ने ईरान के दक्षिणी बंदरगाह शहर बुशहर में हवाई हमला किया है। यह शहर ईरान का एकमात्र नागरिक परमाणु ऊर्जा संयंत्र का घर है। अमेरिकी सेना ने लगातार 12वीं रात ईरान पर हमले किए हैं। ईरान की सेना ने जवाब में अमेरिकी के सहयोगी देशों पर ड्रोन और मिसाइलें दागी हैं। कुवैत में वायु रक्षा प्रणाली को सक्रिय किया गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य की इस लड़ाई में अब यमन में सक्रिय ईरान समर्थक आतंकी समूह हूती खुलकर सामने आ गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम को बुशहर के गवर्नर मोहम्मद मुजफ्फरीने बताया कि अमेरिकी सेना ने दक्षिणी तटीय शहर बुशहर पर हमला किया है। इससे जोरदार धमाका हुआ है। मौके पर आपातकालीन सेवाएं मौजूद हैं। बंदरगाह शहर बुशहर फारस की खाड़ी के तट पर स्थित है। यह शहर बुशहर प्रांत की राजधानी भी है। बुशहर की पहचान परमाणु ऊर्जा संयंत्र की वजह से होती है। यह ईरान का एकमात्र चालू परमाणु ऊर्जा संयंत्र है। रूस की मदद से निर्मित यह संयंत्र शहर के केंद्र से लगभग 17 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकाम) ने एक्स पर लिखा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर पूर्वी समय के अनुसार शाम 5:30 बजे ईरानी सैन्य ठिकानों पर और हमले शुरू किए गए हैं। यह हमले आम नागरिक जहाजों और कमर्शियल जहाजों के लिए खतरा पैदा करने की ईरान की क्षमता को और कम करने के लिए किया गया है। कुवैत की सेना ने कहा कि ईरान से होने वाले ड्रोन हमले को रोकने के लिए सारे देश में वायु रक्षा

प्रणाली को सक्रिय किया गया है। कुवैत सेना के जनरल स्टाफ ने कहा कि ड्रोन को मार गिराने पर धमाकों की आवाज आती है। इससे घबराने की जरूरत नहीं। ईरान के शीर्ष वार्ताकार मोहम्मद बाघेरी घालीबाफ का कहना है कि अगर ईरान को सुरक्षा की गारंटी नहीं दी गई तो इस क्षेत्र में स्थिति में बदलाव नहीं आ सकता। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि 27 जून से देश पर हुए अमेरिकी हमलों में कम से कम 53 लोग मारे गए हैं। इस बीच ईरान समर्थक यमन के हूती विद्रोहियों का दावा है कि उन्होंने लाल सागर में सऊदी के दो तेल टैंकर को मिसाइल और ड्रोन से हमला कर तबाह कर दिया ।हूती विद्रोहियों के टेलीग्राम पर जारी बयान के अनुसार, इन तेल टैंकरों के नाम एन्सेलिया और लायला हैं। इससे पहले यूके मैरीटाइम ट्रेड आपरेशन्स संगठन ने सऊदी अरब के शहर अल-शुकाइक से 70 नाटिकल मील (130 किलोमीटर) दूर एक टैंकर पर हमले की पुष्टि की।

सऊदी के 2 तेल टैंकर फूंके, अब लाल सागर में बढ़ा तनाव

मस्कट। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दोहरे संकट के बादल मंडराने लगे हैं। एक ओर ईरान और अमेरिका के बीच तनाव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य पहले से संवेदनशील बना हुआ है, वहीं दूसरी ओर लाल सागर और बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य में हूती विद्रोहियों की गतिविधियों ने समुद्री सुरक्षा को नई चुनौती दे दी है। दुनिया के तेल व्यापार के दो सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर बढ़ते जोखिम से अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार, शिपिंग और वैश्विक व्यापार प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। हूती संगठन ने दावा किया है कि उसने लाल सागर में सऊदी अरब से जुड़े दो तेल टैंकरों—एनसेलिया और लैला पर क्रूज मिसाइल, बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। संगठन के अनुसार दोनों जहाजों में आग लग गई। हालांकि सऊदी अधिकारियों ने केवल एनसेलिया पर हुए हमले की पुष्टि की है। सरकारी बयान के मुताबिक जहाज के अगले हिस्से में आग लगी थी, लेकिन चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं और जहाज को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं। अब तक अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान मुख्य रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पर केंद्रित था, जहां किसी भी सैन्य टकराव का सीधा असर वैश्विक तेल आपूर्ति पर पड़ सकता है। लेकिन बाब-अल-मंदेब में बढ़ता तनाव चिंता का नया कारण बन गया है। यह संकरा समुद्री मार्ग अदन की खाड़ी को लाल सागर से जोड़ता है और एशिया तथा यूरोप के बीच समुद्री व्यापार का प्रमुख रास्ता है। यदि होर्मुज और बाब-अल-मंदेब दोनों मार्ग लंबे समय तक प्रभावित रहते हैं, तो तेल आपूर्ति बाधित होने, माल ढुलाई महंगी होने और वैश्विक बाजारों में ऊर्जा कीमतों पर दबाव बढ़ने की आशंका है। विश्लेषकों का कहना है कि वर्ष 2022 में सऊदी अरब और हूती समूह के बीच बने समझौते के बावजूद यमन में स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकी। आर्थिक संसाधनों के बंटवारे और बंदरगाहों के संचालन को लेकर मतभेद बने रहने से क्षेत्र में तनाव लगातार बना हुआ है, जिसका असर अब समुद्री व्यापार पर भी दिखाई दे रहा है। इस घटनाक्रम ने पाकिस्तान की रणनीतिक चुनौतियां भी बढ़ा दी हैं। पाकिस्तान ने सऊदी अरब के समर्थन में बयान जारी करते हुए लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों को क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक व्यापार के लिए गंभीर खतरा बताया है। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को देखते हुए यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि हालात और बिगड़ते हैं तो पाकिस्तान की भूमिका क्या होगी। हालांकि किसी संभावित सैन्य प्रतिक्रिया को लेकर अभी कोई आधिकारिक संकेत नहीं हैं।

सीआईए के सीक्रेट ठिकाने भी नहीं बचा पाया अमेरिका ,ईरान ने लगा दी सेंध

वाशिंगटन

अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के कथित गुप्त ठिकानों पर हुए ड्रोन हमलों ने सुरक्षा तंत्र को सतर्क कर दिया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियां इस बात की जांच कर रही हैं कि क्या ईरान को इन हमलों के लिए रूस से तकनीकी या खुफिया सहायता मिली थी। यदि जांच में यह बात साबित होती है, तो इसे अमेरिका और रूस के बीच चल रहे रणनीतिक टकराव के नए अध्याय के रूप में देखा जा सकता है।

जानकारी के मुताबिक, मार्च 2026 में खाड़ी क्षेत्र में सीआईए से जुड़े कम से कम दो ठिकानों को निशाना बनाया गया था। इनमें सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास परिसर में मौजूद सीआईए स्टेशन और पूर्वी इराक में स्थित एक अन्य गुप्त सुविधा शामिल थी। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से केवल सीमित जानकारी साझा की है और यह भी माना जा रहा है कि कुछ अन्य गुप्त ठिकाने भी हमलों की चपेट में आए हो सकते हैं।

सीआईए विदेशों में केवल दूतावासों के भीतर स्टेशन तक सीमित नहीं रहती। उसके पास कई गुप्त आपरेशनल केंद्र, सुरक्षित ठिकाने, निगरानी सुविधाएं और लाजिस्टिक नेटवर्क होते हैं, जिनकी जानकारी बेहद गोपनीय रखी जाती है। ऐसे ठिकानों की सटीक पहचान और उन तक पहुंच बनाने की क्षमता किसी भी विरोधी के लिए बड़ी खुफिया उपलब्धि मानी जाती है।

रियाद में हुए हमले ने अमेरिकी सुरक्षा अधिकारियों को विशेष रूप से चौंकाया। दावा किया गया कि यह सामान्य ड्रोन हमला नहीं था। कथित तौर पर पहले ड्रोन ने अमेरिकी परिसर की बाहरी सुरक्षा दीवार के कमजोर हिस्से को नुकसान पहुंचाया और दूसरे ड्रोन ने उसी रास्ते से अंदर प्रवेश कर विस्फोट किया। हमले में किसी के मारे जाने या घायल होने की जानकारी सामने नहीं आई, लेकिन हमले की सटीकता ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी।

जांच का एक प्रमुख पहलू ईरान के शाहेद ड्रोन से जुड़ा है। अमेरिकी और पश्चिमी खुफिया अधिकारियों को आशंका है कि इन ड्रोन को रूस की तकनीकी सहायता से अधिक प्रभावी बनाया गया हो सकता है। खास तौर पर रूसी कोमेटा-एम सैटेलाइट नेविगेशन प्रणाली की भूमिका की जांच की जा रही है।

रूस का दावा : यूक्रेन के ओडेसा और चोर्नोमोर्स्क बंदरगाहों पर किए हमले

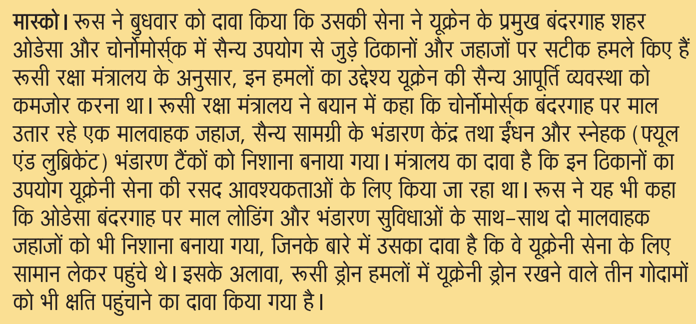

मास्को। रूस ने बुधवार को दावा किया कि उसकी सेना ने यूक्रेन के प्रमुख बंदरगाह शहर ओडेसा और चोर्नोमोर्स्क में सैन्य उपयोग से जुड़े ठिकानों और जहाजों पर सटीक हमले किए हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन हमलों का उद्देश्य यूक्रेन की सैन्य आपूर्ति व्यवस्था को कमजोर करना था। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा कि चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर माल उतार रहे एक मालवाहक जहाज, सैन्य सामग्री के भंडारण केंद्र तथा ईंधन और स्नेहक (फ्यूल एंड लुब्रिकेंट) भंडारण टैंकों को निशाना बनाया गया। मंत्रालय का दावा है कि इन ठिकानों का उपयोग यूक्रेनी सेना की रसद आवश्यकताओं के लिए किया जा रहा था। रूस ने यह भी कहा कि ओडेसा बंदरगाह पर माल लोडिंग और भंडारण सुविधाओं के साथ-साथ दो मालवाहक जहाजों को भी निशाना बनाया गया, जिनके बारे में उसका दावा है कि वे यूक्रेनी सेना के लिए सामान लेकर पहुंचे थे। इसके अलावा, रूसी ड्रोन हमलों में यूक्रेनी ड्रोन रखने वाले तीन गोदामों को भी क्षति पहुंचाने का दावा किया गया है।

नेपाल के सभी विश्वविद्यालयों में 10% अनिवार्य छात्रवृत्ति लागू, इस सत्र से करीब 73 हजार छात्रों को मिलेगा मुफ्त उच्च शिक्षा का लाभ

काठमांडू

नेपाल सरकार ने विश्वविद्यालय स्तर की 10 प्रतिशत अनिवार्य छात्रवृत्ति व्यवस्था को इसी शैक्षणिक सत्र से पूरी तरह लागू करने का निर्णय लिया है। शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा देश के सभी 21 विश्वविद्यालयों और 8 स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठानों को निर्देश जारी किए जाने के बाद विभिन्न विश्वविद्यालयों ने छात्रवृत्ति के लिए आवेदन मांगे हैं।

यदि इस व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू किया गया तो स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी स्तर पर अध्ययनरत लगभग 72,929 विद्यार्थियों को पूर्ण छात्रवृत्ति पर नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। वर्तमान में देशभर के विश्वविद्यालयों और स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठानों (मेडिकल कालेज) में 7,29,294 छात्र अध्ययनरत हैं।

शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा महाशाखा प्रमुख श्रीप्रसाद भट्टराई ने बताया कि 10 प्रतिशत छात्रवृत्ति का प्रावधान पहले से मौजूद है, लेकिन इसका व्यवस्थित रूप से पालन नहीं हो पा रहा था। उन्होंने कहा, अब सभी विश्वविद्यालयों और प्रतिष्ठानों के लिए इस व्यवस्था को लागू करना अनिवार्य होगा। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को राहत मिलेगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की उच्च शिक्षा अध्ययन छात्रवृत्ति निर्देशिका के अनुसार मेधावी, दलित, मुस्लिम, आर्थिक रूप से कमजोर एवं निम्न आय वर्ग के परिवारों, संघर्ष प्रभावित तथा पिछड़े और लक्षित समुदायों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय अपने-अपने कानून, नियमावली और निर्देशिकाओं के अनुसार अतिरिक्त पात्रता मानदंड भी निर्धारित कर सकेंगे। नेपाल में वर्तमान में 15 संघीय विश्वविद्यालय, 6 प्रादेशिक विश्वविद्यालय और 8 स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान संचालित हैं। इसके अलावा विदेशी विश्वविद्यालयों से संबद्ध 58 कालेजों में 34,465 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इन कालेजों में भी यह नियम अनिवार्य रूप से लागू होगा। उच्च शिक्षा में 10 प्रतिशत छात्रवृत्ति का कानूनी प्रावधान नया नहीं है, लेकिन पारदर्शी प्रणाली, नियमित निगरानी और विश्वसनीय आंकड़ों के अभाव में अधिकांश विश्वविद्यालयों में इसे प्रभावी रूप से लागू नहीं किया जा सका था। इस बार शिक्षा मंत्रालय ने सभी विश्वविद्यालयों को छात्रवृत्ति का अनिवार्य कार्यान्वयन, सार्वजनिक सूचना जारी करने, आंकड़ों का संकलन तथा पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाने का निर्देश दिया है। शिक्षामंत्री सस्मित पोखरेल ने कहा कि काठमांडू महानगरपालिका के विद्यालयों में लागू छात्रवृत्ति व्यवस्था के सफल अनुभव के आधार पर अब इसे विश्वविद्यालय स्तर पर भी संस्थागत किया जा रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, काठमांडू महानगरपालिका की विद्यालय प्रणाली में छात्रवृत्ति व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन से मिले अनुभव के आधार पर अब इसे विश्वविद्यालय स्तर पर भी संस्थागत किया जा रहा है। इसके तहत सभी विश्वविद्यालयों तथा उनके अधीन संचालित कालेजों में कम-से-कम 10 प्रतिशत विद्यार्थियों को पूर्ण छात्रवृत्ति देना अनिवार्य होगा।

पाकिस्तान में सेना, राजनीति और कट्टरपंथी की सांठ-गांठ पर उठे सवाल

इस्लामाबाद

पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति में एक बार फिर सेना और कट्टरपंथी संगठनों के कथित संबंधों को लेकर बहस तेज हो गई है। हालिया घटनाक्रम की शुरुआत तब हुई, जब जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की नीतियों और सेना की राजनीतिक भूमिका पर सवाल उठाए। इसके बाद देश के राजनीतिक और धार्मिक हलकों में गतिविधियां तेज हो गईं और कई तरह की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया।

रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान उलेमा काउंसिल के अध्यक्ष हाफिज ताहिर महमूद अशरफी ने लाहौर स्थित मरकज-ए-कुबा में हाफिज तल्हा सईद से मुलाकात की। हाफिज तल्हा सईद, मुंबई 26/11 आतंकी हमलों के मुख्य आरोपी और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद के बेटे हैं। इस मुलाकात को लेकर पाकिस्तान के राजनीतिक गलियारों में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि बैठक के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों के हवाले से सामने आई जानकारी के मुताबिक, बैठक में मौलाना फजलुर रहमान की आलोचनाओं के बाद पैदा हुए राजनीतिक हालात पर चर्चा की गई। बताया गया कि रणनीति सीधे टकराव की बजाय संयमित रुख अपनाने की बनाई गई, ताकि विवाद को और अधिक न बढ़ाया जाए। साथ ही यह भी सुझाव दिया गया कि फजलुर रहमान की राजनीतिक भूमिका का सम्मान करते हुए उन्हें सेना और सरकारी संस्थाओं के खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी से बचने की सलाह दी जाए। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर पाकिस्तान में सेना, धार्मिक संगठनों और कट्टरपंथी समूहों के कथित संबंधों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। विश्लेषकों का मानना है कि पाकिस्तान में लंबे समय से सेना की राजनीतिक भूमिका और कुछ धार्मिक संगठनों के प्रभाव को लेकर बहस होती रही है। हालांकि इन आरोपों पर संबंधित पक्षों की ओर से अलग-अलग समय पर इनकार भी किया जाता रहा है। मौलाना फजलुर रहमान पाकिस्तान की राजनीति के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं और वे अपने बेबाक बयानों के लिए जाने जाते हैं। हाल के महीनों में उन्होंने सेना पर राजनीति में हस्तक्षेप, चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने और शासन व्यवस्था में अत्यधिक दखल देने जैसे आरोप लगाए हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि सेना को संवैधानिक दायरे में रहकर अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए और राजनीतिक मामलों से दूरी बनाए रखनी चाहिए। फजलुर रहमान के इन बयानों ने पाकिस्तान की सियासत में नई बहस छेड़ दी है। एक ओर उनके समर्थक इसे लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती का मुद्दा बता रहे हैं, तो दूसरी ओर सरकार समर्थक वर्ग और सेना के समर्थकों का मानना है कि इस तरह के बयान राष्ट्रीय संस्थाओं की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। मौजूदा घटनाक्रम से यह स्पष्ट है कि पाकिस्तान में सेना और राजनीतिक नेतृत्व के बीच संबंध एक बार फिर राष्ट्रीय चर्चा का प्रमुख विषय बन गए हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। आप अनुभव करेंगे कि आपके प्रिय का आपके प्रति प्यार वाक़ई बहुत गहरा है। यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। बहन का स्नेह आपको प्रोत्साहन देगा। लेकिन छोटी–मोटी बातों पर आपा खोने से बचें, क्योंकि इससे आपके हितों को नुक़सान पहुँचेगा। अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। अलग–अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद–विवाद हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरुर होगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आपके मानवीय मूल्य और सकारात्मक रवैया करिअर के मोर्चे पर आपको सफलता दिलाएंगे। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपने खान–पान का विशेष ध्यान रखें। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ध्यान से सुकून मिलेगा। आर्थिक तौर पर बेहतरी के चलते आपके लिए ज़रूरी चीज़ें ख़रीदना आसान होगा। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर क़ाबू रखिए। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। अपनी महत्वाकांक्षाओं को माता–पिता को बतलाने का सही समय है। वे आपको सहयोग देंगे। आपको भी ध्यान केंद्रित कर कड़ी मेहनत करने की ज़रूरत है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है– जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी–सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं , मुमकिन है कि आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करें , आपके जीवन–साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। आपके जीवनसाथी की ओर से मिला कोई ख़ास तोहफ़ा मिल सकता है

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन ख़ुशनुमा कर देंगे। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं पूर्णरूपेण सहयोग न मिलने के कारण आप निराश भी हो सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आप बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर रहे हैं, तो बच्चों के साथ अधिक समय बिताएँ। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। परन्तु ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा अनुभव नहीं कर पाएंगे ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

खुला हुआ सामान न खाएँ, नहीं तो सेहत डांवाडोल हो सकती है। यात्रा आपको थकान और तनाव देगी– लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। अगर आप अपना ज्ञान और अनुभव औरों के साथ बाटेंगे, तो निश्चय ही आपको प्रतिष्ठा मिलेगी। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं। साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है।

आज का पंचांग

दिनांक : 24 जुलाई 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी प्रातः 09:14 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 04:37 तक
योग : शुक्ल रात्रि 08:11 तक
करण : गर प्रातः 09:14 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : आशा दशमी , मन्वादि तिथि , गण्डमूल रात्रि 04:38 से , भद्रा रात्रि 10:26 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

दादा जेपी वासवानीजी की 108वीं जयंती पर दीदी कृष्णा ने 'पीस पोर्टल' का शुभारंभ किया

पुणे, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): आध्यात्मिक गुरु दादा पूज्य जेपी वासवानीजी की 108वीं जयंती के अवसर पर साधु वासवानी मिशन की आध्यात्मिक प्रमुख दीदी कृष्णा ने 'पीस पोर्टल' नामक एक अभिनव डिजिटल मंच का शुभारंभ किया। यह मंच लोगों को मात्र दो मिनट में मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन और आंतरिक स्थिरता का अनुभव कराने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

यह निःशुल्क डिजिटल मंच ुरिवर्ही–र्ींगुरिपळ.अॅस/शिरलश–र्ऑीरश्र पर उपलब्ध है और तनाव, चिंता, क्रोध, अपराधबोध, अकेलेपन और ओवरथिंकिंग जैसी भावनात्मक चुनौतियों से उबरने के लिए मार्गदर्शित दो–मिनट के 'रीसेट्स' प्रदान करता है। दादा जेपी वासवानीजी और दीदी कृष्णा के प्रेरणादायी विचारों से समृद्ध यह पोर्टल किसी भी समय और स्थान पर आंतरिक शांति का सहज अनुभव कराने का माध्यम है।

युवा वर्ग और विभिन्न पेशेवर क्षेत्रों में यह पोर्टल तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इसे कॉर्पोरेट संस्थानों, कार्यालयों और शैक्षणिक परिसरों के लिए भी उपयोगी संसाधन माना जा रहा है। इस पोर्टल का शुभारंभ आगामी 2 अगस्त को मनाए जाने वाले वैश्विक क्षमा दिवस के उपलक्ष्य में किया गया है।

इस वैश्विक क्षमा दिवस पर लाखों लोग 'मोमेंट ऑफ कॅाल्म' में दो मिनट के लिए ठहरकर क्षमा का अभ्यास करते हैं, मन का बोझ हल्का करते हैं और शांति को अपनाने का संकल्प लेते हैं। इस वर्ष का विषय है 'प्रोजेक्टः टाइम टू लेट गो', जो लोगों को पोर्टल को साझा करने के लिए प्रेरित करता है ताकि शांति के क्षण अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सकें।

साधु वासवानी मिशन के मुख्य जन संपर्क अधिकारी नरेश सिंघानी ने बताया कि 'पीस पोर्टल' तेज रफ्तार और तनावपूर्ण जीवनशैली में आंतरिक शांति पाने का सरल और प्रभावशाली माध्यम है।

दादा जेपी वासवानीजी (1918–2018) विश्वविख्यात मानवतावादी, शिक्षाविद् एवं शांति–दूत थे, जिनका प्रेम, क्षमा, करुणा और निःस्वार्थ सेवा का संदेश आज भी करोड़ों लोगों के जीवन को प्रेरित करता है। मिशन विद्यालयों, अस्पतालों और मानवीय सेवा परियोजनाओं के माध्यम से मानवता की सेवा करता है।

'मोमेंट ऑफ कॅाल्म' एक वैश्विक शांति पहल है जो लोगों को क्षमा और आंतरिक शांति का अनुभव कराने के लिए प्रेरित करती है। दादा वासवानीजी का विश्वास था, जिनके हृदय में शांति है, वही विश्व में शांति स्थापित कर सकते हैं। उनके संदेश को आगे बढ़ाते हुए यह अभियान प्रत्येक वर्ष 2 अगस्त को मनाया जाता है।

वर्ल्ड गैस समिट 2026 में सी. प्रभाकर चक्रवर्ती का उत्कृष्ट व्याख्यान, विशिष्ट सम्मान से हुए सम्मानित

नोएडा, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): विश्व गैस उद्योग के प्रतिष्ठित आयोजन वर्ल्ड गैस समिट 2026 में सी. प्रभाकर चक्रवर्ती, प्रबंध निदेशक, सीजीडीएस प्राइवेट लिमिटेड ने गैस फॉर सस्टेनेबिलिटी: फ्यूचर, एफिशियंसी, इनोवेशन एंड एनर्जी ट्रांजिशन विषय पर प्रभावशाली तकनीकी प्रस्तुति दी और देश का गौरव बढ़ाया।

नोएडा में आयोजित उनके व्याख्यान में गैस क्षेत्र में सतत विकास, ऊर्जा दक्षता, डिजिटल नवाचार, सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और ऊर्जा संक्रमण के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

प्रभाकर ने कहा कि प्राकृतिक गैस भविष्य में स्वच्छ और हरित ऊर्जा प्रणाली की आधारशिला बनेगी।

उन्होंने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क में डिजिटल तकनीकों, स्मार्ट मॉनिटरिंग, एआई, डेटा एनालिटिक्स और आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों के उपयोग पर जोर दिया, जिससे गैस वितरण प्रणाली को अधिक सुरक्षित, कुशल, विश्वसनीय और पर्यावरण–अनुकूल बनाया जा सके।

सम्मेलन में उनके तकनीकी योगदान और नवाचार को सम्मानित करते हुए उन्हें वर्ल्ड गैस समिट 2026 अवार्ड से भी नवाजा गया। यह सम्मान भारतीय गैस एवं पाइपलाइन उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

सी. प्रभाकर चक्रवर्ती गैस एवं पाइपलाइन इंजीनियरिंग के अनुभवी विशेषज्ञ, लेखक और शोधकर्ता हैं, जिनके पास इस क्षेत्र में दो दशकों से अधिक का अनुभव है। वे तकनीकी शिक्षा और ज्ञान के प्रसार के लिए भी निरंतर कार्यरत हैं।

उनकी कंपनी, गैस डिस्ट्रिब्यूशन सर्विसेज प्रा.लि., देश की अग्रणी इंजीनियरिंग एवं परियोजना परामर्श कंपनी है, जो आधुनिक और सतत ऊर्जा अवसंरचना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्रभाकर चक्रवर्ती की प्रस्तुति और सम्मान ने भारत के गैस उद्योग की वैश्विक पहचान को और मजबूत किया है, जिसे ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञ भविष्य की स्वच्छ और सतत ऊर्जा व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण योगदान मानते हैं।

संजय गुप्ता बोले सेवा का संकल्प ही समाज को नई दिशा और नई पहचान देता है

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर चिकित्सालय के पास केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संजय गुप्ता ने कहा कि सेवा केवल किसी की सहायता करने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता को जीवंत रखने का सबसे श्रेष्ठ मार्ग है। जब समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाता है, तब एक संवेदनशील, संस्कारित और सशक्त समाज का निर्माण होता है।

उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद जिस समर्पण और निरंतरता के साथ सेवा कार्य कर रहा है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। अन्नदान जैसे पुण्य कार्य से न केवल किसी की भूख मिटती है, बल्कि उसके मन में यह विश्वास भी जागता है कि समाज आज भी मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है। सेवा का वास्तविक अर्थ बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक जरूरतमंद तक प्रेम, सम्मान और सहयोग पहुंचाना है।

संजय गुप्ता ने समाज के युवाओं से विशेष रूप से आह्वान किया कि वे आगे आकर सेवा कार्यों से जुड़ें और अपने जीवन का कुछ समय मानव कल्याण के लिए समर्पित करें। उन्होंने कहा कि जब युवा पीढ़ी सेवा और संस्कारों को अपनाएगी, तभी आने वाली पीढ़ियां भी परोपकार और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को आगे बढ़ाएंगी।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, उमा डालमिया, भंवरलाल गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, संजय गुप्ता सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

पांडुरंगा मंदिर में ब्रह्मोत्सव का आयोजन

बांसवाड़ा, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): बांसवाड़ा शहर के शांति नगर कॉलोनी स्थित पांडुरंगा मंदिर में आषाढ़ महीने में शनिवार को भव्य ब्रह्मोत्सव मनाया जाएगा, जो मंदिर के पुजारी जपाल पांडुरंगा शर्मा ने बताया। उन्होंने सभी भक्तों से आग्रह किया है कि वे प्रतिदिन सुबह पांच बजे तक मंदिर पहुंचें।

दशमी, एकादशी और द्वादशी के दिन सुबह पांच बजे सामूहिक अभिषेक का कार्यक्रम होगा, जिसमें पुष्पार्चन, कुमारकाचन, स्वामी वारी कल्याणम और अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी शामिल होंगे। पुजारी ने भक्तों से समय पर आने और तीर्थ प्रसाद ग्रहण करने का निवेदन किया ताकि वे स्वामी की कृपा के पात्र बन सकें।

भाजपा नेता मुल्कल्ला मल्लारेड्डी का निधन

मंचेरियाल, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मंचेरियल जिले के वरिष्ठ नेता और पूर्व जिला अध्यक्ष मुल्कल्ला मल्लारेड्डी का गुरुवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और उनका उपचार जारी था।

मुल्कल्ला मल्लारेड्डी ने भाजपा संगठन में लंबे समय तक सक्रिय भूमिका निभाई। वे मंचेरियल जिला भाजपा अध्यक्ष के रूप में कार्यरत रहे और राज्य भाजपा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में भी संगठन को महत्वपूर्ण सेवाएं दीं। वर्ष 2014 में उन्होंने मंचेरियल निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा की ओर से चुनाव भी लड़ा था।उनके निधन से भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में शोक की लहर दौड़ गई है। भाजपा के राज्य उपाध्यक्ष रघुनाथ राव, जिला अध्यक्ष वेंकटेश्वर गौड़ सहित कई नेताओं ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।नेताओं ने कहा कि जिला अध्यक्ष रहते हुए मुल्कल्ला मल्लारेड्डी ने पार्टी का विस्तार किया और संगठन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उनकी कमी पार्टी और कार्यकर्ताओं को हमेशा खलेगी। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना भी व्यक्त की।

बोनालु उत्सव धूमधाम से मनाया गया

पेद्दापल्ली, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): पेद्दापल्ली नगरपालिका अध्यक्ष नुगिला मलैया ने पेद्दापल्ली शहर के 20वें वार्ड में आयोजित मैसम्मा तल्ली बोनालु कार्यक्रम के दौरान देवी को बोनम अर्पित कर पूजा–अर्चना की।इस कार्यक्रम में 20वें वार्ड पार्षद गणपति निर्मला, मुन्नुरकापु पेद्दापल्ली जिला अध्यक्ष, 23वें वार्ड पार्षद जडाला सुरेंद्र, मुन्नुरकापु नेता अमेरिसेट्टी रामास्वामी, पूडारी श्रीनिवास, गणपति राजेश, एम्बाडी गट्टैया, बूथकुरी नरसिंग, गंदला चंद्रमौली, एम्बाडी राजू, मुन्नुरकापु युवा नेता समेत वार्ड के कई लोग और महिलाएं शामिल हुईं। सभी ने मिलकर देवी की पूजा की और इस पारंपरिक उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया।

अ.भा. अग्रगामी ब्लॉक ने कुक्का श्रवण कुमार को पेद्दापल्ली नगर संयोजक नियुक्त किया

पेद्दापल्ली, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): अखिल भारतीय अग्रगामी ब्लॉक (एआईएफबी) ने कुक्का श्रवण कुमार को पेद्दापल्ली नगर संयोजक के पद पर नियुक्त किया है। जिला समिति ने पार्टी के सिद्धांतों और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण को देखते हुए यह निर्णय लिया है। पार्टी के जिला संयोजक कोलीपाका श्रीनिवास ने बताया कि यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। नए नगर संयोजक श्रवण कुमार ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस के आदर्शों और पार्टी के सिद्धांतों को नगर के हर घर तक पहुंचाने के साथ–साथ सभी वार्डों में जल्द से जल्द पार्टी समितियां गठित की जानी चाहिए और युवाओं को पार्टी की गतिविधियों में शामिल किया जाना चाहिए।

जिला समिति ने पार्टी को शहरी लोगों की स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए जन आंदोलनों के माध्यम से स्वयं को और मजबूत करने का भी निर्देश दिया है। समिति ने उम्मीद जताई है कि कुक्का श्रवण कुमार के नेतृत्व में पार्टी पेद्दापल्ली कस्बे में और अधिक विस्तार करेगी तथा जन समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर बोलते हुए कुक्का श्रवण कुमार ने जिला समिति का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे पेद्दापल्ली में बहुजन राज्य बनाएंगे। इसके लिए वे पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठित करके पार्टी के विस्तार के लिए समर्पित रूप से काम करेंगे।

पेद्दापल्ली में सरकारी अधिकारियों के कर्तव्य पालन में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का एलान

पेद्दापल्ली, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): पेद्दापल्ली जिला कलेक्टर कोया श्रीहरशा ने कहा है कि सरकारी अधिकारी अपने कर्तव्यों का पालन करते समय किसी भी तरह की बाधा, अभद्रता या धमकी को बर्दाश्त नहीं करेंगे और इसके लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि पेद्दापल्ली मंडल के रंगपुर ग्राम पंचायत सरपंच घंटा रमेश के खिलाफ सहायक कार्यकारी अभियंता, एम. बी. इंट्रा द्वारा शिकायत मिलने पर तेलंगाना पंचायत राज अधिनियम, 2018 की धारा 37(1)(2) एवं 37(1)(3) के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। आरोप है कि सरपंच ने एक सरकारी अधिकारी को उनके कर्तव्यों के पालन में बाधा डाली, अभद्र भाषा का प्रयोग किया और धमकी दी।

शिकायत की प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर सरपंच को नोटिस जारी कर सात दिनों के भीतर लिखित स्पष्टीकरण मांगा गया है। यदि समय पर जवाब नहीं मिला तो कानून के मुताबिक कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से आपसी सम्मान के साथ मिलकर जनहित के काम में समन्वय बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी कर्मचारियों के कर्तव्य पालन में बाधा डालना गंभीर अपराध माना जाएगा और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पेद्दापल्ली में मुख्य सड़क 55 फुट चौड़ीकरण की अफवाहों का मकान मालिकों और व्यापारियों ने किया खंडन

पेद्दापल्ली, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): पेद्दापल्ली कस्बे की मुख्य सड़क के 55 फुट चौड़ीकरण को लेकर फैली खबरों को मकान मालिकों और व्यापारियों ने पूरी तरह झूठा करार दिया है। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस प्रस्ताव को कभी स्वीकार नहीं किया है और यह अफवाह लोगों को गुमराह करने का प्रयास है। गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में मकान मालिकों और व्यापारियों ने कहा कि वे स्थानीय विधायक चिंतकुंता विजय रमना राव के सम्मान में समस्या के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए चल रही चर्चाओं में भाग ले रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि माननीय उच्च न्यायालय ने इस मामले में विधिवत प्रक्रिया का पालन करने के स्पष्ट आदेश दिए हैं, जिनकी प्रतियां नगर आयुक्त और नगर नियोजन अधिकारी (टीपीओ) को भेजी जा चुकी हैं। हालांकि, उन्होंने चिंता जताई कि संबंधित अधिकारी अभी भी न्यायालय के आदेशों की अनदेखी कर रहे हैं। मकान मालिकों और व्यापारियों ने चेतावनी दी कि न्यायालय के आदेशों का पालन करना प्रत्येक सरकारी अधिकारी का संवैधानिक कर्तव्य है, और इसका उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव की गिरफ्तारी के विरोध में धरना प्रदर्शन

बांसवाड़ा, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): इगझ के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव की गिरफ्तारी के विरोध में गुरुवार को बांसवाड़ा में धरना दिया गया। शहर के अंबेडकर स्क्वायर पर इगझ चुनाव क्षेत्र के प्रभारी येंदला लक्ष्मीनारायण के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्ण ढंग से विरोध जताया। धरने के बाद, प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का पुतला जलाया और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस मौके पर बोलते हुए येंदला लक्ष्मीनारायण ने राज्य सरकार पर चुनावी वादों और घोषणापत्र की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से विरोध कर रहे इगझ प्रदेश अध्यक्ष की गिरफ्तारी अन्यायपूर्ण है और इसे कड़ी निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार लोकतंत्र और जनस्वाधिकारों को कुचल रही है और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जनता को धोखा दिया है। लक्ष्मीनारायण ने कहा कि केंद्र सरकार महिला बिल और डिलिमिटेशन बिल लागू कर रही है, जबकि राज्य सरकार अपने वादों को नजरअंदाज कर रही है। इस धरना प्रदर्शन में इगझ नेता पैडीमल लक्ष्मीनारायण, गुडुगुटला श्रीनिवास, कोनाला गंगारेड्डी, शंकर गौड़, साईराम, कुलकर्णी श्रीनिवास राव, श्रीनिवास रेड्डी समेत अनेक कार्यकर्ता शामिल हुए।

महाभारत कथा : भगवान कृष्ण का अवतरण यदु- कुल में

कुरु-वंश और यदु-वंश से जुडी इस श्रृंखला में आज पढते हैं, यदु वंश की शुरुआत के बारे में और भगवान श्री कृष्ण के जन्म के बारे मेंज

सद्गुरु : यदु को उसके पिता ययाति ने श्राप दिया था कि वह कभी राजा नहीं बन सकता। वह दक्षिण की ओर आज के मथुरा शहर चला आया और नागा जनजाति में विवाह कर लिया। उस जनजाति में राजा नहीं होतेथे, एक परिषद शासन चलाती थी।यदु उस शासक परिषद में शामिल हो कर उसका मुखिया बन गया। उसके बच्चों से अलग-अलग वंश परंपराएं निकलीं जैसे अंधक, भोजक और वृष्णि, जो साथ मिलकर यादवों के नाम से मशहूर हुईं।

कुछ पीढियों के बाद यदु वंश में वासुदेव का जन्म हुआ। उनकी दो पत्नियां, देवकी और रोहिणी थीं। देवकी का एक सौतेला भाई था, कंस, जो जबरन बनाए गए संबंध यानी बलात्कार से पैदा हुआ था। उन दिनों हर कहीं यह परंपरा थी कि चाहे बच्चे का जन्म किसी भी तरह हुआ हो, वह अपनी मां के वंश का एक वैध हिस्सा बन जाता था। मगर यादवों ने कंस को नहीं अपनाया और उसे अवैध सन्तान कहकर दुत्कार दिया। वह एक महान योद्धा था, फिर भी उन्होंने उसे शासक परिषद में शामिल करने से इनकार कर दिया क्योंकि वह बहुत दुष्ट और असभ्य था। कंस ने पूरब के एक महान राजा जरासंध से दोस्ती कर ली। जरासंध के समर्थन के कारण बहुत से लोग कंस के साथ हो गए। यादव वंश में पहली बार ऐसा हुआ था कि किसी ने बुजुर्गों की परिषद को खारिज करके खुद को राजा घोषित कर दिया था। राजा बनने के बाद कंस ने अपनी निर्विवाद सत्ता स्थापित कर ली और अपने असभ्य तरीकों से राजपाट चलाने लगा। उसके शासन में लोग काफी दुखी थे, मगर कोई उसका विरोध करने का साहस नहीं करता था क्योंकि उसका मित्र जरासंध एक शक्तिशाली राजा था। कंस को श्राप मिला हुआ था कि उसकी बहन के आठवें बच्चे के हाथों उसका वध होगा। जब उसे इस बात का पता चला, तो उसने देवकी और वासुदेव को जेल में डाल दिया। वह गिनती करके सिर्फ आठवें बच्चे को मार सकता था मगर वह कोई खतरा नहीं उठाना चाहता था। जिस दिन पहले बच्चे का जन्म हुआ, कंस ने जेल में जाकर नवजात शिशु को पैरों से उठाया और फर्श पर पटक दिया। उसकी मां भय और दुख से हक्की-बक्की रह गई, मगर जेल में कैद होने के कारण वे कुछ नहीं कर सकते थे। अगले बच्चे का जन्म हुआ, कंस ने फिर से आकर उसे पटक कर मार डाला। इसके विस्तार में मैं नहीं जाऊंगा। उसके बाद वासुदेव और देवकी ने यह सुनिश्चित किया कि सातवां बच्चा बलराम, वासुदेव की दूसरी पत्नी रोहिणी के गर्भ में चला जाए , जो नदी के दूसरी ओर गोकुल में रहती थी।

भगवान कृष्ण का अवतरण

फिर आठवें बच्चे कृष्ण का जन्म होना था। वे इस बच्चे को बचाने के लिए पूरी तरह संकल्पित थे, सिर्फबच्चे के लिए नहीं बल्कि इसलिए भी कि वे कंस के अत्याचार को समाप्त करना चाहते थे। उन्होंने तंत्र विद्या से जेल के रक्षकों को सुला दिया। गोपों के मुखिया नंद और उनकी पत्नी यशोदा नदी के उस पार रहते थे। यशोदा ने अभी-अभी एक बच्ची को जन्म दिया था। वासुदेव ने नवजात कृष्ण को नंद और यशोदा को सौंप दिया और उस नवजात बच्ची को अपने साथ जेल में ले गए। सुबह जब कंस जेल में आया तो लडकी को देखकर हैरान रह गया क्योंकि आठवां बच्चा लडका होना चाहिए था, जो उसे मारता। मगर फिर भी कंस अपने जीवन पर कोई खतरा नहीं चाहता था। कौन जाने लडकी कब लडके में बदल जाए।

वह उसे उठाने ही वाला था कि देवकी ने उससे प्रार्थना की, 'देखो, यह तो एक लडकी है। यह तुम्हें नहीं मार सकती। इसकी शादी हो जाएगी और यह अपने घर चली जाएगी। कृपया इसका जीवन बख्श दो।' कंस ने कहा, 'ऐसा हरगिज नहीं हो सकता। मैं कोई खतरा क्यों मोल लूं' वह लडकी को उठाकर उसे पटकने ही वाला था, मगर वह नीचे नहीं गिरी।

गजानन की जिह्वा देती है यह सीख

गजानन रूप में भी हम भगवान गणेश की वंदना करते हैं। गजानन अर्थात हाथी के मुख वाला। हाथी की जीभ अन्य प्राणियों से अनोखी होती है। गणेशजी के इस रूप में वाणी का महत्व प्रतिपादित होता है। मनुष्य की उत्तम वाणी महत्व को बढाती है और दोषपूर्ण वाणी सम्मान कम करती है। हाथी की जीभ तो बाहर निकलती ही नहीं। यह तो मुख के भीतरी भाग में है। अर्थात इससे वाणी के अनर्थ का भय नहीं है और संयम की सीख है। गजा का अर्थ उन ऋषियों और योगियों से भी जुडता है जो समाधि में बैठे रहते हैं और जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति प्राप्त करते हैं। गणेश अपने इस रूप में हमें पदार्थगत वासना से उबरकर मोक्ष की राह तलाशने की सीख देते हैं। भगवान गणेश का यह रूप यह भी सीख देता है कि जिस तरह हाथी संयमित जीवन से 120 वर्ष जी सकता है मनुष्य भी नियंत्रण से लंबा और सुखी जीवन बिता सकता है।

इस तरह के उपाय से घर में हो रहे कलह-कलेश को दूर कर सुख-शांति पा सकते हैं

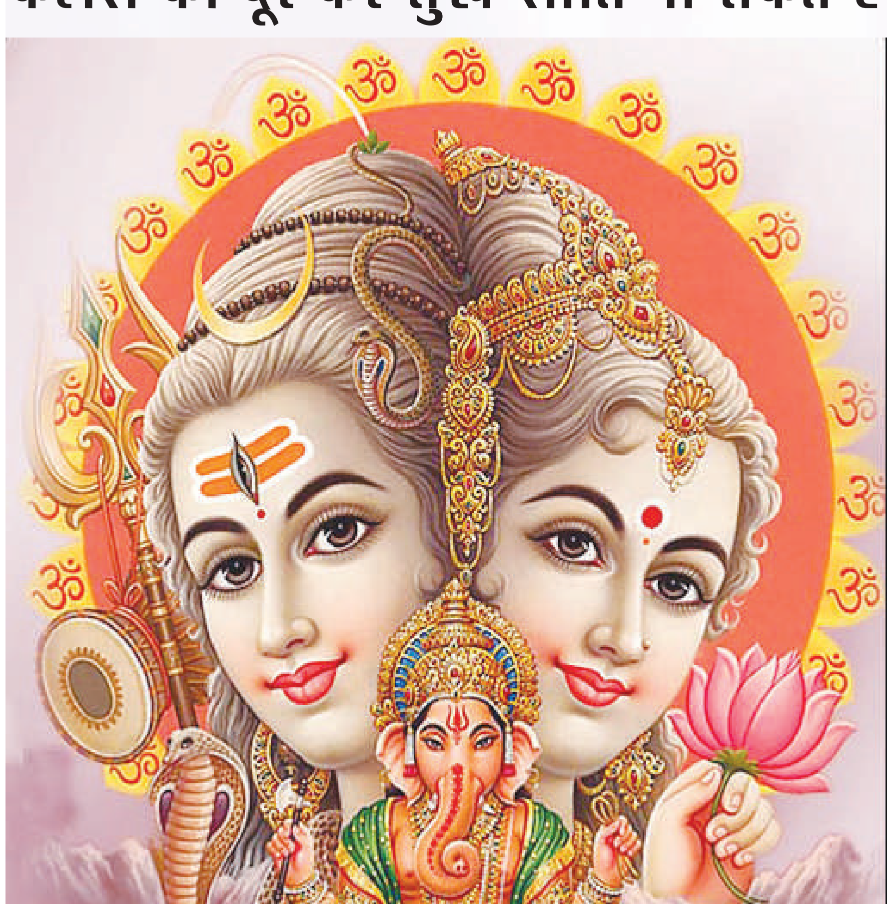

जीवन में सुख और शांति का बना रहना काफी मुश्किल होता है। दाम्पत्य जीवन सुखी हो ऐसे में कुछ उपायों को अपनाकर शायद हम अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। शुक्ल पक्ष में पडने वाले किसी शुक्रवार के दिन पत्नी अपने हाथों से प्रेम पूर्वक साबूदाने की खीर बनाएं लेकिन उसमें शक्कर के स्थान पर मिश्री डालें। इस खीर को सबसे पहले भगवान को अर्पित करें और इसके बाद पति-पत्नी थोडी-थोडी एक-दूसरे को खिलाएं। भगवान से सुखमय दाम्पत्य की कामना करें। इस दिन किसी लक्ष्मी मंदिर में जाकर इत्र का दान करें। अपने शयनकक्ष में इत्र कदापि न रखें। कुछ दिनों तक यह प्रयोग करते रहें । कुछ ही दिनों में दाम्पत्य जीवन सुखी हो जाएगा। बरगद(बड) के पत्ते को गुरु पुष्य या रवि पुष्य योग में लाकर उस पर हल्दी से स्वस्तिक बनाकर घर में रखें। घर के मुख्य द्वार के ऊपर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा अथवा चित्र इस प्रकार लगाएं कि उनका मुख घर के अंदर की ओर रहे। उस पर सुबह दूर्वा अवश्य अर्पित करें।

धन संबंधी कार्य सोमवार एवं बुधवार को करें। नए कार्य, व्यवसाय, नौकरी, रोजगार आदि शुभ कार्यों के लिए जाते समय घर की कोई महिला एक मुठ्ठी काले उडद उस व्यक्ति के ऊपर से उतार कर भूमि पर छोड दे तो हर कार्य में सफलता मिलेगी। गरीब, असहाय, रोगी व किन्नरों की सहायता दान स्वरूप अवश्य करें। यदि संभव हो तो किन्नरों को दिए पैसे में से एक सिक्का वापस लेकर अपने कैश बॉक्स या लॉकर में रखें। इससे लाभ होगा। काली हल्दी की एक गांठ शुभ मुहूर्त में प्राप्त कर अपने घर में, व्यवसायी अपने कैश बॉक्स में तथा व्यापारी अपने गल्ले में रखें। रवि पुष्य नक्षत्र के शुभ मुहूर्त में बहेडे की जड या एक पत्ता तथा शंखपुष्पी की जड लाकर घर में रखें। चांदी की डिब्बी में रखें तो और भी शुभ रहेगा।

टोटके करते समय इनका ध्यान रखें-

दिशा-निर्देश- सम्मोहन सिद्धि, देव कृपा प्राप्ति अथवा अन्य शुभ एवं सात्विक कार्यों की सिद्धि के लिए पूर्व दिशा की ओर मुख करके टोटके किए जाते हैं। मान-सम्मान, प्रतिष्ठा व लक्ष्मी प्राप्ति के लिए किए जाने वाले टोटकों के लिए पश्चिम दिशा की ओर मुख करके बैठना शुभ होता है। उत्तर दिशा की ओर मुख करके उन टोटकों को किया जाता है जिनका उदेश्य रोगों की चिकित्सा, मानसिक शांति एवं आरोग्य प्राप्ति होता है।

रोग मुक्ति के लिए किए जाने वाले टोटकों के लिए मंगलवार एवं श्रावण मास उत्तम समय है। मां सरस्वती की प्रसन्नता व शिक्षा में सफलता के लिए बुधवार एवं गुरुवार तथा माघ, फाल्गुन और चैत्र मास में टोटका करना चाहिए। संतान और वैभव पाने के लिए गुरुवार तथा आश्विन, कार्तिक एवं मार्गशीर्ष मास में टोटकों का प्रयोग करना चाहिए।

अर्धनारीश्वर है मां सिद्धिदात्री का स्वरूप

मां सिद्धिदात्री मां का नवां स्वरूप हैं। नवरात्रि के नौंवे दिन मां के इस स्वरूप की पूजा की जाती है। मां सिद्धिदात्री देवी की आराधना करने से आपकी योग्यता और शक्ति में बढोतरी होती है। मां का यह स्वरूप अर्धनारीश्वर के रूप में भी विख्यात है।

पूजन विधि कंडे (गाय के गोबर के उपले) जलाकर उसमें घी, हवन सामग्री, बताशा, लौंग का जोडा, पान, सुपारी, कपूर, गूगल, इलायची, किसमिस, कमलगट्टा अर्पित करें। नवरात्र के नौंवे दिन हवन में मां सिद्धिदात्री की इन मंत्रों के उच्चारण के साथ पूजा करें।

मां सिद्धिदात्री का स्वरूप

सिद्धिदात्री के चार हाथ हैं। एक हाथ में उन्होंने चक्र धारण किया हुआ है और दूसरे हाथ में गदा है। तीसरे हाथ में शंख है तो चौथे हाथ में कमल का फूल लिए हुए हैं। मां सिद्धिदात्री कमल के फूल पर आसीन हैं। इनका वाहन सिंह है। ऐसा माना जाता है की मां का यह स्वरुप भक्त की 26 अलग-अलग मनोकामनाओं को पूरा कर सकता है। मार्कण्डेय पुराण के अनुसार मां सिद्धिदात्री की पूजा से अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व जैसी आठ सिद्धियां प्राप्त की जा सकती हैं। ब्रम्हावैवर्त पुराण के श्रीकृष्ण जन्मखंड के अनुसार मां सिद्धिदात्री की पूजा से 18 तरह की सिद्धियों का आशीर्वाद पाया जा सकता है। देव, दानव, गन्धर्व, किन्नर, मानव, यक्ष, सभी मां सिद्धिदात्री की आराधना करके आशीर्वाद पाते हैं।

नौंवे दिन हवन में मां सिद्धिदात्री के इस मंत्र का उच्चारण करें -

ऊँ ह्रीं सः सिद्धिदात्र्यै नमः ।।

भक्त की 26 अलग मनोकामनाओं को पूरा करती हैं मां

मां की आराधना से मिलती हैं सिद्धियां

भगवान शिव ने भी इन्हीं देवी की कृपा से यह तमाम सिद्धियां प्राप्त की थीं। इस देवी की कृपा से ही शिवजी का आधा शरीर देवी का हुआ था। इसी कारण शिव अर्द्धनारीश्वर नाम से प्रसिद्ध हुए। विधि-विधान से नौंवे दिन इस देवी की उपासना करने से सिद्धियां प्राप्त होती हैं। यह अंतिम देवी हैं। इनकी साधना करने से लौकिक और परलौकिक सभी प्रकार की कामनाओं की पूर्ति हो जाती है।

वास्तु विज्ञान भारत का अत्यंत प्राचीन ज्ञान है

सब सही होते हुए भी कभी कभी हमें परेशानियों का सामना करना पडता है, ऐसा क्यों क्या ये सब कहीं वास्तु दोष के कारण तो नहीं है । इस संसार में हर व्यक्ति चाहता है कि वह जीवन में खूब सफलता प्राप्त करें । उसे धन, यश, ऐश्वर्य, प्रसन्नता, अच्छा परिवार, अच्छा स्वास्थ्य सभी कुछ प्राप्त हो, इसके लिए वह दिन रात मेहनत करता है, सदैव प्रयत्नशील रहता है लेकिन फिर भी सभी को उपरोक्त सुख सुविधाओं की प्राप्ति नहीं ही होती है । कई बार जब बहुत जी तोड मेहनत के बाद भी सफलता नहीं मिलती है, जीवन में अस्थिरता रहती है या कोई ना कोई परेशानी लगी ही रहती है तो व्यक्ति निराश होने लगता है । लेकिन इसका कारण उसके भवन, कार्यालय स्थल का वास्तु दोष हो सकता है । जी हाँ, जिस जगह हम अपने जीवन का अधिकांश, महत्वपूर्ण समय बिताते है अगर उसी में दोष है तो लाख चाह कर भी, बहुत प्रयास के बाद भी हमें अपने परिश्रम का श्रेष्ठ परिणाम मिलने में आशंका बनी रहती है ।

पहले समय में भवन की आयु न्यूनतम 100 वर्ष मानी जाती थी । भवन के स्वामी के पुत्र पौत्र आदि उसमे मिलकर लम्बे समय तक निवास करते थे , उस भवन के साथ लोगो की बहुत सी यादें जुडी होती थी और कोई भी व्यक्ति चाहे जितना भी संकट में क्यों ना हो वह उसको बेचने के बारे में सोचता भी नहीं था परन्तु यह बहुत ही खेद का विषय है कि आज वास्तु / ज्योतिष के अनुसार भवन की आयु घट कर लगभग 40 वर्ष ही रह गयी है । इन सबका एक प्रमुख कारण वास्तु के नियमो की पूर्णतया अवहेलना करना है । यदि हमारा भवन वास्तु के अनुरूप है तो वहाँ पर ना केवल परस्पर प्रेम, हर्ष, उल्लास और निरोगिता ही रहेगी वरन वहाँ के निवासियों केविद्धवान, संस्कारी होने की भी बहुत सम्भावना बड जाती है। उन्हें जीवन में धन यश और सफलता की भी आसानी से प्राप्ति होती है । यह ब्रहमाण्ड और हम सभी मनुष्य पंच तत्व से बने है। इन पंच तत्वों जल, पृथ्वी, वायु, अग्नि और आकाश का इस पूरी सृष्टि, समस्त जीवों पर गहन प्रभाव है। अगर इनका संतुलन बिगडा रहता है तो जीवन में सदैव परेशानियाँ बनी ही रहती है । लेकिन वास्तु द्वारा इन्ही पंच तत्वों जल, पृथ्वी, वायु, अग्नि और आकाश के बीच की परस्पर क्रिया को ध्यान में रखकर इस प्रकृति के साथ संतुलन बनाते हुए निश्चय ही श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किये जा सकते है ।

वास्तु विज्ञान भारत का अत्यंत प्राचीन ज्ञान है जिसकी हमारे ऋषि मुनियों ने अपने अथक प्रयास से मानव जीवन को सुगम बनाने के लिए रचना की है। वास्तु 'वस' शब्द से बना है जिसका अर्थ है वास करना । वास्तु का संस्कृत में अर्थ है मनुष्य एवं देवताओं का निवास स्थान । वास्तु केवल भवन निर्माण कला ही नहीं है वरन वास्तु में सम्पूर्ण देश, राज्य, नगर, भवन, हमारे बैठने ,सोने, खाना बनाने, भण्डारण, पूजा स्थल, स्नानघर आदि एवं निर्माण कार्यों में प्रयुक्त सभी सामग्रियाँ आती है । इस बात के प्रत्यक्ष प्रमाण है कि वास्तु के सिद्धांतों का पालन करके बनाये गए निर्माणों में धन यश एवं मनवांछित सफलता की अल्प प्रयासों से ही प्राप्ति हो जाती है। भारतीय शास्त्रों में प्रत्येक छोटे बडे स्थान के देवता के रूप में वास्तुपुरुष को मान्यता दी गयी है । किसी भी भवन के निर्माण के समय वास्तु पुरुष की पूजा अनिवार्य मानी जाती है जिससे भवन के निवासियों को जीवन में सभी तरह के सुखों के साथ साथ धर्म, अर्थ,काम और मोक्ष की प्राप्ति हो। प्रत्येक भवन में वास्तुपुरुष का अस्तित्व माना जाता है । वास्तुपुरुष भवन में अपने हाथ पैरों को एक विशेष समय में मोडकर उलटे लेते रहते है । भवन में वास्तु पुरुष का सर ईशान कोण एवं उनके पैर नैत्रत्य कोण में माने जाते है।

वास्तु दोष :- अगर आपके भवन में रहने वाले लोग बार बार बीमार पडते है, उस भवन में रहने वालो के बीच आये दिन कलह रहती है, पर्याप्त मेहनत के बावजूद भी धन की कमी रहती है, अनावश्यक खर्चो का सामना करना पडता है, बनते हुए कार्यों में अडचने आ जाती है, संतान मनमाना कार्य करती है, भवन में रहने वाले तनाव में रहते है।

भवन में भय लगना है, रात में बुरे बुरे सपने आते है, भवन के आसपास या चमगादड नजर आते है तो आपके भवन में वास्तु दोष हो सकता है इसका तुरंत उपाय करें अन्यथा शायद जीवन भर पछताने के सिवाय कुछ भी हाथ ना लगे ।

नानक की योग्यता देखकर उनके गुरु भी थे हैरान

पंजाब का एक छोटा सा शहर तलवंडी में कालूराय बेदी की पत्नी तृप्ता देवी के गर्भ से एक शिशु का जन्म हुआ। यह शिशु बालक था, जिसने बडे होकर अपना समूचा जीवन धार्मिक कट्टरता और धर्म के नाम पर होने वाले अत्याचारों और अनाचारों का विनाश करने के लिए समर्पित कर दिया। कालूराय बेदी तलवंडी के शासक राय दुलार के प्रधान पटवारी थे। साथ ही अत्यधिक विश्वासपात्र भी। उनका घर धन-धान्य से भरा हुआ था। इसलिए शिशु का जन्मोत्सव बहुत धूम-धाम से मनाया गया। तृप्ता देवी ने पुत्री नानकी के जन्म के बाद एक पुत्र को जन्म दिया था। पुत्री का नाम नानकी इसलिए रखा गया क्यों कि उसका अधिक समय ननिहाल में ही गुजरा था। इसलिए बालक को बहिन के नाम का पर्याय देते हुए नानक के रूप में बुलाया जाने लगा।

बचपन से ही नानक में विलक्षण प्रतिभाएं देखने के मिलने लगीं थीं। वह किसी भी पेड के नीचे बैठकर 'सत करतार' का जप किया करते थे। पांच वर्ष की उम्र में ही उनकी पढाई शुरु हो गई। उनके पहले गुरु बने पंडित गोपाल के पास जाने लगे। वह इतने कुशाग्र बुद्धि के थे कि कुछ दिनों में ही पं.गोपाल मान गए कि वह जितने पढे लिखे हैं उससे कहीं अधिक ज्ञान नानक जी को है। इसके बाद नानक जी की फारसी शिक्षा शुरू हुई। उनको फारसी की शिक्षा देने के लिए मौलवी कुतबुद्दीन के पास भेज दिया गया। लेकिन मौलवी ने कुछ दिनों बाद कालूराय जी को बताया कि यह बालक फारसी का विद्वान है। नानक की योग्यता देखकर उनके दोनों गुरु ही हैरान थे।

यहां होती है चमगादडों की पूजा

वैसे तो आपने चमगादड़ों को देखा होगा, लेकिन बिहार के वैशाली जिले के राजापाकर प्रखंड के सरसई (रामपुर रत्नाकर) गांव में चमगादडों की न केवल पूजा होती है, बल्कि लोग मानते हैं कि चमगादड़ उनकी रक्षा भी करते हैं। इन चमगादड़ों को देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। यहां लोगों की मान्यता है कि चमगादड़ समृद्धि की प्रतीक देवी लक्ष्मी के समान हैं। सरसई गांव के एक बुजुर्ग गणेश सिंह का मानना है कि चमगादड़ों का जहां वास होता है, वहां कभी धन की कमी नहीं होती। ये चमगादड़ यहां कब से हैं, इसकी सही जानकारी किसी को भी नहीं है। सरसई पंचायत के सरपंच और प्रदेश सरपंच संघ के अध्यक्ष आईएएनएस को बताते हैं कि गांव के एक प्राचीन तालाब (सरोवर) के पास लगे पीपल, सेमर तथा बथुआ के पेड़ों पर ये चमगादड़ बसेरा बना चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस तालाब का निर्माण तिरहुत के राजा शिव सिंह ने वर्ष 1402 में करवाया था। करीब 50 एकड़ में फैले इस भूभाग में कई मंदिर भी स्थापित हैं।

बीमारियों का खतरा कम करता है अखरोट

अखरोट में जितनी कैलोरी होने की बात कही है, असल में, अखरोट में उससे 21 फीसदी कम कैलोरी होती हैं। अखरोट खाने के कई फायदों को भी बता सकते हैं जिनमें कैंसर, हृदय और कुछ अन्य बीमारियों के खतरे को कम करना शामिल है। उन्होंने कहा कि हमारे शोध से लोगों की कैलोरी संबंधित चिंताओं को कम करने में मदद मिल सकती है और वे अपनी रोज की खुराक में इसे शामिल कर सकते हैं।

प्राकृतिक गुणों से भरपूर अनानास

अनानास सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें कैल्शियम, फाइबर तथा विटामिन सी भरपूर मात्रा पाया जाता है और फैट बहुत कम होता है। गर्भावस्था में होने वाली मॉर्निंग सिकनेस की समस्या को कम करने में अनानास आपकी मदद कर सकता है। इस समस्या को कम करने के लिए खाली पेट अनानास को सेवन करना चाहिए। इसमें ब्रोमिलेन नामक तत्व सर्दी, खांसी, सूजन, गले में खराश और गठिया में फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं इसके फायदों के बारे में...

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं

अनानास के सेवन से प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और इससे किसी भी तरह की एलर्जी का खतरा कम हो जाता है।

हड्डियां को बनाए मजबूत

इसमें मैग्नीशियम बहुत प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूत और शरीर में एनर्जी को बनाएं रखने में मदद करता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

हर रोज अनानास खाने से बढ़ती उम्र के साथ कम होती आंखों की रोशनी का खतरा कम हो जाता है।

दिल की बीमारियों से बचाव

यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है। जिससे दिल की बीमारियों को रोकने में मदद मिलती है।

कैंसर की रोकथाम

इसका एंटीऑक्सीडेंट आपको हृदय रोग, गठिया, विभिन्न तरह के कैंसर जैसी बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं।

कैविटी से रखे दूर

यह मुंह के किसी भी प्रकार के बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकता है। जिससे दांतों में कैविटी की समस्या नहीं होती है।

उच्च रक्तचाप

अगर आप उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं तो अनानास आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता हैं। इसमें पोटेशियम की उच्च मात्रा और सोडियम की कम मात्रा रक्तचाप के स्तर को सामान्य बनाए रखने में मदद करती हैं।

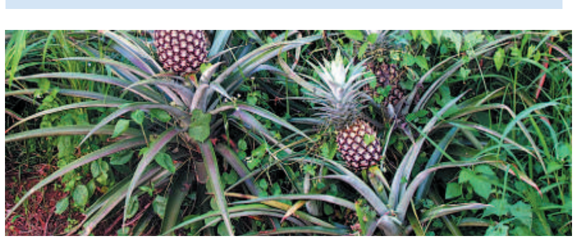

ठंडी-ठंडी चिकित्सा पद्धति है क्रायोथेरेपी

क्रायोथेरेपी चिकित्सा की ऐसी पद्धति है जिसमें बर्फ के टुकड़े या ठंडे पानी के प्रयोग से दर्द का उपचार किया जाता है। इसका प्रयोग सबसे अधिक स्पोर्ट्स गतिविधियों के दौरान लगने वाली चोट के उपचार के लिए किया जाता है।

इसके अलावा क्रायोथेरेपी का प्रयोग प्रोस्टेट कैंसर और अनियंत्रित कोशिकाओं पर नियंत्रण पाने के लिए भी किया जाता है। क्रायोथेरेपी से शरीर के उस स्थान के बढ़े हुए तापमान को कम करता है, रक्त संचार की गति को बढ़ाता है, यह तंत्रिकाओं के वेग को भी कम कर देता है जिसके कारण दर्द को काबू में आ जाता है। इस लेख में विस्तार से जानिए इसका प्रयोग कैसे होता है और इसके विभिन्न तरीके क्या-क्या हैं।

कब प्रयोग करें

- चोट के कारण होने वाले वाले तेज दर्द को कम करने के लिए
- सूजन को कम करने के लिए
- शरीर के कोमल (tenderness) क्षेत्रों के उपचार के लिए
- मांसपेशियों में खिंचाव या ऐंठन होने पर
- कुछ भड़काऊ स्थितियों (bursitis, tenosynovitis, tendinitis) में।
- अधिक दबाव के कारण होने वाले दर्द में
- डीप वेन थ्रोम्बोसिस होने पर

कब प्रयोग न करें

- खुले घावों में इसका प्रयोग न करें
- उच्च रक्तचाप होने पर
- हृदय रोगों में
- त्वचा संक्रमण होने पर
- सनसनी होने पर
- शीत पित्ती (Cold Urticaria) में।

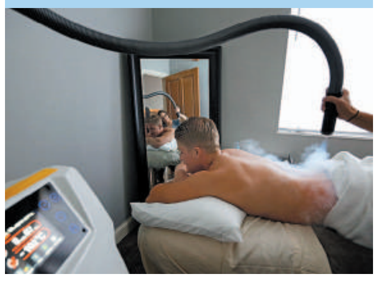

कोल्ड पैक्स

इस तरह का उपचार बर्फ के टुकड़े को तौलिये में या फिर आइस पैकेट में रखकर किया जाता है। यह शरीर के किसी हिस्से में होने वाले दर्द या फिर ऐंठन की समस्या को दूर करता है।

कोल्ड व्हर्लपूल मेथॉड

क्रायोथेरेपी से उपचार के इस तरीके में किसी टब में पानी भरकर उसे ठंडा कर दिया जाता है, फिर शरीर के जिस हिस्से का उपचार होना होता है उसे टब में डालकर शरीर के हिस्से को हिलाया जाता है। पैरों की समस्याओं के उपचार के लिए यह तरीका अधिक प्रयोग किया जाता है।

आइस इमर्सन

इस तरीके का प्रयोग एथलीटों या फिर स्पोर्ट्स गतिविधियों में लगे रहने वाले लोगों के लिए किया जाता है। इस तकनीक में पूरे टब में बर्फ के टुकड़े डाले जाते हैं उसके बाद मरीज को उस टब में घुसाया जाता है।

क्रायोथेरेपी यानी आइस थेरेपी दर्द की समस्या से निजात दिलाने वाला बहुत ही सामान्य और अच्छा तरीका है जिसका प्रयोग हर कोई आसानी से कर सकता है।

आइस मसाज

इस तरीके में बर्फ के टुकड़े को सीधे तौर पर चोट वाली जगह पर लगाया जाता है। दर्द को दूर करने के लिए यह बहुत ही सामान्य और असरदार तरीका है।

कीटनाशकों के प्रयोग से फैलता है नोरोवायरस

नोरोवायरस एक प्रकार का कीड़ा होता है जिसका वायरस यदि शरीर में प्रवेश कर जाएं तो उल्टियां होती हैं। हालांकि यह किसी भी मौसम में हो सकता है। इस संक्रामक वायरस के कारण गंभीर उल्टी और दस्त की समस्या होती है। कुछ अध्ययनो से पता चला है कि ये वायरस कीटनाशकों की वजह से फैल सकता है, तो चलिये जानें कि

नोरोवायरस क्या है, इसके जोखिम क्या हैं और यह किस प्रकार फैल सकता है। यह वायरस बेहद तेजी से फैलता है और इससे संक्रमित होने पर फ्लू जैसे लक्षण नजर आते हैं जिनमें पेट दर्द तथा उल्टी भी शामिल होते हैं।

कैसे फैलता है नोरोवायरस

किसानों द्वारा कीटनाशकों के मिश्रण को पतला करने के लिए प्रयोग किए जाने वाला गंदा पानी नोरोवायरस फैला सकता है। दरअसल किसान कीटनाशकों के मिश्रण को पतला करने के लिए कुओं, सिंचाई होदियों, नदियों, और झीलों जैसे स्त्रोतों से पानी लेते हैं। और इन सभी पानी के स्त्रोतों में नोरोवायरस भरे होते हैं।

भोजन के माध्यम से भी फैलता है नोरोवायरस

नोरोवायरस अपके भोजन के माध्यम से भी फैल सकता है। नोरोवायरस रेस्तरां में बनाए गए और डिब्बे बंद खाद्य पदाथों में हो सकता है। क्योंकि इन खाद्य पदार्थों में कई सारी अलग-अलग सामग्री होती हैं, नोरोवायरस किस खाद्य पदार्थ से शरीर में गया है, पता लगाना मुश्किल होता है। कई प्रकार के तैयार खाने व खाद्य पदार्थों जैसे, सलाद, सैंडविच, बर्फ, कुकीज, और फल भी इसके लिए जोखिम कारक बन सकते हैं। यदि खाने के बाद उल्टी या दस्त की समस्या हो तो यह नोरोवायरस संक्रमण के कारण भी हो सकता है। ज़रूरी नहीं कि इस संक्रमण के लक्षण तुरंत दिखाई दें, हो सकता है कि कुछ दिनों बाद आपको इसके लक्षणों का अनुभव हो।

ध्यान रहे कि भोजन को गर्म करना इस वायरस से छुटकारा पाने के लिए पर्याप्त नहीं होता। नोरोवायरस 140 डिग्री फेरनहाइट तक ताप पर जीवित रह सकते हैं। यह वायरस ठंड से जमाने पर भी जीवित रह सकता है।

टॉयलेट सीट से भी ज्यादा गंदी पानी की बोतल!

एक पानी की बोटल को बार-बार इस्तेमाल न करें। ये आपकी टॉयलेट सीट से भी ज्यादा गंदी हो सकती है और कई तरह से आपको नुकसान पहुंचा सकती है। वैज्ञानिकों ने हालिया शोध में पाया है कि प्लास्टिक की पानी की बोतलों का इस्तेमाल लंबे समय तक बार बार करना सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। शोधकर्ताओं के अनुसार बोतल पर जमा होने वाले बैक्टीरिया में से करीब साठ प्रतिशत कीटाणु ऐसे होते हैं जो आपको बीमार कर सकते हैं। इसके चलते डायरिया, फूड प्वाइजनिंग, नॉजिया और उल्टी जैसी समस्याएं आमतौर पर होने का खतरा रहता है। शोध में इस्तेमाल की गई ऐसी बोतलों का लैब में परीक्षण किया गया। चौंकाने वाला खुलासा हुआ। पाया गया कि उसके एक सेंटीमीटर के एरिया में करीब नब्बे हजार कीटाणु थे, जो एक टॉयलेट सीट पर इतने क्षेत्र में मौजूद कीटाणुओं से कहीं ज्यादा है। बोतल के मुंह पर सबसे ज्यादा कीटाणु पाए गए। वहीं स्ट्रॉ के ऊपरी हिस्से पर भी उतने ही बैक्टीरिया मिले। बोतल धोने से भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता। धोने के बावजूद बैक्टीरिया थोड़ी देर के लिए ही खत्म होते हैं, फिर पनप जाते हैं। तो आपको समझ में आ गया होगा कि जिस पानी की बोटल का आप बार-बार पानी पीने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, वह आपके लिए किस हद तक खतरनाक साबित हो सकती है।

इन नुस्खों से मिलेगी दो मुंहे बालों से मुक्ति

वैसे तो हर महिला को लंबे, काले, घने और रेशमी बालों चाहिए, लेकिन बदलती लाइफस्टाइल और प्रदूषण के चलते आजकल बाल बहुत डेमेज होते हैं पार्लर में न करें पैसा बर्बाद वैसे तो हर महिला को लंबे, काले, घने और रेशमी बालों चाहिए, लेकिन बदलती लाइफस्टाइल और प्रदूषण के चलते आजकल बाल बहुत डेमेज होते हैं। बालों का दुमुहां होना आम समस्या है। महिलाएं अक्सर पार्लर में पैसा खर्च करके अपने बाल कटवाती हैं। लेकिन कुछ टिप्स अपनाकर इन दोमुहें बालों से मुक्ति पा सकते हैं।

पपीता और दही: पपीते और दही का घरेलु पैक लगाएं। 150 ग्राम पपीता और आधा कप दही मिलाएं और बालों में लगाएं। फिर ठंडे पानी से धो लें।

अंडे का मास्क: अंडे का पीला भाग, तीन टेबल स्पून ऑलिव ऑयल और एक टेबल स्पून शहद मिलाएं। पैक को बालों में 20 से 30 मिनट तक लगा रहने दें। फिर शैंपू से धो लें।

हॉट ऑयल ट्रीटमेंट: दो मुहें बालों के लिए हॉट ऑयल ट्रीटमेंट भी काफी अच्छा है। यह काफी असरदार माना जाता है।

शहद के साथ दही: यह एक नेचुरल कंडीशनर है। इसके और अच्छा रिजल्ट पाने के लिए दही भी मिला दें। एक कप दही में एक टेबल स्पून शहद मिलाएं और उसे जड़ों पर लगाते हुए सिरों तक लगाएं। उसके बाद इस पैक को धो लें।

सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं लोग

सफलता की होड़ में उधड़ते मानवीय रिश्ते

पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव ने हमारे देश में भौतिकवाद को प्रोत्साहन दिया है और अब तो पढ़े लिखे हों या नहीं सभी सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं। भारतीय अध्यात्म ज्ञान के बारे में जानते सभी हैं पर उसे धारण करना लोगों को अब पिछड़ापन दिखाई देता है। नतीजा यह है कि समाज में आपसी रिश्ते एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

सिर्फ सांसारिक शिक्षा काफी नहीं

अक्सर अनेक लोग शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे उनसे दूर हो रहे हैं अथवा उनकी देखभाल नहीं करते। इसके दो कारण होते हैं एक तो यह कि नए सामाजिक परिवेश से तालमेल न बिठा पाने के कारण लोग अपने माता-पिता को त्याग देते हैं या फिर वह व्यवसाय के सिलिसले में उनसे दूर हो जाते हैं। दोनों ही स्थितियों का विश्लेषण करने पर अनुभव होगा कि आधुनिक युग के समस्त माता-पिता अपने बच्चों से यह अपेक्षा करते हैं कि वह इस मायावी दुनिया में उच्च से उच्च पद प्राप्त कर, अधिक से अधिक धनार्जन करें और भरपूर मान प्रतिष्ठा की दुनिया में चमककर उनका व अपना नाम रोशन करें। लोग बच्चों की कामयाबी के सपने देखते हैं और केवल सांसारिक शिक्षा तक ही अपने बच्चों को सीमित रखते हैं। किसी तरह अपना पेट पालो यही सिखाते हुए वह ऐसा अनुभव करते हैं कि जैसे कि वह दुनियां का कोई विशेष ज्ञान दे रहे हैं। यह तो एक सामान्य चतुराई है, जिसे सब जानते हैं।

सभी सुविधाओं के बाद भी अशांत रहता है मन

यह उन माता-पिता का भ्रम है कि शिक्षा तो सभी स्वत: ही प्राप्त करते हैं पर जिन बच्चों को उनके माता-पिता इसके साथ ही अध्यात्म ज्ञान, ईश्वर भक्ति और परोपकार करना सिखाते हैं वह अधिक योग्य निकलते हैं। जब तक आदमी के मन में अध्यात्म का ज्ञान नहीं होगा, तब तक वह न तो स्वयं कभी प्रसन्न रह पाता है और न ही दूसरों को प्रसन्न करता है। आज समस्त सुख सुविधाएं होने के बावजूद भी बहुत सभी लोगों का मन अशांत रहता है, क्योंकि मानव को परमात्मा के ज्ञान का प्रत्यक्ष बोधकर शांति, सत्य, अहिंसा एवं नि:स्वार्थ प्रेम का वातावरण स्थापित करने का समय नहीं है। वह तो पैसे कमाने और सफलता की दौड़ में सबसे आगे निकलना चाहते हैं। मनुष्य जीवन में भक्ति और ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा मिलती है पर उसका उपयोग नहीं कर हम उसे ऐसे ही नष्ट कर डालते हैं। ऐसे में वह ज्ञानी धन्य है जो दाल-रोटी खाकर पेट भरते हुए भगवान भजन और ज्ञान प्राप्त करने के लिए समय निकालते हैं।

रेसिपी

ब्रेड कटलेट

सामग्री

4 ब्रेड स्लाइस,1 आलू(उबला हुआ), आधा कप मटर(उबले हुए),1 गाजर(कद्दूकस की हुई),1 कप गोभी(कद्दूकस की हुई), 2 टेबलस्पून ब्रेड क्रम्स, 1 प्याज (बारीक कटा),1 हरी मिर्च(कटी हुई),आधा चम्मच अदरक(कसा हुआ),गरम मसाला,1 छोटा चम्मच नींबू का रस, तेल, नमक स्वादानुसार,पानी,3-4 पनीर(टुकडों में कटा)

विधि

एक कड़ाही में तेल डालकर इसमें प्याज,अदरक और हरी मिर्च डालकर इसे हल्का गुलाबी होने तक भूनें। अब इसमें गाजर,मटर और गोभी डालें। अब इसमें गर्म मसाला डालकर मिक्स करके 1-2 मिनट के लिए भूनें और गैस बंद कर दें। ब्रेड को पानी में भिगोकर निचोड लें और इसे पकी हुई सब्जियों में डाल लें और अच्छे से मिलाएं। अब इसमें आलू,ब्रेड क्रम्स,नींबू का रस और नमक डाल कर मिलाएं। इस मिश्रण को टिकी का आकार दें और एक प्लेट में ब्रेड क्रम्स डालकर कटलेट को इसमें लपेट कर एक अलग प्लेट में रख लें। एक नॉन स्टिक पैन में तेल डालकर इसमें कटलेट को फ्राई करें। गोल्डन ब्राउन होने तक इसे तले। इन सबको प्लेट में निकाल कर ऊपर से पनीर के साथ गार्निश करके सॉस के साथ सर्व करें।

पास्ता बटर मसाला

सामग्री

1 कप पास्ता, 1 बड़ा चम्मच लहसुन(पिसा हुआ), आधा चम्मच अदरक(पिसा हुआ),1 टमाटर(कटा हुआ),2 प्याज(कटे हुए),1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाऊडर,1 छोटा चम्मच जीरा पाऊडर, आधा छोटा चम्मच कसूरी मेथी,2 कप दूध, 2 बड़ा चम्मच तेल,1 छोटा चम्मच हरा धनिया(कटा हुआ), स्वादानुसार नमक

विधि

सबसे पहले एक पैन में थोडा सा नमक मिलाकर इसमें 2-3 बूंद तेल,पास्ता और पानी मिलाकर उबालें। जब पास्ता पक जाए तो इसे पानी से निकाल कर रख दें। अब एक पैन में तेल डालकर इसमें प्याज, टमाटर, अदरक और लहसुन डालकर भूनें और थोडा ठंडा होने पर मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें। इसके बाद कड़ाही में तेल गर्म करके इलमें पीसा हुआ पेस्ट और नमक डालकर तेल छोड़ने तक भूनें और इसमें लाल मिर्च,गरम मसाला और जीरा डालकर गाढ़ा हाने तक पकाएं। इसके बाद इसमें दूध डाल दें। जब दूध और मसाले अच्छी तरह उबलकर सॉस बन जाए तो इसमें कसूरी मेथी और उबला हुआ पास्ता डालकर मिलाएं। गैस बंद करके गर्मागर्म पास्ते पर हरा धनिया डालकर सर्व करें।

प्राणघातक हो सकती है कैल्शियम की कमी

कई रोगों पर भी पड़ता है असर...

यदि व्यक्ति के भोजन में लगातार कैल्शियम या विटामिन 'डी' की कमी चलती रहे तो उसकी हड्डियां कमजोर हो जाएंगी। नए शोधों के अनुसार कैल्शियम की कमी का कई रोगों पर भी प्रभाव पड़ता है।

शरीर होता है कमजोर

हमारे भोजन से हड्डियों को कैल्शियम मिलने और हड्डियों से शरीर को कैल्शियम मिलने की प्रक्रिया के लिए विटामिन 'डी' की उपस्थिति अनिवार्य है। विशेषज्ञों के अनुसार हर वयस्क को न्यूनतम 1000 मिलीग्राम कैल्शियम की दैनिक आपूर्ति होनी आवश्यक है। यदि भोजन से इतना कैल्शियम नहीं मिल पाता तो हमारे शरीर को पैराथायराइड हार्मोन विटामिन 'डी' के सहयोग से हड्डियों से रक्त का कैल्शियम स्थानांतरित कर देता है। जिससे हमारे शरीर में कमजोरी की शिकायत आने लगती है।

अपने आहार को करें संयोजित...

हम अपने आहार को इस प्रकार संयोजित करें कि हमें लगभग 1200 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन मिलता रहे। 240 मिली गाय के दूध में 288 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 200 ग्राम दही में 268 मिग्रा कैल्शियम होता है। 100 ग्राम सूखे नारियल में 400 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 100 ग्राम खजूर में 120 मिग्रा कैल्शियम होता है। गुड़, पनीर, सोयाबीन, फूलगोभी व मछलियों में भी कैल्शियम पाया जाता है।

पेट के कैंसर से करता है बचाव...

हमारे शरीर में बहुत से सेल बनते रहते हैं और समाप्त होते रहते हैं। पेट के अंदर ऐसे सेल प्राय: 3 से 10 दिन में बदल जाते हैं पर कभी-कभी ये सेल तीव्र गति से बढ़ने लगते हैं, जिससे पेट के कैंसर की संभावना हो सकती है। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित एक लेख के अनुसार जिन लोगों में पेट के कैंसर की संभावना थी, उन्हें 1500 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन दिए जाने पर सेलों में बढ़ोत्तरी ठीक हो गई।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

पीएम आवास तक तकरार

पेपरलीक आंदोलन, तकरार और विरोध-प्रदर्शन प्रधानमंत्री आवास की दहलीज तक पहुंच गया। यकीनन यह चौंकाने वाला यथार्थ है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा के साथ ऐसा खिलवाड़ स्वीकार नहीं है। यह दंडनीय अपराध है। राजधानी दिल्ली में आंदोलन के स्थान चिह्नित हैं। पेपरलीक और युवाओं के भविष्य पर कोई तकरार है, तो उसके लिए संसद का मंच है। कमोबेश संसद में विपक्ष हंगामा करने, नारेबाजी, हुल्लड़बाजी से बाज आएगा, तो सदन में इस मुद्दे पर भी चर्चा हो सकती है। यह आश्वासन प्रधानमंत्री मोदी तक ने दिया है और एनडीए सांसदों को संबोधित करते हुए भी आश्वस्त किया है कि पेपरलीक के 'माफिया' को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है। आरोपित जेल में भी हैं। संसद सत्र जारी है, लेकिन कार्यवाही बंजर है, क्योंकि विपक्ष को हंगामा करना ही विशेषाधिकार लगता है। बहरहाल संसद के दोनों सदनों में नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे-ने स्थापित कानून को तोड़ा है। खड़गे का सरकारी आवास 10, राजाजी मार्ग है, जो प्रधानमंत्री आवास से मात्र 300 मीटर की दूरी पर है। 21 जुलाई को खड़गे का 84वां जन्मदिन था, लिहाजा नेता प्रतिपक्ष, लोकसभा के अलावा, कांग्रेस के मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, सांसद और अन्य महत्वपूर्ण चेहरे खड़गे के आवास पर जुटे थे। संभवतः वहीं रणनीति तय हुई और कांग्रेसी पैदल चल कर ही प्रधानमंत्री आवास की दहलीज तक पहुंच गए। दलील दी गई कि प्रधानमंत्री संसद में नहीं आ रहे हैं, लिहाजा हम उनसे मिलने आए हैं। यह कुतर्क के अलावा कुछ भी नहीं। यह धरना सुरक्षा-व्यवस्था का घोर उल्लंघन था। चूंकि अधिकतर सांसद थे, लिहाजा वे संसद भवन में ही निश्चित स्थान पर धरना और नारेबाजी कर सकते थे। प्रधानमंत्री आवास की वह दहलीज 'उच्चतम सुरक्षा' क्षेत्र है, लिहाजा 'अति संवेदनशील' भी है। वहां से प्रधानमंत्री का काफिला ही आ-जा सकता है। वीवीआईपी मेहमान भी उसी रास्ते से प्रधानमंत्री से मुलाकात करने आते हैं। सवाल है कि क्या पुलिस और खुफिया एजेंसियों को इस धरने की भनक तक नहीं लगी? प्रधानमंत्री को पल-पल की खबर दी जाती है, फिर इतनी चूक कैसे हो गई? बहरहाल आजादी के बाद सिर्फ दो बार प्रधानमंत्री आवास पर प्रदर्शनबाजी की गई है, लेकिन दोनों बार 'नेता प्रतिपक्ष' शामिल नहीं थे। 1999 में आईसी-814 विमान अपहरण के वक्त पीड़ित, चिंतित जनता प्रधानमंत्री आवास तक पहुंची थी, क्योंकि विमान में कई यात्री सवार थे और अपहरण आतंकियों ने किया था। तब देश के प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी थे। दूसरी बार, 2012 में अन्ना हजारे आंदोलन के समय युवाओं की भीड़ ने प्रधानमंत्री आवास पर प्रदर्शन किया था। डॉ. मनमोहन सिंह तब देश के प्रधानमंत्री थे। दरअसल किसी भी विवाद, मुद्दे, समस्या, आपदा, कांड का न्यायिक निपटारा प्रधानमंत्री आवास पर धरना देकर हासिल नहीं किया जा सकता। मौजूदा कांग्रेसी धरना राजनीतिक अराजकता, मेरी मर्जी वाला अहंकार और पेपरलीक पर विभाजित राजनीति का स्पष्ट उदाहरण है। प्रधानमंत्री दफ्तर में राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह और केंद्रीय गृह सचिव गोविन्द मोहन दो बार धरनास्थल तक आए और राहुल गांधी से संवाद किया, उन्हें प्रधानमंत्री आवास की दहलीज की संवेदनशीलता समझाई, लेकिन नेता प्रतिपक्ष नहीं माने। अपनी बात से मुकरते रहे और कई बार जवाब दिया-'मेरी मर्जी..।' देश किसी व्यक्ति की मनमर्जियों से नहीं चला करता। अंततः पुलिस के जवानों ने हल्का बलप्रयोग करते हुए राहुल गांधी और अखिलेश यादव को टांगते हुए उठाया, हिरासत में लिया और बस में ठेल कर छत्रसाल स्टेडियम ले गए। देर रात उन्हें रिहा कर दिया गया। प्रियंका गांधी को भी जबरन उठा कर बस में बिठाया गया। मंदिर मार्ग थाने में उनसे मिलने मां सोनिया गांधी गईं। उन्हें भी रिहा कर दिया गया। दरअसल कांग्रेस सोच रही है कि पेपरलीक पर मोदी सरकार बैकफुट पर है। यह व्यापक वोट बैंक का भी मुद्दा है, लिहाजा राहुल गांधी 'गूंज' नाम से एक अभियान छात्रों के लिए चला रहे हैं। इसी दौरान जून में 'कॉकरोच जनता पार्टी' प्रकट हो गई, तो उसके युवा नेतृत्व ने भी पेपरलीक को बुनियादी मुद्दा बनाया। विपक्ष दोनों ओर बंटा हुआ है।

पेपरलीक और युवाओं के भविष्य पर कोई तकरार है, तो उसके लिए संसद का मंच है। कमोबेश संसद में विपक्ष हंगामा करने, नारेबाजी, हुल्लड़बाजी से बाज आएगा, तो सदन में इस मुद्दे पर भी चर्चा हो सकती है। यह आश्वासन प्रधानमंत्री मोदी तक ने दिया है और एनडीए सांसदों को संबोधित करते हुए भी आश्वस्त किया है कि पेपरलीक के 'माफिया' को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है। आरोपित जेल में भी हैं। संसद सत्र जारी है, लेकिन कार्यवाही बंजर है, क्योंकि विपक्ष को हंगामा करना ही विशेषाधिकार लगता है। बहरहाल संसद के दोनों सदनों में नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे-ने स्थापित कानून को तोड़ा है। खड़गे का सरकारी आवास 10, राजाजी मार्ग है, जो प्रधानमंत्री आवास से मात्र 300 मीटर की दूरी पर है। 21 जुलाई को खड़गे का 84वां जन्मदिन था, लिहाजा नेता प्रतिपक्ष, लोकसभा के अलावा, कांग्रेस के मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, सांसद और अन्य महत्वपूर्ण चेहरे खड़गे के आवास पर जुटे थे।

रेडियो प्रसारण तकनीक के विकास के साथ ही 1922 में बीबीसी का गठन हो चुका था

सौंवे सोपान की ओर भारतीय प्रसारण

उमेश चतुर्वेदी

आज का दिन भारतीय प्रसारण के इतिहास में विशेष महत्व है। ठीक 99 साल पहले 23 जुलाई 1927 को मुंबई में भारत में पहले व्यवस्थित और संस्थानिक प्रसारण की शुरूआत हुई थी। इस लिहाज से भारतीय प्रसारण आज से अपनी शतकीय सोपान की ओर बढ़ रहा है। इस शतकीय यात्रा में रेडियो की तकनीक में बहुत बदलाव हुआ है। पारंपरिक मीडियम वेब से लेकर शॉर्ट वेब होते हुए रेडियो अब एफएम यानी फ्रीक्वेंसी मॉड्यूल के साथ ही डिजिटल दौर में प्रवेश कर गया है। मीडिया के चरित्र में भी सौ साल में बहुत बदलाव हो गया है, लेकिन रेडियो आज भी संवाद और मनोरंजन के सहज संचार माध्यम के रूप में जिंदा है। आसानी से हर जगह उपलब्धता और विशेष तकनीक की वजह से आपदा के क्षणों में संचार के दूसरे माध्यमों की तुलना में रेडियो अब भी सबसे ज्यादा प्रभावी माध्यम बना हुआ है। समुद्री तूफानों, सुनामी, कश्मीर घाटी की बाढ़ आदि मौकों पर संवाद के लिए रेडियो ने अपनी ताकत और उपादेयता को बार-बार साबित किया है। देश से माओवादी और नक्सली आतंक का खात्मा हो चुका है, लेकिन एक दौर में विशेषकर बस्तर के नक्सली इलाकों में नक्सलियों से संवाद के लिए रेडियो का ही इस्तेमाल किया जाता था। भारतीय वायु सेना भर्ती इसे संयोग ही कहेंगे कि जब रेडियो प्रसारण तकनीक का आविष्कार हुआ, उन दिनों देश गुलामी की जंजीरों से बंधा था। लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि भारत में भी प्रसारण की प्रेरणा ब्रिटेन से मिली। रेडियो प्रसारण तकनीक के विकास के साथ ही 1922 में बीबीसी का गठन हो चुका था। हालांकि ब्रिटेन में इसके पहले ही निजी और शौकिया प्रसारण की शुरूआत हो चुकी थी। इसका असर भारत पर भी पड़ा। भारत में भी 1920 से 1926 के बीच तत्कालीन बंबई और कलकत्ता में रेडियो क्लबों की शुरूआत हुई। उन क्लबों ने अपने तरीके से प्रसारण के किंचित सफल और ज्यादातर असफल प्रयास भी किये। उन दिनों भारत के गवर्नर जनरल लॉर्ड इर्विन थे। अखबारों की तुलना में रेडियो प्रसारण की अहमियत और प्रभाव को इर्विन समझते थे। शायद यही वजह रही कि भारत में 1926 में गठित इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी का गठन हुआ। कुछ रिकॉर्ड के मुताबिक बांबे प्रेसिडेंसी रेडियो क्लब ने जून 1923 में पहला रेडियो प्रसारण किया। इसके करीब पांच महीने बाद नवंबर 1923 में कलकत्ता रेडियो क्लब की स्थापना हुई। ऐसे ही प्रयास तत्कालीन मद्रास में भी हुए। लेकिन पहला व्यवस्थित और संस्थानिक रेडियो प्रसारण इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी ने 23 जुलाई 1927 को मुंबई से किया था। इसी वजह से भारत हर साल 23 जुलाई को प्रसारण दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके महीनेभर बाद 26 अगस्त 1927 को कलकत्ता से बांग्ला में प्रसारण शुरू हुआ। इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी छह लाख की पूंजी से शुरू की गई थी। कंपनी ने रेडियो प्रसारण के लिए अंग्रेज सरकार से 13 सितंबर 1926 को करार हुआ, जिसके तहत उसने प्रसारण शुरू किया। कंपनी को पूंजी में से साढ़े

चार लाख दोनों रेडियो केंद्रों की स्थापना में ही खर्च हो गए। तब आमदनी का स्रोत रेडियो लाइसेंस फीस थी, जो प्रति रेडियो दस रूपए थी। बहुत कोशिशों के बावजूद सिर्फ आठ हजार ही लाइसेंस दिए जा सके। तब प्रसारण डेढ़-डेढ़ किलोवाट के ट्रांसमीटरों से बमुश्किल तीस मील के ही दायरे में हो पा रहा था, लिहाजा रेडियो का प्रसार नहीं बढ़ा। कंपनी को रेडियो प्रसारण के लिए बड़ी रकम खर्च करनी पड़ रही थी। लिहाजा यह कंपनी 1930 में ही बंद हो गई। भारत में आधुनिक प्रसारण की ठोस बुनियाद रखने का श्रेय भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड लिनलिथगो और ब्रिटिश ब्राडकास्टिंग कंपनी के पूर्व प्रसारक लायनेड फील्डेन को जाता है। लिनलिथगो की पहल पर उद्योग और श्रम विभाग के अधीन अप्रैल 1930 में इंडियन स्टेट ब्राडकास्टिंग सर्विस की शुरूआत हुई। इसे रेडियो प्रसारण को नया रूप देना था। इसके बाद अगस्त 1935 में लायनेड फील्डेन को इस सर्विस का कंट्रोलर नियुक्त किया गया। फील्डेन को यह नाम पसंद नहीं आ रहा था। फील्डेन ने अपनी पुस्तक 'नेचुरल बेंट' में लिखा है कि उन्होंने लिनलिथगो को सुझाया कि ब्रॉडकास्टिंग शब्द कठिन है, जो आसानी से भारतीयों की जुबान पर नहीं चढ़ पाएगा। फिर यह नाम भारत सरकार अधिनियम के अनुकूल नहीं है। लिहाजा उन्होंने इसे 'ऑल इंडिया रेडियो' करने का सुझाव दिया। जिसे लिनलिथगो ने स्वीकार कर लिया। इसी के बाद आठ जून 1936 को ऑल इंडिया रेडियो के नाम से दिल्ली के अलीपुर के छह कमरों के एक घर से रेडियो प्रसारण शुरू हुआ। कुछ महीने बाद यह दफ्तर दिल्ली के संसद मार्ग स्थित नए बने प्रसारण भवन में आया और तब से लेकर अब तक दिल्ली केंद्र का प्रसारण वहीं से हो रहा है। तीन मई 2023 से ऑल इंडिया रेडियो आकाशवाणी के नाम से जाना जा रहा है। वैसे ऑल इंडिया रेडियो को आकाशवाणी नाम गांधी जयंती के दिन 1957 में दिया गया, जिसे अगले दिन से लागू किया गया। आकाशवाणी का जिक्र हमारे पौराणिक ग्रंथों में आकाश से आने वाली आवाज या देववाणी के रूप में मिलता है। वैसे आकाशवाणी के नाम से मैसूर के विद्वान एमवी गोपालस्वामी ने 10 सितंबर 1935 से रेडियो प्रसारण शुरू किया था। यह प्रसारण केंद्र मैसूर राजमहल से कुछ सौ मीटर दूर स्थित है। आकाशवाणी का जिक्र 1938 में कलकत्ता में शॉर्ट वेब के प्रसारण की शुरूआत के वक्त भी हुआ। तब प्रसारण के लिए ऑल इंडिया रेडियो ने गुरूदेव रवींद्र नाथ टैगोर से एक कविता मांगी थी। टैगोर ने बांग्ला की जो कविता दी, उसमें रेडियो के लिए आकाशवाणी शब्द का प्रयोग हुआ है। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस समय देश में रेडियो का विस्तार हो रहा था, उन्हीं दिनों स्वाधीनता आंदोलन चरम पर था। उसी दौरान 1942 में डॉक्टर राममनोहर लोहिया और ऊषा मेहता की अगुआई में मुंबई से कांग्रेस रेडियो और रंगून से सुभाष चंद्र बोस ने आजाद रेडियो का प्रसारण शुरू किया। बोस जहां अपने रेडियो के जरिए भारतीय जनता से संवाद कर रहे थे, वहीं कांग्रेस रेडियो भूमिगत ढंग से चलाया जा रहा था। जिसके जरिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्वतंत्रता आंदोलनकारियों को सूचनाएं दी जा रही थीं। उन्हीं दिनों अंग्रेज सरकार ने देश में नौ रेडियो प्रसारण केंद्र स्थापित किए। ये केंद्र दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, लखनऊ, त्रिचिरापल्ली, चेन्नई, ढाका, पेशावर और लाहौर में थे। बंटवारे के बाद भारत के हिस्से छह रेडियो स्टेशन आए, जबकि पाकिस्तान को ढाका, पेशावर और लाहौर स्टेशन मिले। आजादी के बाद देश के पहले सूचना और प्रसारण मंत्रालय की जिम्मेदारी सरदार पटेल को मिली। उन्हें रेडियो की महत्ता का भान था। इसीलिए उन्होंने रेडियो के तेज विकास की नींव रखी। आजादी के बाद पहला रेडियो स्टेशन 16 जुलाई 1948 को शुरू हुआ। जिसका उद्घाटन पटेल ने किया था। स्वाधीन भारत में रेडियो का चरित्र और लक्ष्य क्या होगा, इसका संकेत सरदार पटेल के उस उद्घाटन भाषण में दिखता है। सार्वजनिक प्रसारक के रूप में रेडियो के लक्ष्य को एक तरह से मद्रास प्रांत के तत्कालीन प्रीमियर सी राजगोपालाचारी ने 1938 में ही रख दिया था। 16 जून 1938 को मद्रास रेडियो स्टेशन का उद्घाटन करते हुए राजगोपालाचारी ने रेडियो को लोक जागरण का महत्वपूर्ण माध्यम बताया था। इसके साथ ही उन्होंने संचार के तेज माध्यम के रूप में रेडियो का शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि संबंधी जानकारी देने के लिए करने पर जोर दिया था। यहां यह बताना जरूरी नहीं है कि सार्वजनिक प्रसारक के रूप में रेडियो आज भी यह भूमिका बखूबी निभा रहा है। भारतीय इतिहास में रेडियो कई ऐतिहासिक घटनाओं का गवाह रहा है। तीन जून 1947 को भारत विभाजन की योजना की देश को जानकारी रेडियो के जरिए ही मिली। तब माउंट बेटन, नेहरू, जिन्ना और सरदार बलदेव सिंह ने रेडियो के ही माध्यम से अपने विचार रखे थे। 14-15 अगस्त 1947 की दरम्यानी रात को भारत की आजादी के बाद नेहरू के प्रसिद्ध भाषण 'ट्रिस्ट विथ डेस्टिनी' को देश ने रेडियो के जरिए सुना था। गांधी जी जिंदगी में सिर्फ एक बार 12 नवंबर 1948 को दिल्ली केंद्र आए थे। यहां से उन्होंने रेडियो के जरिए कुरूक्षेत्र स्थित शरणार्थियों को संबोधित किया था।

मुंबई में भारत में पहले व्यवस्थित और संस्थानिक प्रसारण की शुरूआत हुई थी। इस लिहाज से भारतीय प्रसारण आज से अपनी शतकीय सोपान की ओर बढ़ रहा है। इस शतकीय यात्रा में रेडियो की तकनीक में बहुत बदलाव हुआ है। पारंपरिक मीडियम वेब से लेकर शॉर्ट वेब होते हुए रेडियो अब एफएम यानी फ्रीक्वेंसी मॉड्यूल के साथ ही डिजिटल दौर में प्रवेश कर गया है। मीडिया के चरित्र में भी सौ साल में बहुत बदलाव हो गया है, लेकिन रेडियो आज भी संवाद और मनोरंजन के सहज संचार माध्यम के रूप में जिंदा है। आसानी से हर जगह उपलब्धता और विशेष तकनीक की वजह से आपदा के क्षणों में संचार के दूसरे माध्यमों की तुलना में रेडियो अब भी सबसे ज्यादा प्रभावी माध्यम बना हुआ है। समुद्री तूफानों, सुनामी, कश्मीर घाटी की बाढ़ आदि मौकों पर संवाद के लिए रेडियो ने अपनी ताकत और उपादेयता को बार-बार साबित किया है।

देश दुनिया से

स्व-देखभालः स्वस्थ व्यक्ति से विश्वकल्याण की भारतीय दृष्टि

मानव सभ्यता के विकास के इस दौर में जितनी तीव्र गति से विज्ञान, तकनीक और भौतिक संसाधनों का विस्तार हुआ है, उतनी ही तेजी से मनुष्य तनाव, अवसाद, असंतुलित जीवनशैली और अनेक नई बीमारियों के जाल में भी उलझता गया है। विडम्बना यह है कि आज मनुष्य के पास संसार की लगभग हर वस्तु के लिए समय है, लेकिन स्वयं के लिए समय नहीं है। वह परिवार, समाज, व्यवसाय और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन तो कर रहा है, परंतु अपने शरीर, मन और आत्मा के प्रति उत्तरदायित्व को लगातार उपेक्षित करता जा रहा है। ऐसे समय में प्रतिवर्ष 24 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय स्व-देखभाल दिवस केवल स्वास्थ्य जागरूकता का अभियान नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित, सार्थक और मानवीय बनाने का वैश्विक संदेश है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ समाज, समृद्ध राष्ट्र और शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति स्वयं की देखभाल को अपना प्रथम कर्तव्य माने। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2011 में इंटरनेशनल सेल्फ-केयर फाउंडेशन ने की। स्व-देखभाल केवल किसी विशेष दिन या अवसर का विषय नहीं, बल्कि चौबीस घंटे और सप्ताह के सातों दिन अपनाई जाने वाली जीवनशैली है।

स्व-देखभाल का अर्थ केवल बीमारी से बचना या समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है- अपने शरीर, मन, भावनाओं, विचारों और आत्मा की समग्र सुरक्षा एवं संवर्धन करना। आज विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इस तथ्य को स्वीकार करता है कि यदि व्यक्ति अपनी जीवनशैली को संतुलित बनाए, पौष्टिक भोजन ग्रहण करे, नियमित व्यायाम करे, मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखे और रोगों की रोकथाम को प्राथमिकता दे, तो स्वास्थ्य प्रणालियों पर अनावश्यक दबाव कम होगा और समाज अधिक स्वस्थ बनेगा। किंतु केवल चिकित्सकीय उपाय पर्याप्त नहीं हैं। मनुष्य का स्वास्थ्य तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसके भीतर मानसिक संतुलन, नैतिक चेतना और आध्यात्मिक

शांति का विकास न हो। वर्तमान समय की सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि मनुष्य बाहर से जितना आधुनिक हुआ है, भीतर से उतना ही अशांत होता गया है। प्रतिस्पर्धा, उपभोगवाद और अनियंत्रित महत्वाकांक्षाओं ने जीवन की सहजता को छीन लिया है। तनाव अब केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि परिवारों, विद्यालयों और बच्चों तक पहुँच गया है। यही कारण है कि आज मानसिक रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग और अवसाद जैसी समस्याएँ वैश्विक चिंता का विषय बन चुकी हैं। ऐसे समय में स्व-देखभाल केवल व्यक्तिगत आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व भी है। भारत की दृष्टि से देखें तो स्व-देखभाल का विचार कोई नया नहीं है। यह हमारी सनातन सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न अंग रहा है। भारत ने हजारों वर्ष पहले ही यह उद्घोष किया था- 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' अर्थात्शरीर ही सभी श्रेष्ठ कार्यों का प्रथम साधन है। भारतीय चिंतन ने स्वास्थ्य को केवल शरीर की निरोगता तक सीमित नहीं रखा, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा के संतुलन को भी स्वास्थ्य का अनिवार्य आधार माना। आयुर्वेद, योग, ध्यान, प्राणायाम, उपवास, संयम, अहिंसा और सात्त्विक जीवनशैली इसी समग्र दृष्टि के अंग हैं। यही कारण है कि भारत में स्वास्थ्य और अध्यात्म कभी अलग-अलग विषय नहीं रहे, बल्कि एक-दूसरे के पूरक रहे हैं। आज जब संपूर्ण विश्व योग को अपनाकर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब यह स्मरण करना आवश्यक है कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। योग शरीर को स्वस्थ करता है, प्राणायाम मन को संतुलित करता है, ध्यान चेतना को निर्मल बनाता है और अध्यात्म जीवन को दिशा देता है। इसी प्रकार जैन दर्शन का संयम, अहिंसा, प्रेक्षाध्यान और आत्मनिरीक्षण, बौद्ध दर्शन का विपश्यना मार्ग तथा गीता का समत्व योग मनुष्य को भीतर से स्वस्थ बनाते हैं। भारत की यही आध्यात्मिक परंपरा आज विश्व के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। यदि हम वास्तव में स्व-देखभाल को जीवन का हिस्सा बनाना चाहते हैं तो हमें इसे केवल स्वास्थ्य संबंधी गतिविधि न मानकर जीवन-दर्शन के रूप में स्वीकार करना होगा। प्रातःकाल का भ्रमण, नियमित योगाभ्यास, ध्यान, स्वाध्याय, आध्यात्मिक प्रवचनों का श्रवण, संतुलित एवं सात्त्विक भोजन, पर्याप्त नींद, डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से बचाव, प्रकृति के साथ समय बिताना, स्व-संवाद, आत्म-साक्षात्कार तथा प्रतिदिन आत्मचिंतन-ये सभी स्व-देखभाल के ऐसे सूत्र हैं जो व्यक्ति को भीतर और बाहर दोनों स्तरों पर स्वस्थ बनाते हैं। यह जीवनशैली न केवल रोगों से बचाती है, बल्कि मनुष्य को सकारात्मक, करुणामय और संतुलित भी बनाती है। आज विकसित भारत का जो स्वप्न देश देख रहा है, उसकी आधारशिला केवल आर्थिक प्रगति नहीं हो सकती। यदि राष्ट्र को वास्तव में विकसित बनाना है तो उसके नागरिकों का स्वस्थ, अनुशासित, संस्कारित और जागरूक होना अनिवार्य है। बीमार और तनावग्रस्त समाज कभी समृद्ध राष्ट्र का निर्माण नहीं कर सकता। स्वस्थ नागरिक ही उत्पादक होंगे, रचनात्मक होंगे और राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे।

कुछ अलग

सपने बांटने वालों की जमात

यह कैसा कुत्तेगिरी का माहौल है भैय्या कि बहुत से धनी मानी लोगों को लगने लगा है कि वह अचानक गरीब हो गए हैं, और उनकी गरीबी का कोई अंत नहीं। दड़े-सट्टे की पर्चियां निकालने वाले क्रिप्टो करंसी के अलम्बरदार हो गए। अपना देश, डिजिटल हो रहा है न। लुडो और सांप और सीढ़ी के खेल, खेलों के जुआ संस्करण बन गए। हथेली पर सरसों जमाने वाले लोग उन्हें खेल रहे हैं। उसके सब्जबाग में सपनाजीवी लोगों को भटका लाखों के वारे-न्यारे कर रहे हैं, सुनो जी, इस बदलती दुनिया में साधु का वेष धारण किए लोग ऐसे-ऐसे चोरी ठगी के नए चोर दरवाजे निकालते हैं, कि हर पुराना तरीका पुरातनपंथी और नए की वार्निश ढूंढने लगता है। रंक से राजा, और राजा से रंक होने का पांसा पल्टू खेल यहां दिन-रात चलता है। आज जिसका पत्ता ऊपर था, कल वह फाडी हो गया और फाडी झंडाबरदारी कर रहे हैं। जी हां, जो कभी नैतिकता के अलम्बरदार थे, आज नैतिकता का ढोल कहां पीटें। ढोल पीटने वालों का तो कोहराम हो गया। और एक पाले से दूसरे पाले में कूदते लोग, आया राम गया राम को उपालम्भ नहीं ताकत मानने लगे। जमाना कयामत की चाल चल गया भैय्या। जो अपनी बात, अपने स्टैंड पर दृढ़ रहने की बात कहे, उसे कहते हैं, 'भैय्या इसे तो दीमक लग गया।' इसने अपने पैर पर कुल्हाड़ी नहीं, खुद कुल्हाड़ी पर अपना पैर मार दिया। रंग बदल पल्टूराम हो जा। यही नए जमाने में जीने की सामझदारी है। प्रतिबद्धता और समर्पण रतौंधी है। उसे छोड़ विपक्ष में कूद उनकी गलबहियां ले। सवाल तो कुर्सी को सुशोभित करने का है।

आप का नज़रिया

पहचान बदलता हिमाचल

पहचान बदलता हिमाचल अपनी भौगोलिक स्थिति, प्राकृतिक संसाधनों, विकास मॉडल, आर्थिक संभावनाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सहारे क्षमतावान हो रहा है, तो नए अवसरों की पैरवी निवेश के बाजार ढूंढ रही है। जाहिर है इसी उद्देश्य से चंडीगढ़ की बैठक में एक रूपरेखा बनी है। द इंडस इंटरप्रेन्योर्स (टी आई आई) की लीडरशिप कन्क्लेव में मुख्यमंत्री ने निवेशक बिरादरी से आह्वान किया है तो आशा यह है कि निवेश प्रोत्साहन की दृष्टि से आने वाली औद्योगिक नीति कारगर सिद्ध होगी। इधर प्रदेश के भीतर वन डिस्ट्रिक्ट थ्री प्रोडक्ट्स पहचानते हुए सरकार का आरंभिक खाका 36 उत्पादों की फेहरिस्त में काम कर रहा है। कृषि, बागबानी, ग्रामीण, कला, हस्तशिल्प और परंपरावादी उत्पादों में हर जिला कम से कम तीन उत्पादों की श्रेष्ठता में आगे आ रहा है। इसके साथ कृषि-बागबानी विश्वविद्यालय व संबंधित विभागों के लक्ष्य भी सामने आ रहे हैं, तो हिमाचल के पर्यटन क्षेत्र के जरिए एक मार्किट विकसित हो रही है। हालांकि यह सूची पूर्ण नहीं है और कई और उत्पाद इसमें जुड़ सकते हैं। जाहिर है अब तक कृषि उपज विपणन बोर्ड, हथकरघा निगम-हिम बुनकर के आउटलेट, हिम ईरा, माय पहाड़ी दुकान व शी हॉट जैसे केंद्रों से दुनिया हिमाचली उत्पादों की खरीददारी कर रही है। जरूरत है एक ब्रांड और एक छत के नीचे सारी शॉपिंग हो। प्रदेश के मंदिरों का प्रसाद भी अपनी उत्पादन की खरीद क्षमता का उज्ज्वल उदाहरण है। मंदिर उत्पादों की संभावना देखी जाए, तो धार्मिक स्थलों की आर्थिकी इन्हीं पर निर्भर है। कांगड़ा-चंबा का धूप, ज्वालाजी के पेड़े, दियोटसिद्ध के रोट और पूजा पद्धति से जुड़े बाजारों की क्षमता समझी जाए, तो धार्मिक स्थल औद्योगिक व सांस्कृतिक उत्पादन के रूप में विकसित हो सकते हैं। मसलन अगर दियोटसिद्ध के रोट को सभी मंदिरों का आधिकारिक प्रसाद बना दें, तो रोजाना कई ट्रक आपूर्ति करनी पड़ेगी। इसी तरह धूप, झंडे, फूल, पेड़े, पीतल का सामान तथा अन्य चढ़ावे की वस्तुओं के केंद्रीय उत्पादन व विपणन की पहल हो तो मंदिरों की आय बढ़ जाएगी। प्रदेश के कम से कम एक दर्जन बड़े मंदिरों के आसपास के दस-बारह किलोमीटर क्षेत्र के दायरे में परिक्रमा तथा धार्मिक शहर विकसित करने का मास्टर प्लान बनाएं, तो निवेश बढ़ेगा-आर्थिकी फले फूलेगी। हिमाचल में निवेश से पहले टी सी पी के तहत विकास योजनाएं बनानी होंगी। उदाहरण के लिए फोरलेन के नक्शे पर कुछ निवेश स्थल विकसित करके हम इसे पर्यटन वृद्धि दर के हिसाब से टूरिज्म कोरिडोर रेखांकित कर सकते हैं। मनोरंजन की दृष्टि से पूरे राज्य में मनोरंजन-वाटर पार्क, साइंस सिटी, हॉट बाजार, हाई वे पर्यटन सुविधाएं और पर्यटक गांव विकसित कर सकते हैं। हिमाचल में रज्जु मार्ग, फर्निकुलर प्रोजेक्ट, मॉल, अस्पताल तथा आधुनिक बाजार एवं बस स्टैंड विकसित करने को निवेश प्रोत्साहित करना होगा। अभी हाल ही में नगर निगम चुनाव के विजन डाक्यूमेंट में कई संकल्प सामने आए जहां शहरी विकास को निजी निवेश की जरूरत है। मसलन धर्मशाला नगर निगम के तहत चरान से भागसू तक फर्निकुलर रोप वे जैसी महत्त्वाकांक्षी परियोजना में कोई निवेशक भागीदार हो सकता है। हिमाचल में फिलहाल कई छोटे-बड़े स्थानीय निवेशक या व्यापारी हैं। इन्हें आगे बढ़कर निवेश के नए अवसर दिए जाएं, तो हर शहर और हर गांव तक निवेश होगा।

आर्थिक संभावनाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सहारे क्षमतावान हो रहा है, तो नए अवसरों की पैरवी निवेश के बाजार ढूंढ रही है। जाहिर है इसी उद्देश्य से चंडीगढ़ की बैठक में एक रूपरेखा बनी है। द इंडस इंटरप्रेन्योर्स (टी आई आई) की लीडरशिप कन्क्लेव में मुख्यमंत्री ने निवेशक बिरादरी से आह्वान किया है तो आशा यह है कि निवेश प्रोत्साहन की दृष्टि से आने वाली औद्योगिक नीति कारगर सिद्ध होगी। इधर प्रदेश के भीतर वन डिस्ट्रिक्ट थ्री प्रोडक्ट्स पहचानते हुए सरकार का आरंभिक खाका 36 उत्पादों की फेहरिस्त में काम कर रहा है। कृषि, बागबानी, ग्रामीण, कला, हस्तशिल्प और परंपरावादी उत्पादों में हर जिला कम से कम तीन उत्पादों की श्रेष्ठता में आगे आ रहा है। इसके साथ कृषि-बागबानी विश्वविद्यालय व संबंधित विभागों के लक्ष्य भी सामने आ रहे हैं, तो हिमाचल के पर्यटन क्षेत्र के जरिए एक मार्किट विकसित हो रही है। हालांकि यह सूची पूर्ण नहीं है और कई और उत्पाद इसमें जुड़ सकते हैं। जाहिर है अब तक कृषि उपज विपणन बोर्ड, हथकरघा निगम-हिम बुनकर के आउटलेट, हिम ईरा, माय पहाड़ी दुकान व शी हॉट जैसे केंद्रों से दुनिया हिमाचली उत्पादों की खरीददारी कर रही है। जरूरत है एक ब्रांड और एक छत के नीचे सारी शॉपिंग हो। प्रदेश के मंदिरों का प्रसाद भी अपनी उत्पादन की खरीद क्षमता का उज्ज्वल उदाहरण है। मंदिर उत्पादों की संभावना देखी जाए, तो धार्मिक स्थलों की आर्थिकी इन्हीं पर निर्भर है। कांगड़ा-चंबा का धूप, ज्वालाजी के पेड़े, दियोटसिद्ध के रोट और पूजा पद्धति से जुड़े बाजारों की क्षमता समझी जाए, तो धार्मिक स्थल औद्योगिक व सांस्कृतिक उत्पादन के रूप में विकसित हो सकते हैं।

दृष्टि कोण

कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च से सुलगते सवाल और राजनीतिक निहितार्थ

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) का संसद चलो आह्वान केवल एक विरोध मार्च नहीं, बल्कि केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की एक राजनीतिक रणनीति है। खासकर जिस तरह से इस आंदोलन को छात्र आंदोलन का स्वरूप दिलवाया जा चुका है, वह डीप स्टेट के इशारे पर बनी विपक्ष की शातिर सरकार घेरो रणनीति का कमाल भी करार दिया जा रहा है। देखा जाए तो संसद के मानसून सत्र के दौरान गत 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद की ओर मार्च करने के दौरान बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जुटे और कूच किया, वह बिल्कुल संगठित राजनीतिक आंदोलन के तर्ज पर हुआ। मजे की बात तो यह कि संसद के निकट पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जो पूर्व प्रायोजित झड़प हुई और उसके बाद हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया, इससे यह संसद मार्च राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सुर्खियां बन गया। बड़े बड़े न्यूज़ चैनल्स और अखबारों के दफ्तरों में इससे जुड़े कई नीतिगत सवालों पर भी बहस होने लगी। सोशल मीडिया पर जहां सरकार विरोधी भड़काऊ वीडियो वायरल होने लगे, वहीं सत्ताधारी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी आंदोलनकारियों की कारगुजारियों के वीडियो साझा कर दिए, जिससे लोगों की सहानुभूति पुलिस और सरकार के साथ बनी रही। यदि संसद मार्च के घटनाक्रमों पर संतुलित नजर डालें तो यही प्रतीत होता है कि जब बड़ी संख्या में सीजेपी (CJP) समर्थक संसद चलो मार्च के लिए जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़े, तो भले ही उनकी मुख्य मांगें शिक्षा सुधार, परीक्षा-पत्र लीक और जवाबदेही था, लेकिन इरादे तोड़फोड़ वाले और खतरनाक थे, अन्यथा पुलिस को बल प्रयोग नहीं करना पड़ता। चूंकि संसद के मानसून सत्र के दौरान माननीयों की सुरक्षा के दृष्टिगत दिल्ली पुलिस ने व्यापक बैरिकेडिंग की थी, इसलिए ज्यादा दिक्कत नहीं हुई। पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों को रोका, हिरासत में लिया तथा कुछ स्थानों पर आंदोलनकारियों द्वारा उपद्रव करने के बाद आंसू गैस और बल प्रयोग की घटनाएं सामने आईं। इससे अफरातफरी मच गई। देखा जाए तो

इस आंदोलन की प्रमुख मांगों में नीट (NEET) पेपर लीक और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं पर कार्रवाई, बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार की जवाबदेही, कुछ नेताओं द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग, आंदोलन से जुड़े लोगों के साथ संवाद आदि हैं, लेकिन जो उत्पात दिखाई-सुनाई दिया, वह विपक्षी संस्कार नहीं तो क्या है? फिर भी, केंद्र सरकार ने आंदोलन के प्रतिनिधियों से बातचीत की पहल भी की, जो टकराव के बीच संवाद की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने सरकारी प्रतिनिधि के तौर पर CJP प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की और मांगपत्र ग्रहण किया। बावजूद इसके आंदोलनकारी अपनी मांगों पर कायम हैं। सवाल है कि संसद मार्च के क्रम में जो कुछ गड़बड़ हुआ, क्या वह लोकतांत्रिक है, सही था या गलत? तो जवाब होगा कि युवाओं का शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा की निष्पक्षता जैसे मुद्दों पर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज़ उठाना लोकतंत्र का वैध हिस्सा है। वहीं, सरकार द्वारा आंदोलनकारियों से बातचीत शुरू करना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अनुरूप कदम है। फिर भी संसद मार्च के दौरान आंदोलनकारियों की ओर से कुछ कुछ गलत हुआ जो अनुचित लगा। यदि प्रदर्शनकारियों ने निषिद्ध क्षेत्र में जबरन प्रवेश करने या बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की, तो वह कानून-व्यवस्था की दृष्टि से उचित नहीं माना जाएगा। वहीं, यदि पुलिस ने आवश्यकता से अधिक बल प्रयोग किया या शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर अनावश्यक कार्रवाई हुई, तो उसकी भी निष्पक्ष जांच और जवाबदेही तय होनी चाहिए।

चार महिला जूडो खिलाड़ियों ने कामनवेल्थ गेम्स में बनाई जगह, मजबूत प्रशिक्षण व्यवस्था का दिखा असर

नई दिल्ली

भारतीय जूडो को लंबे समय से जिस मजबूत खिलाड़ी विकास प्रणाली की जरूरत थी, उसका असर अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिखाई देने लगा है। बेहतर प्रशिक्षण, वैज्ञानिक तैयारी और निरंतर सहयोग के दम पर चार भारतीय महिला जूडो खिलाड़ियों ने ग्लास्गो कामनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम में स्थान हासिल किया है।

कामनवेल्थ गेम्स के लिए चुनी गई खिलाड़ियों में मध्य प्रदेश की यामिनी मौर्या, उत्तराखंड की उन्नति शर्मा, पंजाब की इशरूप नारंग और मणिपुर की तखेलंबम इनुंगनबी शामिल हैं। चारों खिलाड़ियों ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की की है।

इन खिलाड़ियों को एक्सिस बैंक और इंस्पायर इंस्टीट्यूट आफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) के संयुक्त खिलाड़ी विकास कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण और अन्य सुविधाएं मिलती रही हैं। इस पहल के माध्यम से अब तक 500 से अधिक खिलाड़ियों को सहायता दी जा चुकी है, जिनमें 471 जूनियर और 53 एलीट महिला जूडो खिलाड़ी शामिल हैं।

इस कार्यक्रम से जुड़े खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 140 से अधिक पदक जीते हैं। इसके अलावा खिलाड़ियों को जापान, जार्जिया और उज्बेकिस्तान जैसे देशों में आयोजित 11 अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों में हिस्सा लेने का अवसर मिला, जिससे उन्हें विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव प्राप्त हुआ।

एक्सिस बैंक के ग्रुप हेड विजय मुलबगल ने कहा कि खिलाड़ियों को सही माहौल और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराने से उनके प्रदर्शन में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है और कामनवेल्थ गेम्स के लिए चार खिलाड़ियों का चयन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

वहीं, आईआईएस की अध्यक्ष मनीषा मल्होत्रा ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य खिलाड़ियों को केवल प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल होने के लिए हर जरूरी संसाधन उपलब्ध कराना है। भारतीय जूडो में हाल के वर्षों में उभरती नई प्रतिभाओं, विशेषकर पूर्वोत्तर और अन्य राज्यों के खिलाड़ियों की बढ़ती मौजूदगी यह संकेत देती है कि देश में खेल का आधार लगातार मजबूत हो रहा है। अब नजर इस बात पर होगी कि ये खिलाड़ी कामनवेल्थ गेम्स में अपने प्रदर्शन से भारत के पदक अभियान को कितना आगे ले जा पाती हैं।

न्यूज ब्रीफ

चाइना ओपन 2026: अंतिम-16 में हारकर बाहर हुईं पी.वी. सिंधु

चांगझोउ। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु का चाइना ओपन 2026 में सफर अंतिम-16 दौर में ही समाप्त हो गया। गुरुवार को खेले गए मुकाबले में मेजबान चीन की चौथी वरीयता प्राप्त चेन यू फेई ने शानदार वापसी करते हुए सिंधु को 16-21, 22-20, 21-18 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सिंधु ने मुकाबले की शानदार शुरुआत करते हुए पहला गेम अपने नाम किया। हालांकि दूसरे गेम में उनके पास मैच खत्म करने के चार मौके थे, लेकिन वह उनका फायदा नहीं उठा सकीं और चेन ने लगातार पांच अंक जीतकर मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। पहले गेम में चेन ने 12-6 की बढ़त बना ली थी, लेकिन सिंधु ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 16-16 से बराबर किया और इसके बाद लगातार अंक जुटाकर 21-16 से गेम जीत लिया। दूसरे गेम में सिंधु पूरी तरह नियंत्रण में नजर आईं और 20-17 की बढ़त के साथ उनके पास चार मैच प्वाइंट थे। लेकिन इसी मोड़ पर चेन ने जबरदस्त वापसी करते हुए लगातार पांच अंक हासिल किए और 22-20 से गेम जीतकर मुकाबले को तीसरे गेम में पहुंचा दिया।

भारत की अनाहत विश्व जूनियर स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

ओंटारियो। भारत की युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह कनाडा में जारी विश्व जूनियर स्क्वैश के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। अनाहत ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की डायस ये सैन ली को सीधे गेम में आसानी से हरा दिया। इसी के साथ ही अनाहत लगातार दूसरे साल इस अहम टूर्नामेंट में पदक की दौड़ में बनी हुई है। अनाहत ने मुकाबले में 11-4, 11-8 और 11-3 से जीत हासिल की। इस खिलाड़ी ने पिछले साल इसी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था। अब अंतिम आठ के मुकाबले में अनाहत का सामना मिस्र की हबीबा रिजक से होगा। वहीं हबीबा ने ने एक अन्य प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अमेरिका की शार्लेट जे को हराया था। वहीं महिला वर्ग के अन्य मुकाबलों की बात करें तो बेल्जियम की सवाना मोक्सहैम ने शानदार वापसी करते हुए हांगकांग की एना क्वांग को 3-1 से जबकि । मिस्र की मलिका एलकाराक्सी ने अमेरिका की दिया यादव को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।, हांगकांग की हेलेन टैंग ने मलेशिया की हार्लीन टैन को हराया। दूसरी ओर पुरुष वर्ग में भी शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने अपनी जीत क सिलसिला जारी रखा। शीर्ष वरीयता प्राप्त मोहम्मद जकारिया ने पाकिस्तान के नौमान खान को आसानी से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। एक अन्य मुकाबले में फ्रांस के अमीर खालिद-जौसेलिन ने इंग्लैंड के रानी हिकलिंग को सीधे गेम में हराया। पुरुष वर्ग में हालांकि भारत के आर्यवीर दीवान को अमेरिका के यासीन शलाबी ने आसानी से 11-4, 11-1 और 11-5 हरा दिया।

कुलदीप अब काउंटी क्रिकेट टीम योर्कशायर से खेलेंगे

नई दिल्ली। भारतीय टीम से बाहर चल रहे स्पिनर कुलदीप यादव अब इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में

यार्कशायर टीम की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। कुलदीप के इंग्लैंड दौरे के एक भी मैच में जगह नहीं मिली थी। वहीं इसके बाद जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी शामिल नहीं किया गया था। इसी कारण उन्होंने काउंटी की ओर रुख किया है जिससे वहां अच्छा प्रदर्शन कर टीम में वापसी की दावेदारी करें। क्लब के साथ किये करार के तहत वह मौजूदा सत्र में आठ गेम ही खेलेंगे। इस करार के तहत ही कुलदीप अब यार्कशायर से जुड़ने वाले पांचवें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। वहीं यार्कशायर के अनुसार कुलदीप पांच मेट्रो बैंक वन डे कप मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके बाद वे सितंबर में होने वाले चार रोथेसे काउंटी चैम्पियनशिप फिक्स्चर में से तीन के लिए हेडिंग्ले लौटेंगे। वह शुक्रवार को ग्लैमर्गिन के खिलाफ नेथ में होने वाले 50 ओवर के मैच के लिए सीधे टीम में शामिल होंगे। वहीं यार्कशायर में शामिल होने से उत्साहित कुलदीप ने कहा, मैं यार्कशायर जैसे क्लब की ओर से खेलने का अवसर मिलने से उत्साहित हूं। उन्होंने आगे कहा, मैंने हमेशा यहां के हालातों में खेलने का आनंद लिया है, और प्रबंधन से बात करने के बाद, मैं टीम में शामिल होने को लेकर उत्साहित हूं।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की पहली जीत

जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराकर सात मैच बाद मिली जीत, वैभव सूर्यवंशी और अशोक शर्मा रहे आकर्षण

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी करना हर खिलाड़ी का सपना होता है और टी20 विश्व कप 2026 के बाद पहली बार टीम की कमान संभाल रहे श्रेयस अय्यर ने आखिरकार अपनी पहली जीत दर्ज कर ली। शुरुआती निराशाजनक दौर के बाद जिम्बाब्वे दौरे पर टीम इंडिया ने जीत का स्वाद चखा। इस जीत के बाद श्रेयस अय्यर ने सोशल मीडिया पर मैच की तस्वीरें साझा कर बिना कुछ कहे अपनी खुशी जाहिर कर दी।

वी इमोजी के साथ साझा की जीत की यादगार तस्वीरें

बतौर भारतीय कप्तान पहली जीत दर्ज करने के बाद श्रेयस अय्यर ने सोशल मीडिया पर मैच से जुड़ी चार तस्वीरें साझा कीं।

पहली तस्वीर में वह जिम्बाब्वे के कप्तान के साथ टॉस के दौरान नजर आ रहे हैं। दूसरी तस्वीर में मैदान पर खिलाड़ियों को निर्देश देते दिखाई दे रहे हैं। तीसरी तस्वीर में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी दिखाई दे रहे हैं, जबकि चौथी तस्वीर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले अशोक शर्मा नजर आ रहे हैं, जिन्होंने मात्र 19 गेंदों में 50 रन की विस्फोटक पारी खेली।

पोस्ट के कैप्शन में श्रेयस अय्यर ने केवल दो उंगलियों वाला 'वी' इमोजी लगाया, जिसे जीत का प्रतीक माना जाता है। उनके इस छोटे से संदेश ने पहली कप्तानी जीत की खुशी को बखूबी बयां कर दिया।

हरारे में भारत की शानदार जीत

हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए पहले मुकाबले में भारत ने जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराकर श्रृंखला का विजयी आगाज किया।

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने वाले श्रेयस अय्यर का निर्णय सही साबित हुआ। भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे की टीम को 125 रन पर समेट दिया। मयंक यादव और प्रिंस यादव ने दो-दो विकेट लेकर विपक्षी बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी।

126 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अभिषेक शर्मा मात्र 1 रन बनाकर 23 के कुल स्कोर पर आउट हो गए। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने केवल 19 गेंदों में अर्धशतक जड़कर मैच का रुख पूरी तरह भारत की ओर मोड़ दिया। अंत में ईशान किशन (35 रन) और कप्तान श्रेयस अय्यर (27 रन) ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए टीम को आसानी से जीत दिला दी।

श्रेयस अय्यर पर टीम प्रबंधन को बड़ी उम्मीदें

भारतीय टीम प्रबंधन को श्रेयस अय्यर की नेतृत्व क्षमता पर पूरा भरोसा है। वह ऐसे इकलौते कप्तान हैं जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में तीन अलग-अलग टीमों को फाइनल तक पहुंचाने का रिकॉर्ड बनाया है।

उन्होंने वर्ष 2020 में दिल्ली कैपिटल्स को पहली बार आईपीएल फाइनल में पहुंचाया। इसके बाद 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब दिलाया और 2025 में पंजाब किंग्स को भी फाइनल तक पहुंचाने में सफल रहे। अब भारतीय टीम की कप्तानी में पहली जीत के साथ उनसे भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन और सफल नेतृत्व की उम्मीदें और मजबूत हो गई हैं।

फीफा विश्व कप-2026 की ड्रीम इलेवन घोषित, मेसी, एम्बाप्पे और हालैंड को मिली जगह

ज्यूरिख

फीफा विश्व कप 2026 की प्रशंसकों द्वारा चुनी गई ड्रीम इलेवन की घोषणा कर दी गई है। इस टीम में अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे, नार्वे के एरलिंग हालैंड और इंग्लैंड के जूद बेलिंघम जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को जगह मिली है। विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन से सबको प्रभावित करने वाले केप वर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा को भी ड्रीम इलेवन में शामिल किया गया है। 40 वर्षीय वोजिन्हा को गोलकीपर के लिए हुए प्रशंसकों के मतदान में 39.6 प्रतिशत वोट मिले। उन्होंने विश्व कप में पदार्पण करने वाले केप वर्डे के लिए शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, टूर्नामेंट का गोल्डन ग्लव पुरस्कार स्पेन के उनाई सिमोन को मिला था, जिसका चयन फीफा के तकनीकी समूह ने किया था। विश्व कप से पहले पुर्तगाल के दूसरे डिवीजन क्लब चावेस छोड़ने के बाद वोजिन्हा किसी क्लब से नहीं जुड़े थे। इसके बावजूद उन्होंने विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्पेन के खिलाफ गोलरहित ड्रा में सात शानदार बचाव किए। इसके अलावा उन्होंने अंतिम-32 मुकाबले में अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय तक खेलने के लिए मजबूर करने में भी अहम भूमिका निभाई।

नार्वे के स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड को फारवर्ड खिलाड़ियों के मतदान में 27.5 प्रतिशत वोट मिले। हालैंड ने पांच मैचों में सात गोल दागे और अपनी टीम को पहली बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में पांच बार की चैंपियन ब्राजील के खिलाफ 2-1 की जीत में दो गोल किए थे। नार्वे का सफर इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ समाप्त हुआ। ड्रीम इलेवन में हालैंड और वोजिन्हा के अलावा लियोनेल मेसी, किलियन एम्बाप्पे, जूद बेलिंघम, रोद्री, माइकल ओलिसे, पेड्रो पोरो, लिसांड्रो मार्टिनेज, दायो उपामेकानो और मार्क कुकुरेला को भी स्थान मिला है। फीफा विश्व कप 2026 ड्रीम इलेवन

गोलकीपर: वोजिन्हा (केप वर्डे)

डिफेंडर: पेड्रो पोरो (स्पेन), लिसांड्रो मार्टिनेज (अर्जेंटीना), दायो उपामेकानो (फ्रांस), मार्क कुकुरेला (स्पेन)

मिडफील्डर: रोद्री (स्पेन), माइकल ओलिसे (फ्रांस), जूद बेलिंघम (इंग्लैंड)

फारवर्ड: लियोनेल मेसी (अर्जेंटीना), एरलिंग हालैंड (नार्वे), किलियन एम्बाप्पे (फ्रांस)।

साइकिल रेस

वाईरान में टूर डी फ्रांस साइकिल रेस में बेल्जियम के जैस्पर फिलीपैशन सबसे पहले फिनिश लाइन पार कर उत्साहित होते हुए।

आस्ट्रेलिया दौरे से पहले बांग्लादेश को झटका, तेज गेंदबाज इबादत हुसैन बाहर

नई दिल्ली

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज इबादत हुसैन आस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, इबादत अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण बांग्लादेश में ही रहेंगे और टीम के साथ आस्ट्रेलिया का दौरा नहीं करेंगे।

बांग्लादेश की टीम 13 अगस्त से डार्विन में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में आस्ट्रेलिया का सामना करेगी। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र का हिस्सा है। फिलहाल बांग्लादेश डब्ल्यूटीसी अंकतालिका में चौथे स्थान पर है और इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगा।

हालांकि इबादत की गैरमौजूदगी के बीच टीम को एक राहत भी मिली है। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने आस्ट्रेलिया दौरे की बेहतर तैयारी के लिए श्रीलंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) से अपना नाम वापस ले लिया है।

तस्कीन ने कहा, मेरा मुख्य लक्ष्य आस्ट्रेलिया दौरे की तैयारी करना है। हमने जिम्बाब्वे में लगातार छह मैच खेले हैं। अगर मैं एलपीएल भी खेलता और फिर सीधे आस्ट्रेलिया जाता तो टेस्ट मैच की तैयारी प्रभावित होती। इसलिए थोड़ा नुकसान उठाकर भी मैंने एलपीएल से हटने का फैसला किया। आस्ट्रेलिया जैसी टेस्ट सीरीज बार-बार नहीं आती। नाहिद राणा और लिटन दास की फिटनेस पर नजर बांग्लादेश के लिए एक और चिंता तेज गेंदबाज नाहिद राणा की फिटनेस है। उनके शरीर के साइड हिस्से में लगी चोट की स्कैन रिपोर्ट का टीम प्रबंधन को इंतजार है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज लिटन दास भी पिंडली (काफ) की चोट से उबर रहे हैं और टीम को उम्मीद है कि वह आस्ट्रेलिया के खिलाफ उपलब्ध रहेंगे। बांग्लादेश की टीम अगले महीने की शुरुआत में आस्ट्रेलिया पहुंचेगी, जहां 3 अगस्त से डार्विन में क्रिकेट आस्ट्रेलिया एकादश के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। बल्लेबाजों पर जताया भरोसा बांग्लादेश के बल्लेबाजी कोच मोहम्मद अशरफुल ने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट में मिली बड़ी हार के बावजूद अपने बल्लेबाजों पर भरोसा जताया है। अशरफुल ने कहा, आस्ट्रेलिया में चुनौती कठिन होगी, लेकिन सकारात्मक बात यह है कि हम 10-12 दिन पहले वहां पहुंचेंगे और अभ्यास मैच खेलने का मौका मिलेगा। यदि सभी खिलाड़ी फिट रहे तो हम अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, पिछले सात महीनों में हमारे बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया है। एक सीरीज या एक टेस्ट खराब होने का मतलब यह नहीं कि हम निराश हो जाएं। अलग-अलग परिस्थितियों में खेलने से खिलाड़ियों को अनुभव मिला है और हमें विश्वास है कि वे आस्ट्रेलिया में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

चौथी हाकी इंडिया जूनियर महिला अकादमी चैंपियनशिप 24 जुलाई से, ग्वालियर करेगा मेजबानी

नई दिल्ली

भारतीय महिला हाकी की उभरती प्रतिभाओं को मंच देने वाला चौथा हाकी इंडिया जूनियर महिला अकादमी चैंपियनशिप 2026 (जोन ए एवं बी) शुक्रवार, 24 जुलाई से मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शुरू होगा। 11 दिनों तक चलने वाला यह टूर्नामेंट 3 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश की 12 प्रमुख जूनियर महिला हाकी अकादमियां खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

टूर्नामेंट में भाग लेने वाली 12 टीमों को दो पूल में बांटा गया है। प्रत्येक पूल में छह-छह टीमें हैं और लीग चरण में सभी टीमें अपने-अपने पूल की अन्य टीमों से मुकाबला करेंगी। दोनों पूल से शीर्ष दो टीमें 2 अगस्त को होने वाले सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी, जबकि 3 अगस्त को तीसरे स्थान का मुकाबला और फाइनल खेला जाएगा।

पूल-ए में राजा करण हाकी अकादमी, खालसा हाकी अकादमी (अमृतसर), स्पोर्ट्स अथारिटी आफ गुजरात-हाकी अकादमी, हाकी फैमिली बढ़खालसा एनसीआर हाकी सोसायटी, तमिलनाडु हाकी अकादमी और प्रीतम सिवाच हाकी अकादमी, सोनीपत शामिल हैं।

वहीं पूल-बी में रितु रानी हाकी अकादमी, वडीपट्टी राजा हाकी अकादमी, भाई बेहलो हाकी अकादमी भगता, मुंबई स्कूल्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन, अड्यार हाकी अकादमी और मध्य प्रदेश हाकी अकादमी की टीमें खेलेंगी। टूर्नामेंट में लीग चरण के दौरान जीत पर तीन अंक, ड्रा पर एक अंक और हार पर कोई अंक नहीं मिलेगा। नाकआउट मुकाबलों में बराबरी की स्थिति होने पर विजेता का फैसला अंतरराष्ट्रीय हाकी महासंघ (एफआईएच) के नियमों के अनुसार शूटआउट से किया जाएगा। हाकी इंडिया के अध्यक्ष डा. दिलीप टिर्की ने कहा कि जूनियर महिला अकादमी चैंपियनशिप भारत में महिला हाकी के जमीनी ढांचे को मजबूत करने का महत्वपूर्ण मंच बन चुकी है। इससे युवा खिलाड़ियों को देश की बेहतरीन अकादमियों के खिलाफ खेलने का अवसर मिलता है और भविष्य की राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों की पहचान करने में मदद मिलती है। हाकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि अकादमियां युवा खिलाड़ियों को तैयार करने में अहम भूमिका निभाती हैं। ऐसे टूर्नामेंट खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी माहौल और राष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्रदान करते हैं।

पहले दिन का कार्यक्रम

- सुबह 7:30 बजे: राजा करण हाकी अकादमी बनाम खालसा हाकी अकादमी (अमृतसर)
- सुबह 9:00 बजे: स्पोर्ट्स अथारिटी आफ गुजरात-हाकी अकादमी बनाम प्रीतम सिवाच हाकी अकादमी, सोनीपत
- सुबह 10:30 बजे: हाकी फैमिली बढ़खालसा एनसीआर हाकी सोसायटी बनाम तमिलनाडु हाकी अकादमी
- दोपहर 1:30 बजे: रितु रानी हाकी अकादमी बनाम वडीपट्टी राजा हाकी अकादमी
- दोपहर 3:00 बजे: मुंबई स्कूल्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन बनाम अड्यार हाकी अकादमी
- शाम 4:30 बजे: भाई बेहलो हाकी अकादमी भगता बनाम मध्य प्रदेश हाकी अकादमी।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दें

न्यूज ब्रीफ

आईटीसी का 2035 तक आठ लाख करोड़ रुपये के एफएमसीजी बाजार का लक्ष्य

नई दिल्ली। देश की प्रमुख एफएमसीजी कंपनी आईटीसी लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) संजीव पुरी ने गुरुवार को कहा कि कंपनी ने 2035 तक अपने पैकेज्ड गुड्स व्यवसाय के लिए 8 लाख करोड़ रुपये के एड्रेसेबल मार्केट (कुल संभावित बाजार) का लक्ष्य रखा है। कंपनी ब्रांड निर्माण, डिजिटल वाणिज्य के विस्तार और रणनीतिक अधिग्रहणों के जरिये अपनी स्थिति मजबूत करने पर ध्यान दे रही है। आईटीसी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए पुरी ने कहा कि भारतीय एफएमसीजी बाजार उल्लेखनीय विस्तार के लिए तैयार है, देश का उपभोक्ता परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। उन्होंने बताया कि कंपनी इस विशाल अवसर को भुनाने के लिए ब्रांड-बिल्डिंग, एआई-संचालित उपभोक्ता अंतर्दृष्टि, डिजिटल कामर्स और रणनीतिक अधिग्रहण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पुरी ने कहा कि आकांक्षी भारत का उदय, प्रीमियमीकरण, जेन-जेड और जेन-अल्फा उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या, डिजिटल पहुंच का विस्तार और त्वरित वाणिज्य (क्विक कामर्स) का बढ़ता चलन उत्पाद श्रेणियों, वितरण माध्यमों और उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन रुझानों का लाभ उठाने के लिए आईटीसी कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित उपभोक्ता अंतर्दृष्टि प्रणाली का उपयोग कर रही है, जिससे सूक्ष्म स्तर पर उपभोक्ताओं का वर्गीकरण संभव हो रहा है और उनकी बदलती जरूरतों, जीवनशैली तथा उपभोग के अवसरों के अनुरूप अलग-अलग उत्पाद विकसित किए जा रहे हैं।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला इंडो एमआईएम का आईपीओ, 30 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी इंडो एमआईएम का 3,811.21 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 27 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 28 जुलाई को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 जुलाई को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर 3:15 बजे तक ये आईपीओ 82 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 461 रुपये से लेकर 485 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 30 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लाट यानी 30 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,550 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,89,150 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लाट में 390 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 7,86,00,300 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 1,03,09,278 नए शेयर जारी हो रहे हैं, जबकि 6,82,91,022 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये जारी किए जा रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.87 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 34.91 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.96 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा कंपनी के एंप्लायीज के लिए 0.26 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए एचडीएफसी बैंक लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

इंडो एमआईएम की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 283.73 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 423.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 533.54 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 2,900.38 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 3,373.97 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 4,320.70 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 1,085.01 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 1,247.20 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ घट कर 1,090.49 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था।

इस अवधि में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 1,889.04 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 2,030.81 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 2,573.46 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था।

इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 2,050.51 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 2,199.43 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में ये 2,819.55 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2023-24 में 743.46 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 932.60 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 1,070.92 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला लोहिया कार्प का आईपीओ, 30 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

टेक्सटाइल सेक्टर के लिए मशीनरी और सहायक उपकरण बनाने वाली कंपनी लोहिया कार्प का 1,102.08 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 27 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 28 जुलाई को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 जुलाई को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर दो बजे तक ये आईपीओ 18 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ है।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 404 रुपये से लेकर 425 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 35 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लाट यानी 35 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,875 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,375 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लाट में 455 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,59,31,407 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए अधिकतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए इक्वीरस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 117.84 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 193.45 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2024-25 में इसे 1,386.47 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 1,737.87 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी...

हालांकि, मुलाकात में हुई बातचीत के विस्तृत विवरण की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

छात्र आंदोलन के बीच केंद्र सरकार का बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में चल रहे छात्र आंदोलन के बीच केंद्र सरकार ने उच्च शिक्षा विभाग में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया है। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विनीत जोशी को उच्च शिक्षा विभाग के सचिव पद से हटाकर पंचायती राज मंत्रालय का सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी जगह राजस्थान कैडर के 1994 बैच के आईएएस अधिकारी नरेश पाल गंगवार को शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग का नया सचिव बनाया गया है। कार्मिक मंत्रालय के तहत नियुक्ति संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति ने गुरुवार को कई वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्तियों और तबादलों को मंजूरी प्रदान की। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि इन प्रशासनिक बदलावों को छात्र आंदोलन या नीट पेपर लीक विवाद से जोड़कर कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया है। सरकार और आंदोलनकारी छात्रों के बीच बातचीत को लेकर अभी भी गतिरोध बना हुआ है। आंदोलनकारी संगठनों का कहना है कि परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित किए बिना आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा।

स्कूल शिक्षा विभाग में भी बदलाव, कई मंत्रालयों में नए सचिव नियुक्त

सरकारी आदेश के अनुसार, नरेश पाल गंगवार, जो वर्तमान में पशुपालन एवं डेयरी विभाग के सचिव हैं, अब शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। मणिपुर कैडर के 1992 बैच के आईएएस अधिकारी विनीत जोशी को पंचायती राज मंत्रालय का सचिव नियुक्त किया गया है। वे 31 जुलाई 2026 को सेवानिवृत्त होने वाले विवेक भारद्वाज का स्थान लेंगे। इसके अतिरिक्त टी.के. अनिल कुमार को शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग का नया सचिव नियुक्त किया गया है।

पहले इस्तीफा...

अगर सरकार वास्तव में छात्रों का हित चाहती है तो उनसे बात करे। हमारी मांग साफ हैशिक्षा मंत्री तुरंत इस्तीफा दें और मासूम छात्रों पर लाठीचार्ज करने वालों पर सख्त कार्रवाई हो।

सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के जरिए पेपर लीक मामले में एक बड़ा कदम उठाने का संकेत दिया। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार पेपर लीक के दोषियों को बख्शने के मूड में नहीं है और इसके लिए मामलों को फास्ट-ट्रैक कोर्ट में चलाकर त्वरित कार्रवाई और सख्त सजा सुनिश्चित की जाएगी। हालांकि, विपक्ष पीएम के इस प्रस्ताव से संतुष्ट नजर नहीं आया और मंत्री के इस्तीफे पर अड़ा रहा।

लोकसभा में सुबह 11 बजे जैसे ही अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यवाही शुरू की, राहुल गांधी और अखिलेश यादव के नेतृत्व में विपक्षी सांसद वेल में आ पहुंचे और धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो के नारे लगाने लगे। हंगामे को देखते हुए अध्यक्ष ने महज 2 मिनट बाद कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

सदन स्थगित होने के बाद विपक्षी नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल स्पीकर ओम बिरला से मिला, लेकिन दोपहर 12 बजे और फिर 2 बजे सदन शुरू होने पर भी हंगामा शांत नहीं हुआ। आखिरकार, लगातार नारेबाजी के बीच लोकसभा की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।उच्च सदन (राज्यसभा) में भी स्थिति बिल्कुल अलग नहीं रही। सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पेपर लीक का मुद्दा उठाते हुए शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की।

दोपहर 12 बजे दोबारा सदन शुरू होने पर नेता प्रतिपक्ष खड़गे और नेता सदन जेपी नड्डा के बीच तीखी बहस और नोक-झोंक देखने को मिली। इसके बाद सदन को पहले 2 बजे, फिर 3 बजे और अंततः बार-बार के हंगामे के चलते दिनभर के लिए स्थगित करना पड़ा।

प्रदर्शनकारियों पर ...

उसने बताया, मुझे कभी उम्मीद नहीं थी कि दिल्ली के बीचों-बीच पेलेट गन का इस्तेमाल होगा। अब तक मैं यही जानता था कि इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर में होता है। प्रदर्शनकारी ने दावा किया कि उसके मेडिकल-लीगल सर्टिफिकेट में डॉक्टरों ने पेलेट वाउंड दर्ज किया है। प्रदर्शनकारी के मुताबिक, जंतर-मंतर के पास तनाव बढ़ने पर पुलिस आंसू गैस के गोले छोड़ रही थी। इसी दौरान उसने एक पुलिसकर्मी को अपनी तरफ बंदूक तानते देखा। वह तुरंत भागने लगा, तभी उसकी पीठ और दाहिनी कोहनी में चोट लगी। शुरुआत में एड्रेनालिन के असर से दर्द महसूस नहीं हुआ, लेकिन जब पीठ देखी तो खून बह रहा था। कुछ ही मिनटों में लगा जैसे कोई गर्म धातु मेरे शरीर को चीर रही हो। मेरी पीठ में तेज जलन हो रही थी।

घटना के बाद उसे सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसके शरीर से सभी पेलेट निकाल दिए। वहीं, इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, 25 वर्षीय एमबीए स्नातक शेख इरशाद मंसूरी के चेहरे, आंख, गाल, नाक, गर्दन और सीने में कई पेलेट लगे, जिन्हें लेडी हार्डिंग अस्पताल में सर्जरी कर निकाला गया। हालांकि, एक पेलेट अभी भी उनकी गर्दन की मुख्य नस के पास फंसा हुआ है। द हिंदू की एक रिपोर्ट के अनुसार, 19 वर्षीय एक अन्य युवक की दाहिनी आंख में पेलेट लगने से रोशनी जाने का खतरा मंडरा रहा है।

हाईकोर्ट ने दिए वीडियो साक्ष्य सुरक्षित रखने के निर्देश

मामले की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इस पर संज्ञान लिया है। अदालत ने बुधवार को दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि 20 जुलाई की घटना से जुड़े सभी वीडियो साक्ष्यों और फुटेज को सुरक्षित रखा जाए।

दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार की फैक्ट चेक इकाई ने इन सभी आरोपों को पूरी तरह नकार दिया है। दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा, यह दावा पूरी तरह गलत और भ्रामक है कि दिल्ली पुलिस ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर पेलेट गन का इस्तेमाल किया। दिल्ली पुलिस के पास पेलेट गन होती ही नहीं है और न ही प्रदर्शन के दौरान इनका कोई इस्तेमाल किया गया। पीआईबी ने भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे पेलेट गन से जुड़े वीडियो और दावों को पूरी तरह फर्जी करार दिया है और लोगों से केवल आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करने की अपील की है।

क्या होती है पेलेट गन और क्या हैं ?

पेलेट गन को पंप एक्शन गन या रायट शॉटगन भी कहा जाता है। इसके कारतूस से एक साथ दर्जनों छोटे धातु के छर्रे (पेलेट्स) फैलकर निकलते हैं। भारत में इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा हिंसक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कम घातक हथियार के रूप में वर्ष 2010 से किया जाता रहा है।

मानक संचालन प्रक्रिया के तहत पेलेट गन का प्रयोग समझाइश, पानी की बौछार और आंसू गैस के विफल होने के बाद अंतिम विकल्प के रूप में ही किया जाना चाहिए। नियमों के अनुसार, फायरिंग हमेशा कमर के नीचे के हिस्से पर और उचित दूरी से की जानी चाहिए।हालांकि, बीते वर्षों में जम्मू-कश्मीर के अलावा हरियाणा के शंभू बॉर्डर (किसान आंदोलन 2024) और मणिपुर (2023) में भी पेलेट गन के इस्तेमाल के दावे सामने आए थे, लेकिन पुलिस ने हमेशा इनसे इनकार किया है। यदि जंतर-मंतर पर पेलेट गन के इस्तेमाल के दावे सच साबित होते हैं, तो यह देश की राजधानी के केंद्र में आम नागरिकों पर पेलेट गन के इस्तेमाल का एक दुर्लभ और गंभीर मामला बन जाएगा। फिलहाल, डॉक्टरों की मेडिकल रिपोर्ट और पुलिस के दावों के बीच सच्चाई की जांच जारी है।

राहुल की...

बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी वाड्रा, जयराम रमेश, टीएमसी की महुआ मोइत्रा, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, एनसीपी (शरद पवार) की सुप्रिया सुले, आरजेडी की मीसा भारती, सपा के रामजी लाल सुमन और सीपीआई (एम) के जॉन ब्रिटास सहित 120 से ज्यादा सांसद पहुंचे। बैठक के बाद सभी सांसद दो बसों में सवार होकर 30 जनवरी मार्ग (गांधी स्मृति) के लिए रवाना हुए। सांसदों के हाथों में पेपर लीक के विरोध और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग वाले पोस्टर थे। कूच के दौरान नेताओं ने अपने मोबाइल की फ्लैशलाइट जलाकर सांकेतिक विरोध भी दर्ज कराया।मार्ग के पास दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स ने भारी बैरिकेड्स लगाकर बसों को रोक दिया। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत लागू निषेधाज्ञा का हवाला दिया। इस दौरान प्रियंका गांधी खुद बस की ड्राइवर सीट के पास जाकर पुलिस अधिकारियों से बातचीत करती नजर आईं।

सड़क पर रोके जाने के दौरान राहुल गांधी ने कहा,

हमारे छात्र सड़कों पर हैं और पुलिस की लाठियां खा रहे हैं, इसलिए विपक्ष को भी सड़कों पर उतरना पड़ा। संदेश साफ हैभारत के छात्र अकेले नहीं हैं, पूरा विपक्ष उनके साथ खड़ा है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी पोस्ट कर कहा कि यह मार्च उन छात्रों की याद में निकाला जा रहा है जिन्होंने पेपर लीक से हताश होकर अपनी जान दे दी, और जो न्याय की मांग करते हुए घायल हुए हैं।

गांधी स्मृति में राष्ट्रगान और सरकार पर तीखा हमला

पुलिस से गतिरोध खत्म होने के बाद सांसदों का काफिला गांधी स्मृति पहुंचा, जहां सभी नेताओं ने राष्ट्रगान गाया। इस मौके पर राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, महात्मा गांधी की हत्या इसी जगह हुई थी और आज मोदी सरकार भारत में लोकतंत्र की हत्या कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाकर देश के छात्रों से माफी मांगनी चाहिए।वहीं, प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि जिस देश में सत्याग्रह का इतिहास रहा है, वहां आज अपने अधिकारों और न्याय की मांग कर रहे बच्चों पर लाठियां बरसाई जा रही हैं।

भाजपा का पलटवार: जंतर-मंतर के मुद्दों से ध्यान भटकाने का नाटक

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी ने इस पूरे घटनाक्रम को विपक्ष का राजनीतिक ड्रामा करार दिया। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बी.एल. संतोष ने सोशल मीडिया पर लिखा, राहुल गांधी के घर पर एक और ड्रामेबाजी चल रही है। बसें आ रही हैं और सांसद पहुंच रहे हैं। वे जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध प्रदर्शनों से जनता का ध्यान भटकाने का नाटक कर रहे हैं। फिलहाल, नीट पेपर लीक मामले को लेकर सड़क से संसद तक सियासत गरमाई हुई है और विपक्ष शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़ा हुआ है।

हाईजैक हो...

के पास सिख योद्धाओं का समूह निहंग अपने हाथों में तलवारें, कृपाण और लंबे भाले लेकर दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों के सामने खड़ा नजर आया। हालात ऐसे हैं कि बिना पृष्ठभूमि जाने जंतर-मंतर पहुंचने वाले व्यक्ति के लिए यह समझना मुश्किल है कि यह विरोध प्रदर्शन छात्रों के अधिकारों और परीक्षा सुधारों को लेकर है।

वांगचुक के हटते ही बदला माहौल और दिशा

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके द्वारा 6 जून को शुरू किए गए इस आंदोलन को नया बल तब मिला था, जब जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक इससे जुड़े और अनशन पर बैठे। वांगचुक की मौजूदगी तक आंदोलन का पूरा ध्यान शिक्षा, पारदर्शिता और सरकार की जवाबदेही पर केंद्रित था।

हालांकि, 18 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों से सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाए जाने और 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई के बाद माहौल अचानक बदल गया। हजारों की अनियंत्रित भीड़ जुटने से मूल मंच से दूर अलग-अलग गुट अपनी-अपनी राजनीतिक व धार्मिक रोटियां सेकते नजर आ रहे हैं।

हिंसा और यौन उत्पीड़न के आरोप आए सामने

2016 की उरी सर्जिकल स्ट्राइक की योजना बनाने वाले सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सतीश दुआ ने इंस्टाग्राम पर चिंता जताते हुए लिखा, संवाद की कमी के कारण एक शांतिपूर्ण और मुद्दे पर आधारित छात्र आंदोलन को बाहरी तत्वों द्वारा भुनाने और हाईजैक करने का मौका मिल जाता है।जंतर-मंतर पर अराजकता का आलम यह है कि बुधवार रात एक यूट्यूबर के साथ मारपीट की गई, वहीं गुरुवार को प्रदर्शनकारियों और निहंगों के बीच झड़प हुई। ऑन-ड्यूटी पुलिसकर्मियों और आरएएफ जवानों से बदसलूकी के मामले भी सामने आ रहे हैं। इसके अलावा, देर रात एक युवती ने यौन उत्पीड़न की कोशिश का गंभीर आरोप लगाया है। यद्यपि भीड़ ने आरोपी को पीटकर भगा दिया, लेकिन उसे पुलिस को नहीं सौंपा गया। इंटरनेट सेवाएं ठप्प होने के कारण आयोजकों का भीड़ पर से नियंत्रण लगभग खत्म हो चुका है, जिससे महिलाओं की सुरक्षा और आंदोलन के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

शरीफ ...

मुजफ्फराबाद में अपनी बेटी और पंजाब (पाकिस्तान) की मुख्यमंत्री मरियम नवाज के साथ एक जनसभा को संबोधित करते हुए पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के प्रमुख नवाज शरीफ ने कहा, यदि पीएमएल एन -क्षेत्रीय चुनाव जीतती है, तो मैं प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से कहूँगा कि वे मुझे पीओके का प्रधानमंत्री बनाएं। यदि मैं पीएम नहीं भी बनता हूँ, तब भी हर तीन महीने में मुज़फ़्फ़राबाद आकर विकास कार्यों और चुनावी घोषणापत्र के कार्यान्वयन की समीक्षा करूँगा।

गंभीर आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान के पूर्व पीएम ने पीओके का बजट बढ़ाने और झेलम नदी के किनारे एक नई सड़क बनाने जैसे कई लुभावने वादे भी किए।

पीओके में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में पाकिस्तानी सेना और सरकार के खिलाफ हजारों लोग सड़कों पर हैं। सुरक्षा बलों की गोलीबारी में दर्जनों प्रदर्शनकारियों की मौत और कई लोगों के घायल होने की खबर है।

इस तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए चुनाव आयुक्त गुलाम मुस्तफा मुगल ने घोषणा की कि 27 जुलाई को होने वाले चुनाव अब तीन चरणों में संपन्न होंगे, पहला चरण (27 जुलाई): मीरपुर डिवीजन की 13 सीटों पर मतदान।दूसरा चरण (2 अगस्त): मुज़फ़्फ़राबाद की 9 सीटों और शरणार्थियों की 12 सीटों पर चुनाव। तीसरा चरण (10 अगस्त): पुंछ डिवीजन की 11 सीटों पर वोटिंग।

उल्लेखनीय है कि पीओके की तथाकथित विधानसभा में कुल 53 सीटें हैं (45 प्रत्यक्ष + 8 आरक्षित)। चुनाव के दौरान भारी संख्या में पाकिस्तानी सेना और पुलिस बल की तैनाती का फैसला किया गया है।

भारत का सख्त रुख: पूरा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हमारा अविभाज्य हिस्सा

भारत सरकार ने पाकिस्तान द्वारा पीओके और गिलगित-बाल्टिस्तान में किसी भी प्रकार के तथाकथित चुनाव कराए जाने का कड़ा विरोध किया है।

विदेश मंत्रालय ने अपने रुख को दोहराते हुए कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख (जिसमें पाकिस्तान का अवैध कब्जे वाला पीओके और गिलगित-बाल्टिस्तान शामिल हैं) भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा हैं। भारत ने स्पष्ट किया है कि इस क्षेत्र पर पाकिस्तान का कोई भी चुनावी नाटक अवैध और गैर-कानूनी है।

मानसून का...

सड़कों और सोसाइटियों के बेसमेंट में खड़ी गाड़ियां पूरी तरह जलमग्न हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से फोन पर बात कर हालात की समीक्षा की और केंद्र की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राज्य सरकार से वलसाड और प्रभावित इलाकों की जानकारी ली।

भारतीय वायुसेना और तटरक्षक बल को अलर्ट पर रखा गया है।

* बड़ा रेस्क्यू: सूरत से 1,500 और नवसारी की कावेरी नदी के उफान में फंसे 11 गांवों से 200 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है।

* नदियां उफान पर: डांग और नवसारी में अंबिका नदी खतरे के निशान से 2 फीट और कावेरी नदी 4 फीट ऊपर बह रही है। 17 से अधिक गांवों में अलर्ट जारी कर स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है।

* परिवहन ठप्प: अहमदाबाद और दक्षिण गुजरात में रेल पटरियों पर पानी भरने से मुंबई जाने वाली कई ट्रेनें रद्द की गई हैं। राज्य में 300 से अधिक सड़कें और 200 बस रूट प्रभावित हुए हैं।

महाराष्ट्र: पालघर, दहानू और वसई में कई फीट भरा पानी; गोदावरी उफान पर

महाराष्ट्र के पालघर जिले में भारी बारिश के कारण शहर थम से गए हैं। दहानू बस डिपो और प्रमुख सड़कें पूरी तरह जलमग्न हो चुकी हैं, जहां 3 से 4 फीट पानी बह रहा है। दुकानों और सोसाइटियों के ग्राउंड फ्लोर डूब चुके हैं।

वसई और नालासोपारा के निचले इलाकों में गाड़ियां पानी में तैरती नजर आ रही हैं। उधर, नासिक में लगातार बारिश से गोदावरी नदी का जलस्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया है। डारना और गंगापुर बांधों से पानी छोड़े जाने के चलते प्रशासन ने नदी किनारे अलर्ट जारी किया है।

जम्मू-कश्मीर: सलाल व बगलिहार डैम के गेट खोले गए, बांदीपोरा में बाढ़ से महिला की मौत

जम्मू-कश्मीर में भारी मूसलाधार बारिश के बाद फ्लैश फ्लड और भूस्खलन से स्थिति गंभीर बनी हुई है।

* बांधों का बढ़ा जलस्तर: चिनाब नदी के उफान पर आने के बाद रियासी स्थित सलाल डैम और बगलिहार डैम के सभी गेट खोल दिए गए हैं। एनएचपीसी ने लोगों को नदी किनारे न जाने की सलाह दी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 24 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

पूज्य मुकेशमुनिजी म.सा. आदि ठाणा के चातुर्मासिक प्रवचन 28 से

30 जुलाई से आरंभ होगा गुरु गौतम एकासन, गुरु पूर्णिमा पर होगा चातुर्मास का विधिवत शुभारंभ

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मोतियों की नगरी हैदराबाद की पावन धरती पर श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, खैरताबाद एवं श्री मरूधर केसरी रूप-सुकुन चातुर्मास समिति, त्रयनगर के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास के अंतर्गत पूज्य दादा गुरुदेव मरूधर केसरी मिश्रीमलजी म.सा., लोकमान्य संत, शेरे राजस्थान, वरिष्ठ प्रवर्तक पूज्य श्री रूपचंदजी म.सा. के शिष्य तथा मरुधरा भूषण, शासन गौरव, प्रवर्तक पूज्य श्री सुकन मुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती युवा तपस्वी पूज्य श्री मुकेश मुनिजी म.सा., सेवारत्न हरीशमुनिजी म.सा., प्रज्ञारत्न हितेशमुनिजी म.सा. एवं प्रार्थनार्थी सचिन मुनिजी म.सा. आदि ठाणा-4 के चातुर्मासिक नियमित प्रवचन 28 जुलाई (मंगलवार) से प्रारंभ होंगे।

गुरुवार प्रातः प्रार्थना के समय पूज्य संतों के दर्शन-वंदन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने वालों में रूप रजत फाउंडेशन, मारवाड़ जंक्शन के चेयरमैन शांतिलाल सुराणा, वाइस चेयरमैन नौरतमल गुंदेचा, अध्यक्ष सुरेशचंद गुंदेचा, महामंत्री चंदनमल मुणोत, शांतिलाल खींवेसरा, गणेशमल गुगलिया, अमरचंद भंडारी, रतनलाल सुराणा, पारसमल बोहरा, कांतिलाल कटारिया, सोहनलाल मुणोत, झूमरलाल भलगट, महेंद्र बरलोटा, विजयराज गांधी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर गुरुभगवंतों ने सभी को मंगलाशीष प्रदान करते हुए

धर्ममय जीवन का संदेश दिया।

गुरु पूर्णिमा से होगा चातुर्मास का विधिवत शुभारंभ

समिति के अनुसार 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर चातुर्मास का विधिवत शुभारंभ होगा। वहीं प्रत्येक गुरुवार को आयोजित होने वाला गुरु गौतम एकासन 30 जुलाई से विविध धार्मिक अनुष्ठानों के साथ प्रारंभ होगा। चातुर्मास के दौरान कुल 14 गुरुवार गुरु गौतम एकासन की आराधना संपन्न होगी।

प्रतिदिन होंगे प्रवचन, धर्मचर्चा और प्रतिक्रमण

चातुर्मास अवधि में प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना के पश्चात प्रातः 9:15 बजे से मुनिवृंदों के प्रवचन होंगे। प्रतिदिन दोपहर 2:30 बजे धर्मचर्चा तथा सूर्यास्त के बाद प्रतिक्रमण का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक रविवार दोपहर 2:30 बजे बच्चों के लिए संस्कार शिविर एवं श्राविकाओं के लिए धार्मिक ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

चातुर्मास के दौरान 23 अगस्त को पूज्य दादा गुरुदेव मरूधर केसरी मिश्रीमलजी म.सा. की 136वीं जयंती तथा पूज्य श्री रूपचंदजी म.सा. की 98वीं जन्म जयंती गुरुद्वय जन्मोत्सव के रूप में गुणानुवाद सहित मनाई जाएगी।

इसके अतिरिक्त प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार रहेंगे0-

8 से 15 सितंबर : अष्टदिवसीय पर्युषण महापर्व आराधना
13 अगस्त : आचार्य सम्राट आनंदऋषिजी म.सा. की 127वीं जयंती
18 सितंबर : आचार्य सम्राट डॉ. शिव मुनिजी म.सा. की 85वीं जयंती
5 अक्टूबर : युवाचार्य महेंद्रऋषिजी म.सा. जयंती
18 से 26 अक्टूबर : नवपद आयम्बिल ओली आराधना
7 नवंबर : आचार्य सम्राट देवेन्द्र मुनिजी म.सा. जयंती
9 नवंबर : भगवान महावीर स्वामी निर्वाण दिवस
24 नवंबर : वीर लोकाशाह जयंती के अवसर पर चातुर्मास समापन।

समिति ने समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से चातुर्मास के विविध धार्मिक आयोजनों में सहभागी बनकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की है।

नराकास (उपक्रम) हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान में भारत सरकार टकसाल, हैदराबाद द्वारा

अंतर-उपक्रम 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' प्रतियोगिता का आयोजन

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान में एक भारत-श्रेष्ठ भारत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भारत सरकार टकसाल के मुख्य महाप्रबंधक डॉ रमाकांत दीक्षित, श्री वी. बालाजी, महाप्रबंधक (मा.सं), श्री एस पी गंदम, अपर महाप्रबंधक (तक.परि) एवं विश्व दीपक तिवारी, वरिष्ट प्रबंधक (कॉरपोरेट संचार एवं राजभाषा) की विशेष उपस्थिति थी। मुख्य महाप्रबंधक डॉ रमाकांत दीक्षित ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी तथा सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को और अधिक बल मिलता है। भारत सरकार टकसाल, हैदराबाद के डी. रवि कुमार, उप महाप्रबंधक (मा.सं) एवं प्रभारी राजभाषा, ने स्वागत भाषण में कहा कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' प्रतियोगिता केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि भारत की विविधता में निहित एकता, सांस्कृतिक समद्धि तथा राष्ट्रीय एकात्मता का सशक्त संदेश है तत्पश्चात् प्रतियोगिता का शुभांरभ किया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिवाकर दास, सहायक प्रबंधक, भारत डायनामिक्स लिमिटेड ने, द्वितीय स्थान इमरान अहमद, प्रबंधक, बीएचईएल, आरसी पुरम ने तथा तृतीय स्थान वी. उषा रानी, अतिरिक्त अधिकारी, भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड ने प्राप्त किया तथा ए.संदीप, उप महाप्रबंधक, बीएचईएल, कॉरपोरेट अनुसंधान एवं विकास एवं दीपंक बिष्ट, सहायक महाप्रबंधक/ओ एंड एम रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड प्रोत्साहन विजेता चुने गए।प्रतियोगिता में सीमा रानी, कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, बीएसएनएल परिमंडल कार्यालय; टी.पद्मिणी प्रियदर्शिनी, उप विभागीय अभियंता; जी. सैमसन, अधीक्षक (मा.सं.); वेणुबाबु, प्रबंधक; मोहमद इस्तेयक आलम, उप प्रबधक (परियोजना); हर्षवर्धन पडोले, मुख्य प्रबंधक; रेखा गर्ग, वरिष्ठ सहायक; एस.जगदीश, सहायक ग्रेड-3; अभिषेक कुमार, कनिष्ठ तकनीशियन; ए. श्रीकर, सहायक प्रबंधक; हिमांशु गौतम, उप अभियंता ने प्रतिभागिता की।प्रतियोगिता संचालन का तकनीकी संयोजन अजहर सुल्तान, अनुभाग सहायक (राजभाषा); डॉ. सीएच. अम्बेडकर, वी. कनका श्री महालक्ष्मी, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, नराकास (उ) समन्वय कार्यालय, ईसीआईएल द्वारा किया गया।

बिहार के अरवल जिले से आए मुखिया मलक यादव एवं कांग्रेस नेता एन.के. सिंह ने चारमीनार स्थित श्री भाग्यलक्ष्मी माता मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्री गुजराती प्रगति समाज के कार्यकारिणी सदस्य एवं पटेल घनश्याम भवन के संयोजक दिनेश गोसर को उनके 64वें जन्म दिवस पर अभिनंदन करते हुए लव फॉर काऊ फाउंडेशन के जसमत पटेल, डॉ मोहन गुप्ता, रिद्धिश जागीरदार, दिपेन सावला।

मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं, ऐसे कार्यों से ही समाज में संवेदनाएं जीवित रहती हैं : रमाकांत पोद्दार

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पहली बार सूरत से हैदराबाद आए कैलाश केडिया के परिजन रमाकांत पोद्दार ने सेवा कार्य में भाग लेकर जरूरतमंदों को अपने हाथों से भोजन वितरित किया। सेवा का यह दृश्य देखकर वे भावुक हो गए और उन्होंने कहा कि आज उन्हें ऐसा अनुभव हुआ, जिसे शब्दों में व्यक्त करना आसान नहीं है।

अपने उद्बोधन में रमाकांत पोद्दार ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भाव से प्रतिदिन मानव सेवा कर रहा है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब लोग अपने-अपने जीवन में व्यस्त हैं, तब जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाने का यह प्रयास वास्तव में ईश्वर की सच्ची पूजा है। उन्होंने कहा कि भूखे को भोजन, निराश को आशा और पीड़ित को अपनापन देना सबसे बड़ा पुण्य है। यदि समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति सप्ताह में केवल एक दिन भी ऐसी सेवा के लिए समर्पित कर दे, तो कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोएगा और समाज में प्रेम, करुणा तथा भाईचारे की भावना और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने राधे-राधे ग्रुप के सभी सेवा सहयोगियों को साधुवाद एवं हार्दिक अभिनंदन देते हुए कहा कि आज उन्हें अपने परिजन कैलाश केडिया के माध्यम से इस पुण्य सेवा से जुड़ने का सौभाग्य मिला। यह उनके जीवन का अविस्मरणीय अनुभव रहेगा। उन्होंने संकल्प व्यक्त किया कि जब भी सूरत से हैदराबाद आने का अवसर मिलेगा, वे अवश्य इस सेवा अभियान का हिस्सा बनेंगे और यथाशक्ति सहयोग देंगे।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया, भगतराम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, नंद किशोर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, रमाकांत पोद्दार, सुरेश सिंघल एवं सोहनलाल दायमा सहित अनेक सेवा सहयोगी उपस्थित रहे।

ऋषि शृंग शोभायात्रा के स्वागत की तैयारियां तेज, धाकड़ी परिवार ने बनाई 11 सदस्यीय संयोजक समिति

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल समाज के धाकड़ी गांव परिवार द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ऋषि शृंग जयंती के अवसर पर निकलने वाली भगवान ऋषि शृंग की भव्य शोभायात्रा के स्वागत की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस वर्ष शोभायात्रा का स्वागत बुधवार, 29 जुलाई 2026 को बेगम बाजार स्थित सेंट्रल बैंक के समीप नागला एजेंसी के पास विशेष स्वागत मंच पर किया जाएगा।

इस संबंध में समाज भवन में एक बैठक का आयोजन चौधरी श्यामसुंदर उपाध्याय की अध्यक्षता में किया गया। बैठक का शुभारंभ शृंग वंदना के साथ हुआ। इसके बाद शोभायात्रा के स्वागत, मंच व्यवस्था तथा कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी विशेष बल दिया गया, ताकि कार्यक्रम का संचालन सुचारु रूप से किया जा सके।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए 11 सदस्यीय संयोजक मंडल का गठन किया गया। इसमें नरेश नागला सोडावत, मुकेश व्यास, आशीष व्यास, किशोर उपाध्याय, विनोद नागला (मलकाजगिरि), विनोद लाखावत (मुर्तिजापुर), नितेश व्यास, अभिषेक नागला सोडावत, जुगल किशोर उपाध्याय, अवधेश व्यास तथा राधेश्याम व्यास को जिम्मेदारी सौंपी गई।

समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि पूरा धाकड़ी गांव परिवार कार्यक्रम से जुड़ा हुआ है, जबकि आयोजन को सुव्यवस्थित बनाने के लिए इन सदस्यों को विशेष दायित्व दिए गए हैं।बैठक में सभी समाजबंधुओं से आग्रह किया गया कि वे 29 जुलाई को अपने परिवार सहित समय पर स्वागत मंच पर उपस्थित होकर शोभायात्रा की शोभा बढ़ाएं और आयोजन को सफल बनाएं।

बैठक में रामदेव नागला, रूपचंद व्यास, श्रीनिवास व्यास, गजानंद व्यास, पुरुषोत्तम नागला, रमेशचंद नागला, नरेश नागला, जुगल किशोर खरतावत, किशोर खरतावत, पुरुषोत्तम व्यास, शुभम नागला, आशीष व्यास, मुकेश व्यास तथा राधेश्याम व्यास सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

वरंगल में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अर्धवार्षिक बैठक संपन्न

वरंगल, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय स्टेट बैंक, प्रशासनिक कार्यालय, वरंगल के संयोजन एवं तत्वावधान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, वरंगल की अर्धवार्षिक बैठक 23 जुलाई 2026 को उप महाप्रबंधक श्री घनश्याम सोलंकी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न बैंकों, वित्तीय संस्थानों, सार्वजनिक उपक्रमों तथा केंद्र सरकार के कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में सदस्य कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी एवं बेहतर क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। राजभाषा नीति के अनुपालन, सरकारी कार्यालयों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग तथा कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), वरंगल के कुलसचिव श्री सुनील कुमार मेहता भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक का संचालन भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, वरंगल के सदस्य-सचिव श्री वाई. प्रसन्न कुमार ने किया।

अंत में पंजाब नेशनल बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) श्री राजा सुधीर ने सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ बैठक का औपचारिक समापन किया गया।

रेवंत रेड्डी का बीआरएस पर तीखा हमला

नीट धांधली पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा क्यों नहीं मांग रहे केटीआर?

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर तीखा हमला बोलते हुए सवाल उठाया है कि नीट पेपर लीक और सीबीएसई मूल्यांकन गड़बड़ी जैसे गंभीर मुद्दों पर विफल रहने के बावजूद बीआरएस केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग क्यों नहीं कर रही है? उन्होंने दावा किया कि ऐसा इसलिए है क्योंकि बीआरएस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच अंदरूनी साठगांठ है।

मुख्यमंत्री की यह प्रतिक्रिया बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव (केटीआर) द्वारा दिल्ली में छात्रों और युवाओं पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में शुक्रवार को इंदिरा पार्क में धरना देने के ऐलान के बाद आई है। गुरुवार को विधानसभा परिसर में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत के दौरान रेवंत रेड्डी ने अपने उस आरोप को दोहराया जिसमें उन्होंने 'ग्लोबारेना' कंपनी को केटीआर की बेनामी कंपनी बताया था। गौरतलब है कि केटीआर ने इस बयान पर मुख्यमंत्री को मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है।

ग्लोबारेना विवाद और 2019 इंटरमीडिएट परीक्षा का मुद्दा उठा

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने याद दिलाया कि ग्लोबारेना कंपनी 2019 में तेलंगाना इंटरमीडिएट परीक्षा में हुई भारी अनियमितताओं में शामिल थी, जिसके बाद उत्तर पुस्तिकाओं के गलत मूल्यांकन के कारण 27 छात्रों ने आत्महत्या कर ली थी।

रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि केटीआर ने दिल्ली में भाजपा नेताओं को प्रभावित करके इस साल उसी ग्लोबारेना कंपनी को सीबीएसई परीक्षा का ठेका दिलाने में मदद की। उन्होंने इन अनियमितताओं के लिए केटीआर से सार्वजनिक माफी की मांग की। साथ ही, उन्होंने केटीआर को चुनौती दी कि यदि वे बेदाग हैं, तो ग्लोबारेना

मामले और जानवाड़ा फार्महाउस की भूमि के स्वामित्व की जांच की मांग करें।

केटीआर द्वारा भेजे गए मानहानि नोटिस पर चुटकी लेते हुए रेवंत रेड्डी ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि मानहानि का मुकदमा आमतौर पर वह व्यक्ति दायर करता है जिसकी समाज में प्रतिष्ठा और ईमानदारी हो। उन्होंने सवाल किया कि क्या केटीआर ऐसी स्थिति में हैं कि वे नोटिस जारी कर सकें? उन्होंने मांग की कि यदि केटीआर को लगता है कि आरोप झूठे हैं, तो वे सेंट्रल क्राइम स्टेशन में ग्लोबारेना के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएं।

धरना चौक, कालेश्वरम सीबीआई जांच और 70,000 नौकरियों की चुनौती

रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने ही उस 'धरना चौक' को फिर से खोला है जिसे बीआरएस सरकार ने बंद कर दिया था, और अब केटीआर उसी स्थान पर विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना रहे हैं। कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई जांचों पर हो रही आलोचना का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि जब भी प्रशासन किसी गड़बड़ी की जांच के आदेश देता है, तो विपक्ष उस पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाने लगता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कालेश्वरम परियोजना पर न्यायमूर्ति पी.सी. घोष न्यायिक आयोग द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट को जांच के लिए पहले ही सीबीआई को भेजा जा चुका है और केंद्रीय एजेंसी अपनी इच्छानुसार कोई भी जांच करने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है।

सरकारी भर्तियों के मुद्दे पर रेवंत रेड्डी ने केटीआर को चुनौती दी कि वे विधानसभा में खाली पदों को भरने का मुद्दा उठाएं। वे चयनित उम्मीदवारों के नामों के साथ 70,000 नियुक्तियों की सूची देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के महज 55 दिनों के भीतर 11,000 शिक्षक पदों को भरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार की आदत सिर्फ नौकरियां निकालने, पेपर लीक कराने और फिर उस प्रक्रिया से मुनाफा कमाने की थी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि वर्तमान सरकार खाद्य अपमिश्रण (मिलावटखोरी) के खिलाफ सख्त रुख अपना रही है।

बीआरएस की वापसी के दावों को नकारा, चुनावी भविष्यवाणियों का दिया हवाला

रेवंत रेड्डी ने केटीआर के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि बीआरएस अगले चुनावों में 80 विधानसभा सीटें जीतकर तेलंगाना में सत्ता में वापसी करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान दोनों नेताओं द्वारा की गई भविष्यवाणियों की तुलना की जानी चाहिए।

हाल ही में हुए जुबली हिल्स उपचुनाव का जिक्र करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि केटीआर ने बीआरएस के 50,000 वोटों के अंतर से जीतने की भविष्यवाणी की थी, जबकि उन्होंने (रेवंत) कांग्रेस के लिए 30,000 वोटों से जीत का अनुमान लगाया था। रेवंत रेड्डी ने कहा, मेरी भविष्यवाणी सच साबित हुई।

इंदिरम्मा आवास योजना पर तलसानी का राज्य सरकार पर हमला बोले

हैदराबाद के गरीबों से 6 लाख रुपये मांगना छलावा

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की मुख्य विपक्षी पार्टी भारत राष्ट्र समिति ने गुरुवार को राज्य की सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार पर जोरदार हमला बोला। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने हैदराबाद में इंदिरम्मा आवास योजना के तहत लाभार्थियों से 6 लाख रुपये की अंशदान राशि (लाभार्थी हिस्सा) मांगने के फैसले का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस अपने चुनावी वादे के मुताबिक गरीबों को मुफ्त मकान उपलब्ध कराए।

भारत राष्ट्र समिति विधायक दल के उपनेता तलसानी श्रीनिवास यादव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मांग की कि बीआरएस शासन के दौरान शहर में बनकर तैयार हुए 39,000 डबल-बेडरूम मकान, जो वर्तमान में खाली पड़े हैं, उन्हें बिना किसी देरी के पात्र गरीबों को आवंटित किया जाए।

30 महीनों में एक भी घर नहीं बना पाई कांग्रेस सरकार

तलसानी श्रीनिवास यादव ने बीआरएस सरकार की उपलब्धियों को याद दिलाते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में लगभग एक लाख डबल-बेडरूम घरों का निर्माण कराया था। उन्होंने कहा:

हमने सचिवालय के पास जैसे प्रमुख और कीमती इलाकों में भी लॉटरी (ड्रा) के माध्यम से लाभार्थियों का पारदर्शी चयन कर गरीबों को पूरी तरह मुफ्त 2-बीएचके मकान दिए थे। लेकिन बड़े-बड़े वादे

करके सत्ता में आई कांग्रेस सरकार अपने 30 महीनों के कार्यकाल में शहर के भीतर एक भी नया घर बनाने में पूरी तरह नाकाम रही है।

राज्य सरकार के नए दिशा-निर्देशों की आलोचना करते हुए तलसानी ने कहा कि कांग्रेस सरकार अब दावा कर रही है कि वह शहर में केवल 7,000 से 8,000 इंदिरम्मा घर बनाएगी और इसके बदले प्रति मकान लाभार्थियों से 6 लाख रुपये जमा करने को कह रही है।

पूर्व मंत्री ने स्पष्ट किया:यदि सरकार गरीबों के लिए मकान बनाकर उन्हें मुफ्त में देती है, तो हम इसका स्वागत करेंगे।

लेकिन अपने आशियाने की उम्मीद लगाए बैठे गरीब लाभार्थियों से इस तरह लाखों रुपये वसूलना किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। सरकार को अपना वादा निभाना ही होगा।

पहली बार सेवा से जुड़े राजेंद्र कुमार अग्रवाल बोले राधे-राधे ग्रुप का सेवा कार्य पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने गुरुवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर पहली बार कार्यक्रम में शामिल हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज यहां आकर उन्हें जो आत्मिक संतोष और अपनापन महसूस हुआ, वह शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भाव, समर्पण और सेवा भावना के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर अन्नदान कर रहा है, वह वास्तव में अनुकरणीय और प्रेरणादायी कार्य है। उन्होंने कहा कि यदि राधारानी की कृपा रही तो वह भविष्य में नियमित रूप से इस सेवा कार्य से जुड़कर अपना योगदान देंगे।

राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि आज के समय में अधिकांश लोग अपने व्यक्तिगत कार्यों और व्यस्तताओं में ही उलझे रहते हैं, ऐसे में राधे-राधे ग्रुप के संयोजक और सभी सेवाभावी सदस्य प्रतिदिन अपना अमूल्य समय निकालकर जरूरतमंदों की सेवा कर रहे हैं। यह केवल भोजन वितरण नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने विशेष रूप से ग्रुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल, सतीश कुमार गुप्ता, राम प्रकाश अग्रवाल एवं महेश अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इतना बड़ा सेवा अभियान निरंतर चलाना आसान नहीं है। इसके लिए दृढ़ संकल्प, समर्पण और ईश्वर के प्रति अटूट आस्था की आवश्यकता होती है।कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरशुवाले अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल, शर्मिला अग्रवाल, रेनू शर्मा एवं जगन गुप्ता सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

राजपूत समाज, हैदराबाद का वार्षिक कार्यक्रम आषाढ़ के बगीचे आयोजित

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजपूत समाज, हैदराबाद का वार्षिक कार्यक्रम आषाढ़ के बगीचे महाराणा प्रताप फंक्शन पैलेस, अंबरपेट, हैदराबाद में एक भव्य और उल्लासपूर्ण माहौल में आयोजित किया गया।

सेवानिवृत्त न्यायाधीश और राजपूत समाज के अध्यक्ष श्री टी. गोपाल सिंह ने इस समारोह की अध्यक्षता की। मुंबई से आये अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के वरिष्ठ महासचिव श्री हरगोविंद सिंह तोमर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि यह राजपूत समुदाय का एक अनूठा उत्सव है, जिसे हैदराबाद में पुनर्जीवित कर इतने शानदार तरीक़े से मनाया जा रहा है।

श्री नरेंदर सिंह ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। इस समारोह में मुंबई से श्री वीरेंद्र सिंह और श्री विनोद सिंह; क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट बोर्ड (केआरटीबी) के अध्यक्ष श्री कुंदन सिंह और सचिव श्री रघुनंदन सिंह, क्षत्रिय राजपूत सभा के अध्यक्ष श्री जयवीर सिंह, केआरटीबी के क़ानूनी सलाहकार श्री अनूप कुमार सिंह और श्री कल्याण सिंह, ज़िला ग्रंथालय संस्था, पेद्दापल्ली के पूर्व अध्यक्ष श्री रघुवीर सिंह और राजपूत समुदाय के अन्य प्रमुख सदस्य उपस्थित थे। अंत में श्री जीवन सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

राहुल गांधी वैकल्पिक राष्ट्रीय नेता के रूप में उभर रहे हैं: उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सिंचाई और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार देश के युवाओं की उम्मीदों को पूरा करने एवं चिंताओं का समाधान करने में नाकाम रही है, जिससे सरकार और युवाओं के बीच दूरी बढ़ रही है।

एक प्रेस बयान में श्री रेड्डी ने कहा कि बढ़ती बेरोजगारी, बार-बार परीक्षा के पेपर लीक होने, छात्रों के भविष्य को लेकर अनिश्चितता एवं पर्याप्त अवसरों की कमी ने युवाओं में बहुत निराशा उत्पन्न कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन चिंताओं पर ध्यान देने के बजाय केंद्र सरकार गिरफ़्तार कर और डरा-धमकाकर छात्रों एवं युवाओं के शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शनों को दबा रही है, जो उनके अनुसार लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संविधान के ख़िलाफ़ है।

उन्होंने कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्रों एवं युवाओं के मुद्दों को उठाकर और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करके लगातार उनका साथ दिया है। उन्होंने दावा किया कि श्री गांधी की राजनीति प्यार, न्याय, समानता एवं संवैधानिक सिद्धांतों पर आधारित है और कहा कि उन्हें युवाओं, बुद्धिजीवियों, मध्यम वर्ग और आम जनता का भरोसा मिल रहा है। श्री रेड्डी ने कहा, राहुल गांधी न केवल विपक्ष के नेता के रूप में बल्कि देश के लिए एक वैकल्पिक नेता के रूप में भी उभर रहे हैं। तेलंगाना सरकार की पहलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार जन-कल्याण, किसान कल्याण, युवाओं के रोज़गार एवं सामाजिक न्याय को प्राथमिकता दे रही है और लोगों की समस्याओं का समाधान करना उसका मुख्य उद्देश्य है।

रूप रजत फाउंडेशन की साधारण सभा संपन्न, वार्षिक लेखा-जोखा प्रस्तुत

हैदराबाद, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रूप रजत फाउंडेशन की साधारण बैठक का आयोजन हैदराबाद स्थित होटल मुंबई मसाला में किया गया। बैठक में वित्तीय वर्ष का आय-व्यय एवं लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया तथा आगामी सत्र में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों, सामाजिक गतिविधियों तथा फाउंडेशन को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के संबंध में विभिन्न सुझावों पर चर्चा की गई।

उपस्थित पदाधिकारियों ने आगामी सत्र की कार्ययोजना को लेकर अपने-अपने विचार भी रखे। बैठक चेयरमैन शांतिलाल सुराणा, ज्वाइंट चेयरमैन नवरतनमल गुंदेचा, अध्यक्ष सुरेशचंद गुंदेचा तथा मंत्री चंदनमल मुनोत के सान्निध्य में संपन्न हुई। इस अवसर पर पारसमल बोहरा, हनुमानजी खींवेसरा, शांतिलाल खींवेसरा, कांतिलाल नाहर, अमरचंद भंडारी, अशोक कुमार गुगलिया, माणकचंद पोकरणा, गणेशमल गुगलिया, गौतमचंद डंक, गौतमचंद गुगलिया, झूमरलाल भलघट, महावीरचंद खींवेसरा, मिश्रीमल कटारिया, रमेशचंद बोहरा, प्यारेलाल पितलिया, रणजीतमल गुंदेचा, रतनचंद सुराणा, सोहनलाल मुनोत, उत्तमचंद भलघट, उत्तमचंद कोठारी तथा विजयराज गांधी सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक का समापन संगठन की भावी योजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने के संकल्प के साथ हुआ।

सीएसआईआर-आईआईसीटी ने सिरीपुरम ग्राम पंचायत को सौंपा 500 केएलडी का मॉडल अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र

सिरीपुरम, यादाद्री भुवनगिरि , 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रामीण विकास, पर्यावरण संरक्षण और प्रौद्योगिकी-आधारित सामुदायिक सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीटी), हैदराबाद ने सिरीपुरम ग्राम पंचायत को 500 केएलडी (किलो लीटर प्रतिदिन) क्षमता वाला मॉडल विकेंद्रीकृत संयुक्त अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र औपचारिक रूप से सौंप दिया है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग , भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से तैयार यह अत्याधुनिक संयंत्र कपड़ा रंगाई के रासायनिक कचरे और गांव के घरेलू अपशिष्ट जल का एक साथ प्रभावी उपचार करेगा।

प्रयोगशाला से करघे तक: 'लैब टू लूम'

हस्तांतरण समारोह के दौरान अतिथियों का स्वागत करते हुए सीएसआईआर-आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा: सिरीपुरम मॉडल यह साबित करता है कि वैज्ञानिक नवाचार ग्रामीण समुदायों के जीवन और आजीविका में प्रत्यक्ष सुधार ला सकते हैं। यह सही अर्थों में एक 'लैब टू लूम' पहल है। हमें विश्वास है कि यह मॉडल देश भर के अन्य हथकरघा क्लस्टरों के लिए जल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण का एक टिकाऊ ढांचा प्रदान करेगा।

समारोह में उपस्थित नकरेकल विधायक

श्री वेमुला वीरेशम ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह तकनीक पोचमपल्ली इकत के बुनकरों को वैश्विक पहचान और पर्यावरण-अनुकूल प्रमाणन दिलाने में मदद करेगी।

सीएसआईआर-नीरी के निदेशक डॉ. एस. वेंकट मोहन ने संयंत्र की तकनीकी बारीकियों को साझा किया:

रसायन-मुक्त प्रक्रिया : इसमें बाहरी रासायनिक पदार्थों का उपयोग किए बिना जैविक और 'बायोइलेक्ट्रोकैटालिटिक' प्रक्रियाओं द्वारा जटिल रंगों व कार्बनिक दूषकों को नष्ट किया जाता है।

कम ऊर्जा खपत: यह प्रणाली मुख्य रूप से गुरुत्वाकर्षण पर आधारित है, जिससे बिजली की खपत बेहद कम होती है।

सर्कुलर वाटर इकोनॉमी: उपचारित जल को गैर-पेय कार्यों और कपड़ा उत्पादन की अन्य प्रक्रियाओं में पुनः उपयोग में लाया जा सकता है।

आसान रखरखाव: इसे ग्रामीण और विकेंद्रीकृत स्तर पर आसानी से संचालित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

लगभग 7,000 ग्रामीणों को मिलेगा सीधा लाभ

प्रसिद्ध पोचमपल्ली इकत हथकरघा क्लस्टर का हिस्सा होने के कारण सिरीपुरम में रंगाई गतिविधियों से निकलने वाला रसायनयुक्त पानी स्थानीय जल स्रोतों और कृषि भूमि को दूषित कर रहा था।

यह नया संयंत्र गांव के लगभग 7,000 निवासियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्यावरण में सुधार लाएगा। साथ ही, यह पहल भारत के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय लक्ष्यों को मजबूती प्रदान करते हुए जल संरक्षण का एक राष्ट्रीय मॉडल बनेगी।

राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में डोंगली में कांग्रेस का प्रदर्शन

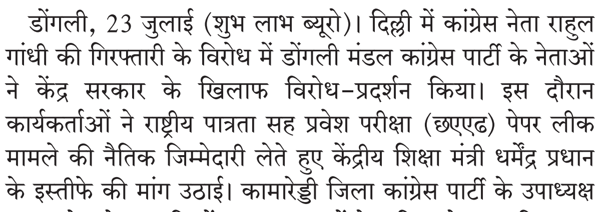

डोंगली, 23 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में डोंगली मंडल कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (छएएढ) पेपर लीक मामले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई। कामारेड्डी जिला कांग्रेस पार्टी के उपाध्यक्ष यूनुस पटेल ने कहा कि केंद्र सरकार छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी ने गुरुवार को शांतिपूर्ण ढंग से विरोध-प्रदर्शन आयोजित कर परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में छएएढ पेपर लीक के विरोध में आयोजित प्रदर्शन के दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं राहुल गांधी, प्रियंका गांधी तथा अन्य विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है और कांग्रेस इसकी कड़ी निंदा करती है।प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान छएएढ परीक्षा पेपर लीक की नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए अपने मंत्री पद से इस्तीफा दें। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि परीक्षा प्रणाली में हुई कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.